THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 288 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.10 2081 गुरुवार, 9 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आप नेताओं को सीएम हाउस पर रोका गया

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज बुधवार सुबह सीएम हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने अंदर जाने से रोका गया। वे कुछ देर के लिए धरने पर बैठे, फिर पीएम आवास की ओर रवाना हो गए। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने हम पर दिल्ली सीएम हाउस को शीशमहल बनाने का आरोप लगाया है। हम इन आरोपों की सच्चाई बताना चाहते हैं, इसलिए यहां पहुंचे हैं। हम जब यहां आए तो भाजपा वाले दिखाई नहीं दे रहे। दिल्ली पुलिस हमें अंदर जाने से रोक रही है। दरअसल, कल दिल्ली सीएम आतिशी ने आरोप लगाया था कि भाजपा की केंद्र सरकार ने 6 फ्लैगस्टाफ रोड वाले सीएम हाउस से उनका सामान निकालकर फेंक दिया है।

आंध्र को 2 लाख करोड़ की सौगात

> आंध्र प्रदेश का विकास हमारा विजन : पीएम मोदी

अमरावती, 8 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आंध्र प्रदेश को दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात दी। विशाखापत्तनम में आयोजित कार्यक्रम में पीएम परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें हरित हाइड्रोजन केंद्र और औषधि पार्क प्रमुखता से शामिल हैं। इससे पहले उन्होंने पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण के साथ विशाखापत्तनम में रोड शो किया। पिछले वर्ष लगातार तीसरी बार पीएम का पद संभालने के बाद यह मोदी का राज्य का पहला दौरा है।

> आंध्र प्रदेश का विकास हमारा विजन

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आंध्र प्रदेश का विकास हमारा विजन है। आंध्र प्रदेश के लोगों की सेवा हमारा संकल्प है। आंध्र प्रदेश को 2047 तक करीब 2.5 ट्रिलियन डॉलर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस विजन को साकार करने के लिए चंद्रबाबू नायडू की सरकार ने स्वर्ण आंध्र एट 2047 की पहल की है। इसमें केंद्र की एनडीए सरकार भी आंध्र प्रदेश के हर लक्ष्य के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। इसलिए केंद्र सरकार लाखों करोड़ की योजनाओं में आंध्र प्रदेश को विशेष प्राथमिकता दे रही है।

पीएम मोदी ने कहा, आज यहां दो लाख करोड़ से ज्यादा की लागत की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। ये परियोजनाएं आंध्र प्रदेश के विकास को नई ऊंचाई देंगे। मैं इन विकास परियोजनाओं के लिए आंध्र प्रदेश सहित पूरे देश को बधाई देता हूं। आंध्र प्रदेश अपने नवाचार की प्रकृति के कारण आईटी और तकनीकी का इतना बड़ा केंद्र है। अब समय है आंध्र नई और भविष्य की तकनीकियों का केंद्र बने। जो तकनीकी विकसित हो रही है, हम अभी से उसमें आगे रहें। उन्होंने कहा, आज ग्रीन हाइड्रोजन एक उभरता हुआ क्षेत्र है। देश ने 2023 में नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन की शुरुआत की थी। हमारा लक्ष्य है कि 2030 तक पांच मिलिनिट मिट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन हो। इसके लिए शुरुआती चरण में दो ग्रीन हाइड्रोजन केंद्र स्थापित होंगे। जिनमें से एक हमारा विशाखापत्तनम है। भविष्य में विशाखापत्तनम दुनिया के उन गिने-चुने शहरों में होगा, जहां इतने बड़े पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की सुविधा होगी। इस ग्रीन हाइड्रोजन केंद्र से अनेक रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, साथ ही आंध्र प्रदेश में विनिर्माण का पारिस्थितिकीतंत्र तैयार होगा।

✻ विशाखापत्तनम में रोड शो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण के साथ विशाखापत्तनम में रोड शो किया। इस बीच में मोदी-मोदी के नारे लगे। 2024 में लगातार तीसरी बार पीएम का पद संभालने के बाद मोदी का यह राज्य का पहला दौरा है। उन्होंने 1.85 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं का वर्चुअली शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने पुडीमडका में बन रहे ग्रीन हाइड्रोजन हब प्रोजेक्ट की भी नींव रखी।

> पीएम मोदी ने इन प्रोजेक्ट्स का भी शुभारंभ व शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री 1518 करोड़ रुपए से 2500 एकड़ जमीन पर बने कृष्णापटनम इंडस्ट्रियल हब का वर्चुअली शुभारंभ किया। इससे 50 हजार लोगों को रोजगार का अवसर मिलेगा। नक्कापल्ली में 1877 करोड़ रुपए के बल्क ड्रग पार्क की वर्चुअली आधारशिला रखी गई। यह 11542 करोड़ रुपए की लागत से 2002 एकड़ जमीन पर बनेगा। जिससे 54 हजार लोगों को नौकरी मिलने की उम्मीद है। तिरुपति जिले में चेन्नई-बेंगलुरु इंडस्ट्रियल कॉरिडोर प्रोजेक्ट के तहत ग्रीनफील्ड इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी बनाई जाएगी। इससे राज्य में 10500 करोड़ रुपए का निवेश आने और एक लाख लोगों को नौकरियां मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री रेलवे और सड़क परियोजनाओं का भी लोकार्पण और शिलान्यास किया, जिनकी कुल लागत 19500 करोड़ रुपए है। गुंटूर, बीबीनगर, गूटी और पेंडेकल्लू के बीच रेलवे डबलिंग वर्क्स की आधारशिला रखी।

यह अदालत की राय बनाम विधायिका होगी : सुप्रीम कोर्ट

सीईसी-चुनाव आयुक्तों के चयन पर अगले महीने होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि यह अदालत की राय बनाम विधायिका होगी। अदालत ने 2023 के कानून के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 4 फरवरी को सुनवाई तय की है।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दिपांकर दत्त और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने मामले की सुनवाई की। एक गैर सरकारी संगठन का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील प्रशांत भूषण ने पीठ को सूचित किया कि मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त (सीआईसी) राजीव कुमार 18 फरवरी को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। अगर अदालत ने हस्तक्षेप नहीं किया तो नए नियम के तहत नया सीईसी नियुक्त किया जाएगा।

वकील प्रशांत भूषण ने बताया कि शीर्ष अदालत ने दो मार्च 2023 के अपने फैसले में सीईसी और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश को शामिल करते हुए एक पैनल का गठन किया है। हालांकि, नए कानून के तहत चयन समिति में प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, विपक्ष के नेता या लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को शामिल किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश को चयन समिति पैनल से हटा दिया गया है। याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने बताया कि सरकार ने दो मार्च 2023 के फैसले पर एक नया कानून बनाया।

उन्होंने कहा, हमारा विचार है कि सरकार मुख्य न्यायाधीश को उस चयन पैनल से नहीं हटा सकती जिसे 2 मार्च, 2023 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित करने का निर्देश दिया गया था। पूर्व आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को नए कानून के तहत पीएम मोदी की अध्यक्षता वाले चयन पैनल द्वारा 2024 में ईसी के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की गई थी। एनजीओ ने वैधता को चुनौती दी और मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा 7 के संचालन पर रोक लगाने की मांग की। इसके कारण सीजेआई को बाहर रखा गया था।

बजट से पहले कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

विकास और निवेश पर मंदी के बादल छाए

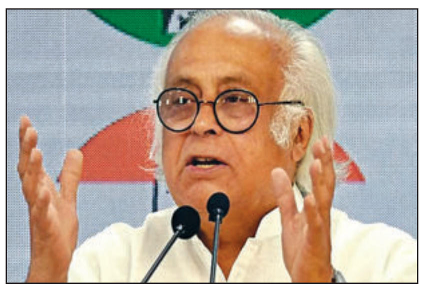

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। चालू वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि अनुमान में कटौती के बाद मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा है कि विकास और निवेश पर मंदी के बादल छा गए हैं, इसे दूर करने के लिए कठोर कदम उठाने की जरूरत है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा है कि केंद्रीय बजट से पहले आर्थिक मोर्चे पर निराशाजनक पृष्ठभूमि हुई है।

रमेश ने सुझाव दिया कि भारत में गरीबों की आमदनी बढ़ाने, मनरेगा मजदूरी में इजाफा करने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि समय की मांग है। रमेश ने जीएसटी व्यवस्था को हास्यास्पद रूप से जटिल' बताते हुए इसे सरल बनाने और मध्यम वर्ग के लिए आयकर में राहत की भी मांग की। कांग्रेस नेता रमेश ने एक बयान में कहा कि केंद्र सरकार की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के लिए जारी अग्रिम अनुमानों में महज 6.4 प्रतिशत की वृद्धि की बात कही गई है। उन्होंने कहा, यह चार साल का निचला स्तर है और वित्त वर्ष 2024 (2023-24) में दर्ज 8.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में इसमें बड़ी कटौती की गई है। रमेश के अनुसार, यह आरबीआई के हाल के 6.6 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से भी कम है, जबकि आरबीआई ने पूर्व में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान जताया था। रमेश ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ ही हफ्तों में, भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार कमजोर हो गया है। रमेश के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र में वैसी वृद्धि नहीं हो रही, जैसी होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार अब विकास में सुस्ती और इसके विभिन्न आयामों की वास्तविकता से इनकार नहीं कर सकती है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में भारत की खपत की कहानी उलट गई है और यह अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरी है।

अनशन कर रहे डल्लेवाल की हालत नाजुक

चंडीगढ़, 8 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक है। उनके अनशन का आज 44वां दिन है। वह किसी के साथ बात भी नहीं कर पा रहे हैं।

किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि यदि डल्लेवाल के साथ कुछ अनहोनी हो गई तो शायद उसके बाद जो स्थिति पैदा होगी उसे केंद्र सरकार संभाल नहीं पाएगी। इसलिए समय रहते केंद्र सरकार को किसानों के मुद्दों को हल करना चाहिए। उधर, किसान नेताओं ने तय किया है कि 26 जनवरी को पूरे देश में ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा।

आगामी दिनों में इस बारे में प्लान जारी किया जाएगा। मंगलवार सुबह पूर्व डीआईजी नरेंद्र भार्गव और एसएसपी पटियाला नानक सिंह खनौरी बॉर्डर पर पहुंचे।

राजनाथ सिंह ने मालदीव के रक्षा मंत्री से की मुलाकात

रक्षा क्षेत्र में सहयोग का दिलाया भरोसा

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को भारत दौरे पर आए मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून से मुलाकात की। इस दौरान सिंह ने दिल्ली में मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून के साथ द्विपक्षीय चर्चा की और द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं की व्यापक समीक्षा की। साथ ही उन्होंने भारत-मालदीव के व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए संयुक्त दृष्टिकोण को साकार करने में मिलकर काम करने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया।

मौमून को रक्षा सहयोग का आश्वासन

राजनाथ सिंह ने मुलाकात के दौरान मालदीव के रक्षा मंत्री को बताया कि भारत रक्षा तैयारियों के लिए क्षमता वृद्धि में मालदीव को सहयोग देने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि भारत मालदीव को अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए समर्थन देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने यह भी बताया कि मालदीव को भारत की 'पड़ोसी प्रथम नीति' में विशेष स्थान प्राप्त है, जो क्षेत्रीय स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है। इसमें मालदीव की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए रक्षा उपकरण और संसाधनों की आपूर्ति शामिल है।

मालदीव के रक्षा मंत्री ने भारत का किया धन्यवाद

मालदीव के रक्षा मंत्री मौमून ने भारत की 'प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता' की भूमिका की सराहना की और भारत का धन्यवाद किया, जो उसने मालदीव के रक्षा और सुरक्षा कर्मियों को प्रशिक्षण देने और आधुनिक अवसंरचना क्षमताओं को बढ़ाने में दिया। मालदीव सरकार के अनुरोध पर, भारत ने मालदीव को रक्षा उपकरण और अन्य सामग्री सौंपे।

मजबूत रक्षा सहयोग पर बातचीत

इसके अलावा दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच मजबूत रक्षा सहयोग पर भी चर्चा हुई।

राजनाथ सिंह ने भारत द्वारा मालदीव को प्रदान किए गए विभिन्न समर्थन उपायों जैसे प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, कार्यशालाओं और रक्षा उपकरणों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भारत मालदीव की रक्षा क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए समर्थन जारी रखेगा और एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में मालदीव के विकास में सहयोग करता रहेगा।

'आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसे दानवों के खिलाफ मिलकर लड़ेंगे'

> जयशंकर ने बताईं एससीओ की प्राथमिकताएं

अस्ताना, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर ने वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद को एक बहुत बड़ा खतरा बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले प्रायोजकों, वित्तपोषकों की तलाश कर उन्हें सख्त सजा देना बेहद जरूरी है। विदेश मंत्री ने इस दौरान प्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान पर कटाक्ष किया। कजाखस्तान के अस्ताना में हाल की में एक साक्षात्कार के दौरान डॉ. एस जयशंकर ने ये बातें कहीं थीं। डॉ. जयशंकर ने जोर देते हुए कहा, 'तीन दानवों (आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद) के खिलाफ लड़ने की बेहद आवश्यकता है।' दरअसल, चार जुलाई को अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का शिखर सम्मेलन आयोजित करवाया गया था। इस दौरान जयशंकर ने भारतीय प्रतिनिधि मंडल का प्रतिनिधित्व किया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लिया था।

'वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ी चुनौती है आतंकवाद'

डॉक्टर एस जयशंकर ने कहा, 'इस बात में कोई शक नहीं है कि आतंकवाद आज विश्व के लिए सबसे प्रमुख चुनौती बन गया है। यह वैश्विक और राष्ट्रीय शांति के लिए एक खतरा बन गया है। हम सभी को आतंकवाद के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। आतंकवाद से लड़ने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की जरूरत है। सिर्फ आतंकवाद को तैयार करने वाले लोग ही नहीं बल्कि इसके मददकर्ताओं, वित्तपोषकों और प्रायोजकों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई होनी चाहिए। इन सभी का पता लगाकर सख्त से सख्त सजा देने की जरूरत है।'

आतंकवाद के खिलाफ मजबूत कार्रवाई पर जोर

विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें पूर्ण रूप से भरोसा है कि क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (आरएटीएस) की मदद से एससीओ द्वारा आतंकवाद के खिलाफ मजबूत कार्रवाई की जा सकती है। डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि अस्ताना में हुए शिखर सम्मेलन में आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई पर चर्चा की गई और इस बात से वे बहुत खुश हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष दिल्ली में एससीओ शिखर सम्मेलन हुआ था।

'पीएम मोदी ने देश को 'चलता है' से 'होगा कैसे नहीं' की सोच में बदला'

भुवनेश्वर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन बुधवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में शुरू हो गया। तीन दिवसीय इस सम्मेलन के दौरान देश और विदेश से पांच हजार से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की शुरुआत युवा प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम से हुई। सम्मेलन का उद्घाटन ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और युवा और खेल मामलों के मंत्री मनसुख मंडाविया ने किया। इस दौरान 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 'चलता है' से 'होगा कैसे नहीं' वाली सोच में बदल दिया है।

बीजेपी ने केजरीवाल को टॉयलेट चोर दिखाया-9 दिन से पोस्टर वॉर

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव तारीखों का ऐलान होते ही आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा के बीच पोस्टर वॉर तेज हो गया है। बुधवार को भाजपा ने केजरीवाल से जुड़े 4 पोस्टर शेयर किए। इसमें उन्होंने पूर्व सीएम को गोविंदा की फिल्म 'राजा बाबू' के रूप में दिखाया। वहीं दूसरे पोस्टर में केजरीवाल की तस्वीर के साथ टॉयलेट शीट की फोटो शेयर की और लिखा-टॉयलेट चोर।

वहीं अन्य पोस्ट में भाजपा ने आप संयोजक को दुलकर सलमान की फिल्म 'लकी भास्कर' के पोस्टर के रूप में दिखाया। दोनों पार्टियों के बीच पोस्टर वॉर की शुरुआत 31 दिसंबर को हुई थी। पिछले 9 दिनों में भाजपा ने 20 तो आम आदमी पार्टी ने 8 पोस्टर और एडिटेड वीडियो शेयर किए हैं। दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों पर 5 फरवरी को वोटिंग होगी, नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है।

'राजनीतिक फायदे के लिए लगाए जा रहे आरोप'

चेन्नई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में अन्ना विश्वविद्यालय में छात्रा से दुष्कर्म का मामला काफी गरमाया हुआ है। तमिलनाडु विधानसभा में भी विपक्ष इसे लेकर सरकार पर हमलावर है। बुधवार को इस मुद्दे पर सीएम स्टालिन ने विधानसभा में बयान दिया और विपक्ष पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने ये माना कि आरोपी डीएमके समर्थक है, लेकिन वह पार्टी का कार्यकर्ता नहीं है। विधानसभा अन्ना विश्वविद्यालय मामले पर बोलते हुए सीएम स्टालिन ने कहा कि 'विधानसभा के सदस्यों ने एक विश्वविद्यालय के नाम का जिक्र किया, लेकिन मैं विश्वविद्यालय का नाम लेकर उस नाम को बदनाम नहीं करना चाहता। किसी ने भी ऐसा नहीं सोचा था। छात्रा के साथ जो भी हुआ वह बहुत बुरा और निर्दयी था। सभी सदस्यों ने उस मुद्दे पर बोला और इस मामले को लेकर सरकार को बुरा दिखाने की कोशिश की, लेकिन सरकार पीड़िता के साथ खड़ी है।

कर्नाटक कांग्रेस की एससी/एसटी नेताओं की बैठक स्थगित

परमेश्वर बोले-कोई राजनीतिक कारण नहीं

बंगलूरू, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस के अनुसूचित जाति (एससी)-अनुसूचित जनजाति (एसटी) के नेताओं, मंत्रियों और मंत्रियों की बैठक को सियासी कारणों से नहीं, बल्कि पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के आग्रह पर स्थगित किया गया है। सुरजेवाला इस बैठक में भाग लेना चाहते थे। इसलिए बैठक को टाला गया।

बैठक का मकसद एससी/एसटी सम्मेलन की तैयारी पर चर्चा करना था, ताकि एसएसी-एसटी समुदायों का समर्थन मजबूत किया जा सके। परमेश्वर ने बताया कि उन्होंने सुरजेवाला को बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है, जब भी बैठक हो और इस बैठक के पीछे कोई राजनीतिक मंशा नहीं थी, न ही छिपाने के लिए कुछ था।

कोरोना वायरस जैसे एचएमपीवी का 9वां केस

बेंगलुरु/चेन्नई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कोरोना वायरस जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का महाराष्ट्र में बुधवार को तीसरा केस मिला। मुंबई के हीरानंदानी अस्पताल में 6 महीने की बच्ची संक्रमित मिली है। उसे 1 जनवरी को खांसी, सीने में जकड़न और ऑक्सीजन लेवल 84% तक गिरने की वजह से अस्पताल में भर्ती किया गया था। हालांकि, अब वह ठीक है। मुंबई में इस वायरस का यह पहला मामला है। मंगलवार को नागपुर में 2 केस सामने आए थे। यहां 13 साल की लड़की और 7 साल का लड़का संक्रमित मिला था। हालांकि इन्हें अस्पताल में भर्ती नहीं करना पड़ा। इलाज के बाद उनकी स्थिति कंट्रोल में है।

ताजा केस मिलने के बाद देश में इस वायरस के कुल मामले 9 हो गए हैं। महाराष्ट्र से पहले सोमवार को कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक-एक केस मिलाकर वायरस के कुल 6 मामले सामने आए थे। एचएमपीवी केस सामने आने के बाद राज्यों ने भी सतर्कता बढ़ा दी है।

सिगरेट के लिए कत्ल! शख्स बना हैवान, बहस के बाद दोस्त को ही उतार दिया मौत के घाट

बद्दी, 8 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल के सोलन जिले के बद्दी शहर में एक दोस्त द्वारा दूसरे दोस्त की हत्या का मामला सामने आया है। बद्दी शहर में मामूली कहासुनी पर एक युवक की उसके दोस्त ने हत्या कर दी है। संगम होटल के निकट मंडल ग्रुप इंजीनियरिंग की वर्कशाप है। इसमें कार्यरत 18 वर्षीय वर्कर यश मंडल निवासी 5-ई वृंदावन कालोनी रायबरेली रोड लखनऊ उत्तर प्रदेश व उसके साथी 19 वर्षीय रिषभ सरकार निवासी सिमूराली, जिला जिनोदिया बंगाल अपना-अपना काम करने के बाद कंपनी में रुक गए। इसके बाद रिषभ सिगरेट लेने जाने लगा। यश मंडल ने उसे रोका पर रिषभ नहीं माना। उसने स्कूटी स्टार्ट की और सिगरेट लेने जाने लगा तो यश ने उसकी स्कूटी को गिरा दिया। इस पर ऋषभ को चोट लगी। इससे क्रोधित होकर ऋषभ ने वहां पड़ी एक लोहे की राड से यश के सिर पर जोरदार वार किया और यश वहीं ढेर हो गया। जिसके बाद उसको गगन अस्पताल में दाखिल कराया, जहां से पीजीआई रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया और पीजीआई के चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर

चंदौसी कोर्ट में मुस्लिम पक्ष ने दी एससी के आदेश की कॉपी; 5 मार्च को अगली तारीख

संभल, 8 जनवरी (एजेंसियां)। संभल की जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर विवाद पर कोर्ट में सुनवाई हुई। जामा मस्जिद पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की प्रति स्थानीय कोर्ट में पेश की। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार अभी इस मामले पर कोई सुनवाई नहीं हो सकती है। जिसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई पांच मार्च को तय की। बुधवार को सिविल जज सीनियर डिवीजन चंदौसी की अदालत में जामा मस्जिद के अधिवक्ता शकील वारसी ने न्यायालय में सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर की कॉपी पेश की।

इसके बाद न्यायालय ने सुनवाई करते हुए अगली तारीख पांच मार्च नियत कर दी। इस दौरान जिला न्यायालय पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस और पीएसी तैनात रही। एसआईटी के अधिवक्ता विष्णु शर्मा व श्रीगोपाल शर्मा ने कहा कि न्यायालय में जो सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर की कॉपी दाखिल की गई है वह ना तो सर्टिफाइड है और ना ही शपथ

पत्र के साथ दाखिल की गई है। राज्य सरकार और डीएम के अधिवक्ता प्रिंस शर्मा ने कहा कि इस आदेश में सर्वे करने व नए दायरे को मना किया है। इससे पहले दो जनवरी को संभल जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट कोर्ट कमिश्नर ने अदालत में दाखिल की थी। इस रिपोर्ट को सील बंद लिफाफे में पेश किया गया था। कोर्ट कमिश्नर ने बताया कि सर्वे के दौरान शाही जामा मस्जिद में पाए गए साक्ष्यों के संबंध में 43 पन्नों की सर्वे रिपोर्ट पेश की है। साथ ही पाए गए तथ्यों के समर्थन में लगभग 60 फोटो भी सर्वे रिपोर्ट के साथ न्यायालय में पेश किए गए।

बृहस्पतिवार को न्यायालय में बंद लिफाफे में सर्वे की रिपोर्ट के साथ एक प्रार्थनापत्र भी दिया गया। इसमें उन्होंने सर्वे की तारीखों का हवाला दिया और समय पर रिपोर्ट न दाखिल करने का कारण तबीयत खराब होना बताया। साथ ही रिपोर्ट को पत्रावली पर लिए जाने की अनुमति मांगी। 19 नवंबर को न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन संभल स्थित चंदौसी की अदालत में जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर कैला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी और हरिशंकर जैन समेत आठ वादकारियों ने वाद दायर किया था। न्यायालय ने उसी दिन अधिवक्ता रमेश सिंह राघव को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया था और सर्वे करने के आदेश दिए थे। कोर्ट कमिश्नर ने भी उसी दिन कड़ी सुरक्षा में सर्वे किया। 24 नवंबर को वह दोबारा सर्वे करने पहुंचे तो बवाल हो गया था, जिसमें पांच लोगों की जान चली गई। इसके बाद 29 नवंबर को कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पेश की जानी थी। जिसमें न्यायालय ने कोर्ट कमिश्नर को सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए दस दिन का समय दे दिया था।

इसके बाद नौ दिसंबर को सील बंद लिफाफे में सर्वे रिपोर्ट दाखिल की जानी थी। कोर्ट कमिश्नर ने तबीयत खराब होने का हवाला देते हुए सर्वे रिपोर्ट तैयार न होने की बात कहते हुए समय की मांग की थी। वहीं, जामा मस्जिद पक्ष के अधिवक्ता शकील अहमद वारसी ने समय मांगने को लेकर आपत्ति दाखिल की थी।

हाथी को अचानक आया गुस्सा शख्स को हवा में उछालकर पटका

मल्लप्पुरम, 8 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के मल्लप्पुरम जिले से एक डराने वाली घटना का वीडियो सामने आया है। यहां तिरुर टाउन में पुदियांगडी मंदिर उत्सव के दौरान हाथी को अचानक से गुस्सा आ गया और उसने सामने खड़ी भीड़ पर बुरी तरह से हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक, इस घटना में बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। हाथी के हमले का जो खौफनाक वीडियो सामने आया है उसमें हाथी एक शख्स को अपनी सूंड से पकड़कर हवा में लहराता हुआ दिखाई दे रहा है। आइए जानते हैं इस पूरी घटना के बारे में विस्तार से। दरअसल, केरल के मल्लप्पुरम जिले के तिरुर में स्थित एक मंदिर उत्सव के दौरान हाथी अचानक से भड़क गया। गुस्साए हाथी ने आगे खड़ी लोगों की भीड़ पर हमला कर दिया जिससे वहां भगदड़ का माहौल हो गया। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, उत्सव के दौरान हाथी के हमले और उसके बाद मची भगदड़ में कुल 17 लोग घायल हुए हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसका इलाज कोट्टक्कल के एमआईएमएस अस्पताल में चल रहा है। मंदिर उत्सव के दौरान हाथी द्वारा भीड़ पर हमले का डराने वाला वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि उत्सव में लाइन से 5 हाथी खड़े हैं और उनके सामने लोगों की भीड़ है। अचानक से एक हाथी भीड़ पर हमला कर देता है जिससे भगदड़ मच जाती है।

आतंकी हैप्पी पसिया पर एनआईए ने रखा पांच लाख का इनाम, थानों पर ग्रेनेड हमलों का है आरोपी

अमृतसर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में पुलिस थानों पर लगातार हो रहे ग्रेनेड हमलों के मुख्य आरोपी आतंकी हैप्पी पसिया पर एनआईए की ओर से पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है। हैप्पी पसिया के बारे में ईमेल या व्हाट्सएप के जरिए भी सूचना दी जा सकती है। अमेरिका में बैठे आतंकी हैप्पी पसिया की ओर से लगातार पुलिस थानों पर ग्रेनेड हमले करवाए जा रहे हैं। आतंकी पसिया पाकिस्तानी आतंकियों के साथ मिलकर यह सारे हमले करवा रहा है। एनआईए की तरफ से अब आतंकी को पकड़ने के लिए सख्त करवाई की जा रही है।

14 केजी सोना, 3.89 करोड़ कैश

150 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी, बीजेपी के पूर्व विधायक के घर मिला खजाना, खुले कई राज

भोपाल, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के ठिकानों से मिले करोड़ों के सोने ओर नकदी का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ है, अब प्रदेश के सागर में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक के ठिकानों से 14 किलो सोना बरामद हुआ है। आयकर विभाग की टीम के छापे में 3 करोड़ 80 लाख रुपये की नगदी भी बरामद हुई है। करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी का मामला भी सामने आया है। सागर जिले के बंडा के पूर्व भाजपा विधायक हरबंश सिंह राठौर के घर आयकर विभाग की कार्रवाई में करोड़ों का खजना मिला है। टीम को जांच में 14 किलो सोना और 3.80 करोड़ नगद मिले हैं। 150 करोड़ की टैक्स चोरी भी पकड़ाई है। साथ ही जांच में 200 करोड़ से अधिक की संपत्ति का भी पता चला है।

150 करोड़ रुपये को टैक्स चोरी

सागर में बीडी और कंस्ट्रक्शन कारोबारी पूर्व पार्षद राजेश केसरवानी और बांडा से बीजेपी के पूर्व विधायक हरबंश सिंह राठौर के ठिकानों पर की गई आईटी की छापेमार कार्रवाई में करीब डेढ़ सौ करोड़ की टैक्स चोरी सामने आई है।आयकर विभाग की कार्रवाई में दोनों के ठिकानों से नगदी के साथ गोल्ड भी बरामद हुआ है। पूर्व पार्षद व कारोबारी राजेश केसरवानी के यहां से सात लग्जरी कारें भी जब्त हुई हैं। यह कारें किसी और के नाम पर हैं लेकिन इसका इस्तेमाल केसरवानी परिवार कर रहा था।

अभी भी चल रही छापामार कार्रवाई

आयकर विभाग की टीमों ने सागर जिले में पूर्व विधायक के ठिकानों पर रविवार को छापा मारा था। इस कार्रवाई में केसरवानी बंधु दो सूदखोर और कैंट बोर्ड में पदस्थ रहे अधिकारी फर्म को भी जांच में लिया था। पूर्व विधायक के ठिकानों पर आयकर की कार्रवाई खत्म हो गई, लेकिन केसरवानी बंधुओ के यहां अभी भी चल रही है। पूर्व विधायक का बीड़ी का भी कारोबार है।

विपक्ष हुआ हमलावर

राठौर परिवार दशकों से सागर संभाग का बड़ा बीड़ी कारोबारी रहा है। पूर्व विधायक हरवंश राठौर के पिता हरनाम सिंह राठौड़ मंत्री रहे हैं। इसलिए यह राजनीति में भी काफी रसूख रखने वाला परिवार है। भाजपा के पूर्व विधायक के ठिकानों पर करोड़ों का जखीरा मिलने पर विपक्ष हमलावर है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया एक पर समाचार पत्र की खबर पोस्ट करते हुए लिखा – 'मध्य प्रदेश में डाकू-लुटेरे तो खत्म हो गए, लेकिन बीजेपी नेताओं ने उनकी कमी पूरी कर दी।'

बच्चों और महिलाओं की तरफ जा रहे तेंदुए को पूंछ से पकड़ा इस शख्स की हो रही खूब तारीफ

टुमकुरु, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के टुमकुरु में एक व्यक्ति ने अद्भुत साहस का परिचय देते हुए एक तेंदुए को पूंछ से पकड़ लिया। घटना टुमकुरू जिले के चिक्काकोट्टिगेहल्ली की है, जहां पिछले 5 दिनों से तेंदुआ घूम रहा था। लोगों के बीच इस तेंदुए को लेकर दहशत का माहौल बना हुआ था। वन विभाग के कर्मचारियों ने तेंदुए के लिए बचाव अभियान शुरू किया। तेंदुए को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। लेकिन तेंदुआ जाल में फंसने के बजाय उस ओर दौड़ने लगा, जहां कुछ महिलाएं और बच्चे थे। इसी समय तेंदुए को उस ओर जाने से रोकने के लिए 43 वर्षीय योगानंद ने तेंदुए को पूंछ से पकड़ लिया। इसके बाद वनकर्मियों की टीम ने तेंदुए को चारों तरफ से घेर लिया और उसे पकड़ लिया। बता दें कि तेंदुए को मैसूरु के रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया है। वहीं तेंदुए को पूंछ से पकड़ने वाले योगानंद के साहस की सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर खूब चर्चा हो रही है। बता दें कि मानव और पशुओं के बीच आमना-सामना होने का यह पहला मामला नहीं है।

पंजाब में बड़े हमले की आशंका

बीएसएफ को इनपुट, गुरदासपुर-पठानकोट सहित सरहदी इलाकों में अलर्ट

अमृतसर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के सरहदी इलाके में किसी बड़े हमले का अंदेशा जताया जा रहा है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को इससे जुड़े इनपुट मिले हैं। नई दिल्ली स्थित बीएसएफ हेडक्वार्टर से डीआईजी, कमांडेंट, 2आईसी और इंस्पेक्टर रैंक सहित 7 अफसरों की टीम मंगलवार को चंडीगढ़ पहुंची। टीम ने गृह सचिव गुरकिरत कृपाल सिंह के साथ करीब डेढ़ घंटे तक बैठक की। इसमें पंजाब पुलिस के भी कई अफसर शामिल थे। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गुरदासपुर और पठानकोट में आतंकी हमले को लेकर बड़े इनपुट मिले हैं जिन्हें बीएसएफ ने पंजाब सरकार, एनआईए और भारतीय खुफिया एजेंसियों के साथ साझा किया है।

यहां तक कि बीएसएफ दिल्ली हेडक्वार्टर से आए अफसरों ने बॉर्डर एरिया में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने को लेकर भी बात की। बीएसएफ के अफसरों ने गृह सचिव से सरहदी इलाके में पंजाब सरकार की ओर से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने की दिशा में नाइट विजन कैमरा, हथियारों और ड्रग्स की तस्करी को रोकने के लिए एंटी ड्रोन सिस्टम और बॉर्डर एरिया के थानों की मुस्तैदी बढ़ाने के लिए कहा है। बीएसएफ के अधिकारियों ने पंजाब पुलिस, एनआईए और अन्य एजेंसियों के साथ सरहदी इलाके से इन दिनों बढ़ी टेरर फंडिंग को लेकर इनपुट साझा किए हैं। टेरर फंडिंग के जरिए एक बार फिर प्रदेश में खालिस्तानी आतंकी मूवमेंट को हवा देने की कोशिश की जा रही है। केजेडएफ के चीफ रणजीत सिंह नीटा ग्रीस में बैठे जसविंदर सिंह मन्नू और यूके बैठे जगजीत सिंह के जरिए आतंकी हमलों को अंजाम देने की प्लानिंग की जा रही है।

शादी का झांसा देकर महिला के साथ करता रहा रेप, आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई के आरसीएफ थाना क्षेत्र में 30 वर्षीय महिला के साथ रेप का मामला सामने आया है। महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार रेप किया। इस मामले में पीड़ित महिला ने आरसीएफ पुलिस स्टेशन में आरोपी कुलदीप पटवा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया है। वहीं अब पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी और पीड़ित दोनों एक ही इलाके में रहते हैं और कुछ साल पहले दोनों की मुलाकात हुई थी। आरोपी कुलदीप ने शादी का झांसा देकर महिला के साथ कई बार अलग-अलग जगहों पर रेप किया। महिला ने हाल ही में शादी के बारे में पूछा तो आरोपी ने महिला के साथ गाली-गलौज की, जिसके बाद महिला को लगा आरोपी ने उसको धोखा दिया और उसका इस्तेमाल किया। इसके बाद महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस आरोपी कुलदीप पटवा नामक शख्स के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 और 352 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुट गई है।

कर्नाटक लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, आठ सरकारी अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर की छापेमारी

बंगलूरू, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक लोकायुक्त ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ सरकारी अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। जिन अधिकारियों के यहां छापेमारी की गई, उन पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगे हैं। जिन अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की गई है, उनमें बंगलूरू की परिवहन संयुक्त आयुक्त शोभा शामिल हैं। इनके अलावा कदुर के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. एस एन उमेश, बसवकल्याण के लघु सिंचाई विभाग के निरीक्षक रवींद्र, खानपुर के तहसीलदार प्रकाश श्रीधर गायकवाड़, तुमकुरु के सेवानिवृत्त सड़क परिवहन अधिकारी एस राजू, गडग नगर पालिका के सहायक कार्यकारी अभियंता हुचेश उर्फ हुचप्पा, बल्लारी के पिछड़ा वर्ग विभाग के कल्याण अधिकारी आर एच लोकेश और रायचूर स्थित बीईएससीओएम कार्यालय के कनिष्ठ अभियंता हुलिराजा शामिल हैं। कर्नाटक लोकायुक्त के अधिकारियों ने बेंगलुरु और अन्य जगहों पर इन अधिकारियों के घरों और कार्यालयों सहित कई ठिकानों पर छापे मारे। अभी तक छापेमारी को लेकर लोकायुक्त ने जानकारी नहीं दी है और शाम तक इस संबंध में जानकारी मिलने की उम्मीद है।

'महिला की शारीरिक संरचना पर टिप्पणी को उत्पीड़न माना जाएगा', केरल हाईकोर्ट का फैसला

कोच्चि, 8 जनवरी (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने महिलाओं की शारीरिक संरचना पर टिप्पणी को यौन उत्पीड़न करार दिया है। केरल हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति ए बदरुद्दीन ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसी टिप्पणी को यौन उत्पीड़न का अपराध मानते हुए कार्रवाई की जानी चाहिए। केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) के एक पूर्व कर्मचारी पर उसी कार्यालय की एक महिला कर्मचारी ने आरोप लगाए थे। महिला ने कहा था कि आरोपी पूर्व कर्मचारी ने 2013 से उसके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इसके बाद 2016-17 में आपत्तिजनक संदेश और वॉयस कॉल करना शुरू कर दिया। केएसईबी और पुलिस में शिकायत के बावजूद वह उसे आपत्तिजनक संदेश भेजता रहा। कई शिकायतों के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) और 509 (महिला की शील का अपमान) और केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120 (ओ) (अवांछित कॉल, पत्र, लिखित, संदेश द्वारा संचार के किसी भी माध्यम से उपद्रव पैदा करना) के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी ने यौन उत्पीड़न के मामले को रद्द करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। आरोपी ने याचिका में दावा किया कि किसी व्यक्ति के शरीर की अच्छी संरचना होने का मात्र उल्लेख करने पर उसे आईपीसी की धारा 354 ए और 509 तथा केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120 (ओ) के दायरे में यौन उत्पीड़न के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। वहीं अभियोजन पक्ष और महिला ने तर्क दिया कि आरोपी के कॉल और संदेशों में अभद्र टिप्पणियां थीं। वह उसे परेशान करता था। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया आईपीसी की धारा 354ए और 509 तथा केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120 (ओ) के तहत अपराध के लिए उपयुक्त तत्व सामने आते हैं। अदालत ने आरोपी की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने 6 जनवरी के आदेश में कहा कि मामले के तथ्यों पर गौर करने के बाद यह स्पष्ट है कि प्रथम दृष्टया अभियोजन पक्ष का मामला कथित अपराधों को आकर्षित करने के लिए बनाया गया है।

वन नेशन, वन इलेक्शन प्रस्ताव पर चर्चा

जेपीसी की पहली बैठक में कुछ यूं दिखीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बुधवार को पहली बैठक हुई। इस समिति का उद्देश्य संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश विधि (संशोधन) विधेयक पर विचार करना है, जिसे हाल ही में शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में पेश किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, विधि और न्याय मंत्रालय के अधिकारी आज समिति के सदस्यों को इन प्रस्तावित कानूनों के प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दे रहे हैं। समिति में 39 सदस्य शामिल हैं, जिनकी अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद पीपी चौधरी कर रहे हैं। चौधरी पूर्व में विधि राज्य मंत्री रह चुके हैं। संयुक्त संसदीय समिति में कांग्रेस से प्रियंका गांधी वाड्रा, जनता दल (यूनाइटेड) से संजय झा, शिवसेना से श्रीकांत शिंदे, आम आदमी पार्टी से संजय सिंह और तृणमूल कांग्रेस से कल्याण बनर्जी समेत सभी प्रमुख दलों के सदस्य शामिल हैं। समिति की सदस्य संख्या 31 से बढ़ाकर 39 की गई है, क्योंकि विभिन्न राजनीतिक दलों ने इस मसले पर विचार-विमर्श में भाग लेने की इच्छा जताई थी। समिति का गठन इस उद्देश्य से किया गया है ताकि देश में एक साथ चुनाव कराने की संभावना और इसके लिए आवश्यक कानूनी बदलावों पर विचार किया जा सके। समिति के सदस्य भारतीय राजनीति के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे, जिसमें केंद्रीय और राज्य स्तर पर चुनावों की प्रक्रिया, चुनाव आयोग के प्रस्ताव और इसके संविधानिक पहलू शामिल हैं। इसके अलावा, समिति में अन्य महत्वपूर्ण सांसद जैसे पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, पुरुषोत्तम रूपाला, मनीष तिवारी, और अनिल बलूनी, बांसुरी स्वराज और संबित पात्रा भी शामिल हैं। लोकसभा से 27 और राज्यसभा से 12 सदस्य इस समिति का हिस्सा हैं।

चुनाव आयोग में ही गड़बड़ी, ईवीएम का बचाव करने पर राजीव कुमार पर भड़के संजय राउत

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाए हैं। संजय राउत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पूरी दुनिया कहती है कि ईवीएम में गड़बड़ी है। चुनाव आयोग कहता है कि इसमें कोई गड़बड़ी नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें तो लगता है कि आयोग में ही सारी गड़बड़ी है। मुख्य चुनाव आयुक्त का नाम लेते हुए संजय राउत ने कहा कि राजीव कुमार रिटायर होंगे, इसके बाद भी उनके पास बढ़िया काम रहेगा। रिटायरमेंट के बाद मोदी-शाह उन्हें किसी राज्य का राज्यपाल बना देंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में ईवीएम में गड़बड़ी हुई है। चुनाव आयोग को गांवों में जाकर बैठना चाहिए, तभी उन्हें ईवीएम और बैलेट पेपर की सच्चाई उन्हें वाकई में समझ आएगी।

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने लोकतंत्र का अपहरण कर लिया है। हजारों नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। चुनाव आयोग अब बीजेपी के 'ताट के नीचे बैठा बिल्ली' बन गया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के तिथियों के ऐलान के समय उन सभी सवालों का जवाब दिया,

जिसके लेकर इलेक्शन कमीशन पर सवाल उठाए जा रहे थे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव में वोट देने वाले किसी वोटर का नाम किसी भी तरीके से हटाया ही नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि अगर फॉर्म साथ में न हो। यहां तक कि अगर किसी की मौत हो गई हो तो उसका रिकॉर्ड भी इलेक्शन कमीशन की तरफ से रखा जाता है। इसके लिए सभी मृतकों के डेथ सर्टिफिकेट को रिकॉर्ड में रखा जाता है। उन्होंने कहा कि अगर इसके बाद भी किसी का नाम गलती से हट जाता है तो हमारी तरफ से उसे नोटिस भेजा जाता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने एक शायरी के जरिए कहा कि आरोपों और इल्जामातों का दौर चले कोई गिला नहीं...हर परिणाम में प्रमाण देते है...शक का इलाज तो हकिम लुकमान के पास भी नहीं है।

फिर से शिवसेना-एनसीपी को तोड़ने की कोशिश अमित शाह और फडणवीस पर भड़के संजय राउत

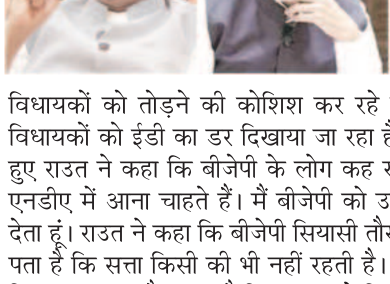

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने एक बयान के जरिए गृह मंत्री अमित शाह और देवेंद्र फडणवीस पर बड़ा आरोप लगाया है। राउत ने कहा कि दोनों नेता उद्धव ठाकरे के सांसद और विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। राउत के मुताबिक सांसदों और विधायकों को ईडी का डर दिखाया जा रहा है। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि बीजेपी के लोग कह रहे हैं उद्धव के विधायक और सांसद एनडीए में आना चाहते हैं। मैं बीजेपी को उन नेताओं के नाम बताने की चुनौती देता हूं। राउत ने कहा कि बीजेपी सियासी तौर पर गंदा खेल खेल रही है। उसे नहीं पता है कि सत्ता किसी की भी नहीं रहती है। इतिहास में इनके नाम गंदे अक्षरों में लिखा जाएगा। गौरतलब है कि 2022 में शिवसेना और 2023 में एनसीपी में टूट हुई थी। संजय राउत ने आगे कहा कि शरद पवार की पार्टी को भी तोड़ने की कोशिश हो रही है। शरद पवार के सांसदों और विधायकों को भी डर दिखाया जा रहा है। बीजेपी फिर से ईडी और सीबीआई के जरिए सियासत कर रही है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के पास 20 और शरद पवार के पास 10 विधायक हैं। दूसरी तरफ उद्धव के पास लोकसभा सांसदों की संख्या 9 है। शरद पवार के पास 8 लोकसभा सांसद हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में महाविकास अघाडी ने बढ़त हासिल की थी। महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 30 पर कांग्रेस, उद्धव और शरद पवार की पार्टी ने जीत दर्ज की थी। बीजेपी, अजित और एकनाथ शिंदे गठबंधन को सिर्फ 17 सीटों पर जीत मिली थी।

खास चिप वाले बैग की वजह से पकड़े गए लुटेरे, 42 लाख के गहनों की हुई थी लूट

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने लाखों के गहने की एक चोरी के मामले का खुलासा किया है और दो आरोपियों को पकड़ा है। खास बात ये है कि पुलिस ने खास बैग की मदद से लूट की इस घटना का खुलासा किया। दरअसल लुटेरों ने आभूषणों से भरे जिस बैग को लूटा था, उसमें जीपीएस ट्रैकिंग चिप लगी थी। इस जीपीएस ट्रैकिंग चिप और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस आरोपियों को तक पहुंचने में सफल रही। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना सोमवार रात की है, जब एक व्यक्ति अपने भतीजे के साथ बैग में करीब 42 लाख रुपये के आभूषण लेकर दोपहिया वाहन पर जा रहा था। जैसे ही दोनों सेंट जॉर्ज अस्पताल के पास डी-मेलो रोड पर पहुंचे तो चार अज्ञात लोगों ने उन्हें रोका और उनकी बुरी तरह पिटाई कर दी। इसके बाद चारों आरोपी उनका आभूषणों से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। पीड़ितों ने शिकायत में बताया कि आरोपियों में से एक ने कथित तौर पर दोनों पर गोलियां चलाईं और सोने के आभूषणों से भरा बैग छीनकर अपने साथियों के साथ भाग गया। लुटेरों ने फरार होते

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 9 जनवरी, 2025 3

सुविचार: यह विश्वास रखना के, यदि ईश्वर एक दरवाजा बंद कर देता है तो उसी भी ज्यादा बडा दरवाजा खोल देता है।

पब पर छापा, 10 डांसर अश्लीलता के आरोप में गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद विशेष अभियान दल (एसओटी) ने मंगलवार आधी रात को सनथनगर स्थित एक पब पर छापा मारकर एक डिस्को जॉकी और 10 महिला डांसरों को अश्लीलता करते हुए पकड़ा। अधिकारियों ने बताया कि पब का प्रबंधन महिला डांसरों को अभद्र तरीके से अपने शरीर को दिखाने की अनुमति दे रहा था और उपद्रव मचाने के अलावा अश्लील हरकतों को बढ़ावा दे रहा था।

वे पुरुष ग्राहकों के साथ अभद्र तरीके से अश्लील हरकतें कर रही थीं। पुलिस के अनुसार पब का प्रबंधन अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा था। सूचना मिलने के बाद एसओटी ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर पब पर छापा मारा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें सनथनगर पुलिस को सौंप दिया गया। पब के मालिक कृष्णा राजू को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

कोंडा सुरेखा ने सीएम को मल्लिकार्जुन स्वामी ब्रह्मोत्सवम में आमंत्रित किया

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदाय धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने हैदराबाद में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। मंत्री ने देवदाय विभाग की ओर से 13 जनवरी से आयोजित होने वाले ऐनावोलु मल्लिकार्जुन स्वामी ब्रह्मोत्सवम में आने के मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया। इस अवसर पर, मंदिर के ईओ और कर्मचारियों ने स्वामी को तीर्थप्रसाद किया और उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया, जबकि मंदिर के पुजारियों ने सीएम रेवंत रेड्डी को वेदाशिर्वचन अर्पित किए। ऐनावोलु मल्लन्ना एक लोक मेले के रूप में प्रसिद्ध है। सीएम रेवंत रेड्डी को ब्रह्मोत्सवम की महिमा, मंदिर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और मंदिर के कर्मचारियों और पुजारियों को मंदिर की स्थिति के बारे में बताया।

इससे पहले वर्धनपेट विधायक केआर नागराजू, टीईएससीओबी के अध्यक्ष मार्नेनी रविंदर राव, मंदिर इवो अडाकी नागेश्वर राव और पुजारियों ने मंत्री कोंडा सुरेखा को हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर मल्लन्ना ब्रह्मोत्सवम के लिए आमंत्रित किया। मंदिर के कर्मचारियों द्वारा मंत्री को मल्लिकार्जुन स्वामी का तीर्थप्रसाद भेंट किया गया और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। पुरोहितों ने वैदिक अनुवाद दिया। इसके बाद मंदिर ईओ ने मंत्री सुरेखा को मेले की व्यवस्था के बारे में समझाया। 13 जनवरी से उगादि दिवस तक आयोजित होने वाले मल्लिकार्जुन स्वामी के ब्रह्मोत्सव के लिए देवदाय, पुलिस, विद्युत, पंचायती राज, आरएंडबी, अग्निमापक, आरटीसी आदि द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण मंत्री को बताया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सुरेखा ने सुझाव दिया कि मेले को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय में काम करना चाहिए। मंत्री ने ईओ को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को सुविधा उपलब्ध कराने में कोई कठिनाई नहीं हो इसका ख्याल रखें। इस कार्यक्रम में एईओ किरण कुमार, प्राचार्य रविंदर शर्मा, पुजारी नरेश शर्मा, भानु प्रसाद, श्रीनिवास व अन्य शामिल हुए।

डकैती का आरोपी गिरफ्तार, छीनी गई चेन बरामद

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुक्टपल्ली पुलिस ने साइबराबाद कमिश्नरेट के बालानगर जोन की सीसीएस पुलिस के साथ मिलकर डकैती के एक अपराधी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया। जांच में घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज, भागने के रास्ते पर लगे 180 से अधिक कैमरों के दो विश्लेषण और उन्नत तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। इस मेहनती प्रयास के कारण कुकटपल्ली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में संपत्ति अपराध का पता चला, जिसमें लगभग 10 ग्राम वजन की चोरी की गई संपत्ति शामिल थी।आरोपी कोट्टी साई राव निवासी अश्वर्या मेन्स हॉस्टल, केपीएचबी रोड नंबर 5, कुकटपल्ली में रहता था।

कोट्टी साई राम कृष्णा जिले के पमारू गांव और मंडल का मूल निवासी है, लगभग एक महीने पहले वह नौकरी के लिए हैदराबाद आया था और ऐश्वर्या मेन्स हॉस्टल, केपीएचबी रोड नंबर 5 में रह रहा था और लगभग एक महीने से आदित्य प्रीसीटेक कंपनी प्रशांत नगर, कुकटपल्ली में काम कर रहा था। एसीपी कुक्टपल्ली के. श्रीनिवास राव के अनुसार पिछले कुछ सालों से वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा है और हॉस्टल की फीस नहीं दे पा रहा है और उसके पास खर्च के लिए पैसे नहीं हैं। इसलिए, उसने डकैती करके पैसा कमाने और अपनी जरूरतों को पूरा करने का फैसला किया। उसने बाइक हीरो होंडा स्प्लेंडर की चोरी की थी, जो ओमिनी अस्पताल, कुक्टपल्ली के पास खड़ी थी। और अगले 4 जनवरी को उसने शिकायतकर्ता को देखा जो अपनी ड्यूटी पर जाने के लिए अकेले विवेकानंद नगर कॉलोनी, कुक्टपल्ली की ओर जा रही थी, फिर वह चोरी की बाइक से विपरीत दिशा से आया और उसके गले से लगभग 8 ग्राम वजन की सोने की चेन छीन ली और वहां से भाग गया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, HAV TADAVE YUNUS SHENPADU , F/O: TADAVE KARAN YUNUS, R/O: ARWE, PACHORA, JALGAON, MAHARASHTRA - 424201 have changed my son's name from TADAVE KARAN YUNUS to KARAN YUNUS TADVI vide Affidavit dt.08-01-2025.

I, HAV TADAVE YUNUS SHENPADU ,F/O: ASHWINI, R/O: ARWE, PACHORA, JALGAON, MAHARASHTRA - 424201 have changed my Daughter's name from ASHWINI to ASHWINI YUNUS TADVI vide Affidavit dt.08-01-2025.

I, IRSHAD BAI , M/O: HAV TADAVE YUNUS SHENPADU , R/O: ARWE, PACHORA, JALGAON, MAHARASHTRA - 424201 have changed my name from IRSHADBAI to IRSHADBAI SHENFADU BHIL vide Affidavit dt.08-01-2025.

I, TADAVE SHENPADU LAHA, F/O: HAV TADAVE YUNUS SHENPADU , R/O: ARWE, PACHORA, JALGAON, MAHARASHTRA - 424201 have changed my name from TADAVE SHENPADU LAHA to SHENPHADU LAHANU TADVI vide Affidavit dt.08-01-2025.

I, NISHA , W/O: HAV TADAVE YUNUS SHENPADU , R/O: ARWE, PACHORA, JALGAON, MAHARASHTRA - 424201 have changed my name from NISHA to NISHA YUNUS TADVI vide Affidavit dt.08-01-2025.

I, BAVARAMMA , M/O: L/NK RAVI BABALESHWAR , R/O: KOLHAR, BASAVANA BAGEWADI, VIJAYAPURA, KARNATAKA - 586210 have changed my name from BAVARAMMA to BOURAVVA BABALESHWAR and my DOB is: 04-08-1960 vide Affidavit dt.08-01-2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं हैं।

पालतू बिल्ली की मौत पर मालिक ने दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला स्थित सरकारी पशु चिकित्सालय में उपचार के दौरान एक पालतू बिल्ली की मौत के मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है तथा पालतू बिल्ली के मालिक और अस्पताल के कर्मचारियों ने भी जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, पालतू जानवर की मालकिन फौजिया बेगम अपनी पालतू बिल्ली को पशु चिकित्सालय ले गई क्योंकि बिल्ली ठीक से खाना नहीं खा रही थी। अस्पताल के कर्मचारियों ने उसे इंजेक्शन लगाया और कुछ दवाइयाँ दीं। हालांकि, घर लौटने के बाद बिल्ली की तबीयत खराब हो गई और उसे वापस अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फौजिया बेगम ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में अस्पताल के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया और उन्हें अपनी पालतू बिल्ली की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया।

इस बीच, अस्पताल के कर्मचारियों ने भी फौजिया और उसके बेटे अकबर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट की। उन्होंने दावा किया कि बिल्ली की जान बचाने के लिए उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, जो पहले से ही खराब स्वास्थ्य की स्थिति में लाई गई थी। चेवेल्ला पुलिस दोनों शिकायतों की जांच कर रही है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की उपेक्षा, राव ने कांग्रेस पर साधा निशाना

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने चुनावी वादे तोड़ने और समाज के महत्वपूर्ण वर्गों की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने भूमि नियमन योजना (एलआरएस) के प्रति सरकार के दोहरे रवैये की आलोचना की और इसे जनता के विश्वास के साथ खुला विश्वासघात बताया।

हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस, जिसने कभी एलआरएस की निंदा की थी, अब इसे एक विशेष अभियान की आड़ में लोगों से 15,000 करोड़ रुपये की वसूली करने के साधन में बदल दिया है। चुनावों के दौरान, उन्होंने मुफ्त एलआरएस का वादा किया था, लेकिन अब, वे जनता का खून चूस रहे हैं। उन्होंने मांग की कि पार्टी के चुनावी वादे का सम्मान करते हुए इस योजना को मुफ्त में लागू किया जाना चाहिए। एक बयान में उन्होंने सरकार द्वारा रियल एस्टेट क्षेत्र के पतन की बात स्वीकार करने पर उपहास उड़ाया और इसके लिए कांग्रेस के अराजक शासन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि राजस्व मंत्री का यह आश्वासन कि रियल्टी क्षेत्र में जल्द ही सुधार होगा, कांग्रेस द्वारा इस क्षेत्र को पहले ही पहुँचाए गए नुकसान को उजागर करता है।

सीपी ने पदक जीतने वाले कांस्टेबल की सराहना की

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वियतनाम में 6 से 9 दिसंबर 2024 तक आयोजित 2024 एशिया ओपन पुलिस ताइक्कांडो चैंपियनशिप में राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत कार्यरत एआर कांस्टेबल डी. संजीव कुमार एआरपीसी-9025 ने भाग लिया। अंडर-34 वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक जीत हासिल की। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 30 देशों के लगभग 2500 एथलीटों ने भाग लिया। इस अवसर पर सीपी सुधीर बाबू ने नेरेडमेट में राचकोंडा आयुक्त कार्यालय में संजीव कुमार को बधाई दी और सम्मानित किया। वह भविष्य में और अधिक पदक जीतने और नौकरी की जिम्मेदारियां निभाकर और विभिन्न खेलों में अपनी विशेष प्रतिभा दिखाकर राचकोंडा आयुक्तालय का अच्छा नाम रोशन करना चाहते हैं। इस कार्यक्रम में आरक्षी निरीक्षक श्रीकांत ने भाग लिया।

11 को 24 घंटे के लिए बाधित रहेगी पेयजल आपूर्ति

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के कई हिस्सों में पेयजल आपूर्ति 11 जनवरी को सुबह 6 बजे से 24 घंटे के लिए बाधित रहेगी। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड ने एक प्रेस विज्ञप्ति में उपभोक्ताओं को सूचित किया कि हिमायत सागर जलाशय के फोरबे, मिरलाम फिल्टर बेड, सेटलमेंट टैंक और इनलेट चैनलों की सफाई का काम शुरू किया जाएगा। इन कामों के कारण कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बाधित रहेगी और कुछ इलाकों में आंशिक रूप से बाधित रहेगी।

एचएमडब्ल्यूएसएसबी ने कहा कि सफाई का काम 11 जनवरी को सुबह 6 बजे से 12 जनवरी को सुबह 6 बजे तक किया जाएगा। प्रभावित इलाकों में हसन नगर, किशन बाग, दूध बाउली, मिश्रीगंज, पथेरघट्टी, दार-उल-शिफा, मोगलपुरा, जहांनुमा, चंदूलाल बारादरी, फलकनुमा, जंगममेट शामिल हैं। जलापूर्ति बाधित होने से प्रभावित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से पानी का संयमित उपयोग करने का अनुरोध किया गया है।

स्वच्छता प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए : एडी.आयुक्त

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त रघु प्रसाद ने संबंधित अधिकारियों को स्वच्छता प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया कि लोगों को कोई समस्या पैदा किए बिना स्वच्छता प्रबंधन सुचारू रूप से किया जाए। बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय के कमांड कंट्रोल रूम में स्वच्छता प्रबंधन पर एएमएचओ, एसडब्ल्यूएम के उप अभियंताओं और रैंकी एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की गई और जीएचएमसी के तहत सभी सर्कल में स्वच्छता कार्यों, कचरा संग्रहण और स्वच्छता कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वे स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों के अनुरूप शहर को स्वच्छ, आकर्षक और साफ-सुथरा शहर बनाने के लक्ष्य के साथ काम करना चाहते हैं। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए। शहर की सभी कॉलोनियों और बस्तियों में मुख्य सड़कों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का आदेश दिया गया है। व्यावसायिक परिसरों में कूड़ा-कचरा फैलाने से बचने के लिए दुकानदारों को हर दुकान के सामने कूड़ेदान रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। स्वच्छ ऑटो को ऐसे कचरा संग्रहण से जोड़ने का सुझाव दिया गया है। इसी तरह, एएमएचओ को उस क्षेत्र में नियमित सुबह निरीक्षण करने की सलाह दी गई है जहां वाणिज्यिक दुकानें स्थित हैं। बिना कूड़ादान लगाए कूड़ा फेंकने वाले व्यापारियों की पहचान कर जुर्माना लगाने की सलाह दी गई है। प्रतिदिन निकलने वाले कूड़े-कचरे को प्रभावी ढंग से एकत्रित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। वे उन क्षेत्रों का दौरा करना चाहते हैं जहां निर्माण कार्य चल रहा है और निर्माण कचरे के डंपिंग के बारे में जागरूकता पैदा करना चाहते हैं और कचरे को रीसाइक्लिंग प्लांट में ले जाने के लिए कदम उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सीएंडडी वेस्ट रीसाइक्लिंग प्लांट का दौरा करें। वे लोगों को शहर की स्वच्छता के लिए अधिकारियों के साथ भागीदारी करने के लिए जागरूक करना चाहिए। समीक्षा बैठक में अतिरिक्त आयुक्त वेणुगोपाल रेड्डी, सीएमएचओ डॉ. पद्मजा, एएमएचओ, एसडब्ल्यूएम अधिकारी, रैंकी एजेंसी के प्रतिनिधि और अन्य ने भाग लिया।

दिहाड़ी मजदूर ने की आत्महत्या

बैंक कर्मचारियों पर उत्पीड़न का आरोप

कुमराम भीम आसिफाबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर (टी) मंडल के शिवपुर गांव में मंगलवार को एक व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसे कथित तौर पर ऋण चुकाने के लिए बैंक के कर्मचारियों द्वारा परेशान किया गया था। घटना बुधवार को प्रकाश में आई। परिवार के सदस्यों ने बताया कि गांव के दिहाड़ी मजदूर करम संतोष (29) ने कीटनाशक पीकर यह कदम उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि संतोष को सहकारी बैंक के कर्मचारियों द्वारा सात साल पहले लिए गए 30,000 रुपये के कर्ज की अदायगी के लिए परेशान किया जा रहा था। उन्होंने दावा किया कि उसने ऋण का एक हिस्सा चुका दिया था, लेकिन बैंक के कर्मचारियों और प्रबंधक ने धमकी दी कि अगर उसने शेष ऋण नहीं चुकाया तो वे घर को बंद कर देंगे। धमकी मिलने के बाद संतोष घर से भाग गया। वह उनके घर के पास बेहोश पड़ा मिला। उसे तुरंत शहर के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संतोष की पत्नी ज्योति से प्राप्त शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत हुआ रक्तदान

करीमनगर , 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिलाधीश पामेला सत्पथी बुधवार को करीमनगर बस स्टेशन पर आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाता बनीं । राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत टीएसआरटीसी ने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से जिला मुख्यालय बस स्टेशन पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

कलेक्टर ने शिविर का उद्घाटन किया, जिसके बाद उन्होंने रक्तदान भी किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि अगर लोगों को समय पर रक्त नहीं मिल पाता है तो उनकी मृत्यु भी हो सकती है। इसलिए हर स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने आरटीसी के ड्राइवरों, कंडक्टरों और कर्मचारियों को रक्तदान करने की सलाह दी और उनकी सराहना की। इस अवसर पर प्रशिक्षु कलेक्टर अजय यादव, आरटीसी क्षेत्रीय प्रबंधक राजू, उप क्षेत्रीय प्रबंधक भूपति रेड्डी, डिपो प्रबंधक विजया माधुरी व मल्लैया आदि उपस्थित थे।

व्यवधान कम करने पर ध्यान केंद्रित करें विद्युत निगम

प्रमुख सचिव ऊर्जा ने जारी किया निर्देश

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा विभाग द्वारा गर्मियों में बिजली की मांग में वृद्धि की आशंका के मद्देनजर, प्रमुख सचिव (ऊर्जा) संदीप कुमार सुल्तानिया ने चारों बिजली उपयोगिताओं को राज्य में ऊर्जा की उच्च मांग पर ध्यान केंद्रित करने और यथासंभव बिजली की रुकावटों को कम करने के लिए उपाय करने को कहा। समीक्षा बैठक करने वाले सुल्तानिया ने अधिकारियों से कहा कि 33 केवी और 11 केवी की आपूर्ति में आने वाली रुकावटों को कम किया जाए, ताकि गर्मी के मौसम में लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि फीडर में किसी भी तरह की खराबी आने पर केंद्रीकृत ब्रेकडाउन स्टाफ को मौके पर पहुंचकर खराबी को ठीक करना चाहिए और तुरंत सामान्य बिजली आपूर्ति बहाल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं को मूल्य वर्धित सेवाएं देने में कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

सड़क दुर्घटना में मां-बेटी की मौत

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को शहर के बाहरी इलाके महेश्वरम के तुक्कुगुडा में एक सड़क दुर्घटना में मां और बेटी की मौत हो गई। पीड़ितों की पहचान अभी नहीं हो पाई है, वे स्कूटर पर कलवाकुर्ती से हैदराबाद की ओर जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। जानकारी के अनुसार, जब वे दोनों आउटर रिंग रोड के पास तुक्कुगुडा रोड पर पहुंचे, तो एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटर को टक्कर मार दी। नतीजतन, दोपहिया वाहन पर सवार दोनों लोग सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। फरार ट्रक चालक को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

फरवरी में आएगा यूपी बजट

8 लाख करोड़ का बजट पेश होगा

लखनऊ, 8 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार 2025-26 का बजट फरवरी के दूसरे सप्ताह में विधानसभा में पेश कर सकती है। वित्त विभाग ने अपने स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी है। पूर्वानुमान के मुताबिक, बजट का आकार करीब 8 लाख करोड़ रुपए हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, विधानमंडल का बजट सत्र फरवरी के दूसरे सप्ताह में 7-14 फरवरी के बीच हो सकता है। रोड नेटवर्क खासकर एक्सप्रेस-वे की नई परियोजनाओं के लिए बजट का खास इंतजाम होगा। इसके अलावा ऊर्जा, कृषि, नगर विकास, ग्रामीण विकास के साथ ही सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए बजट में बहुत कुछ देखने को मिल सकता है।

विभागीय प्रस्तावों पर शुरू हुई बैठक

वित्त विभाग के पास पहुंचे विभागीय प्रस्तावों पर अब बैठक शुरू कर दी गई हैं। नये वित्तीय वर्ष के बजट में विकास कार्यों के लिए सरकार 2.25 लाख करोड़ रुपये दे सकती है। यह कीमत चालू वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 25 हजार करोड़ रुपये अधिक है।

विभागों को खर्च में तेजी के निर्देश

प्रदेश सरकार ने साल 2024-25 के लिए ऐसा बजट पेश किया, जो जमीनी हकीकत के करीब हो। शुरुआत में सरकार ने 7 लाख 36 हजार 437 करोड़ रुपये का बजट बनाया था। बाद में, दो अनुपूरक बजट पेश किए गए, जिससे कुल बजट बढ़कर करीब 7.66 लाख करोड़ रुपये हो गया। सरकार ने सभी विभागों से कहा है कि वे बजट का सही इस्तेमाल तेजी से करें ताकि अगले वित्तीय वर्ष में विकास योजनाओं के लिए और ज्यादा बजट मिल सके।

कुंवारे देवर से चलाया चक्कर, जेठ ने टोका तो लिया ऐसा बदला सदमे में चला गया पूरा परिवार

मुजफ्फरपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के चर्चित 11 वर्षीय विक्रम हत्याकांड मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। हत्याकांड की मास्टर माइंड मृतक की सगी चाची निकली है। उसने अपने पड़ोसी महिला और उसके बेटे के साथ मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। मृतक विक्रम की चाची रागिनी देवी ने अन्य आरोपितों के साथ मिलकर सब्जी काटने वाली हसिया से उसकी गला रेत हत्या कर दी थी। हत्या में सुशील के पड़ोसी प्रह्लाद का पुत्र विद्यापति कुमार व उसकी मां पुनीता देवी भी शामिल थीं। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल हसिया व खून से सनी साड़ी बरामद की है। आरोपी चाची ने बदला लेने के लिए भतीजे की हत्या की थी। उसका अपने ही देवर से प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसका विरोध मृतक बच्चे के पिता करते थे। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुजफ्फरपुर जिले के औराई थाना क्षेत्र के महरौली गांव के सुशील साह के पुत्र विक्रम की हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा किया है।

चुनाव से पहले विपक्ष की बयानबाजी पर भड़कीं नीतीश सरकार की मंत्री, दे डाली नसीहत

पटना, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नेताओं के बीच बयानबाजी भी शुरू हो गई है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता एक-दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। इसी क्रम में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल चुनावी वर्ष में तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं।

विपक्षी पार्टियों पर साधा निशाना

खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह ने जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा। मंत्री लेशी ने विपक्षी दलों पर तकह-तरह के हथकंडे अपनाकर राजनीतिक रोटी सेंकने का आरोप लगाया। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार विद्यार्थियों की सबसे बड़ी हितैषी है। चूंकि, यह साल चुनावी वर्ष है इसलिए विपक्ष के तमाम नेता तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं, लेकिन उन्हें कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है।

विपक्ष पर लगाया अनर्गल बयानबाजी करने का आरोप

मंत्री लेशी ने कहा कि असल में विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं है। विपक्षी नेताओं की अनर्गल बयानबाजी से एनडीए की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। नीतीश कुमार पर प्रदेश की आम जनता का भरोसा पहले की तरह आज भी अटूट है।

राजद पर कसा तंज

नीतीश सरकार की योजनाओं के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार कि कल्याणकारी योजनाएं महिलाओं के लिए परिवर्तनकारी साबित हुई हैं। इस दौरान उन्होंने राजद पर भी जमकर हमला बोला। लेशी ने कहा कि राजद ने अपने 15 वर्षों के शासनकाल में कभी भी आधी आबादी की सुध नहीं ली।

यूपी-बिहार में जारी रहेगा ठंड का प्रकोप इन दो दिनों में हो सकती है बारिश

वाराणसी, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मौसम तेजी से सर्द हो रहा है। ठंड की वजह से मुश्किलें बढ़ेंगी, लेकिन 12 जनवरी को बारिश होने की संभावना बनी है। अगले तीन दिनों तक कोल्ड वेव और घना कोहरा छा सकता है। 10 जनवरी तक मौसम का मिजाज यही रहेगा। रात के तापमान में एक से दो डिग्री तक गिरावट दर्ज हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 11 और 12 जनवरी को बारिश की स्थिति बन रही है। विजिबिलिटी में कमी आ सकती है।

जारी की गई शीत दिवस की चेतावनी

भारत मौसम विज्ञान विभाग की तरफ से शीत दिवस की चेतावनी जारी की गई है। हवा का रुख भी उत्तर-पश्चिमी हो गया है, मौसम शुष्क रहने के साथ ही देर रात और सुबह के समय मध्यम कोहरा छाने की संभावना है।

अधिकतम तापमान 15.3 डिग्री रहा, जो सामान्य से 5.8 डिग्री कम है जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4 ।4 डिग्री अधिक रहा। सात, आठ और नौ जनवरी को सबसे ठंड दिन होने का अलर्ट जारी हुआ है।

बिहार की तरफ बढ़ रहा पश्चिमी विक्षोभ

मौसम विज्ञानी सुरेंद्र नाथ पांडेय ने बताया कि हवा तेज चल रही है। इस समय पश्चिमी विक्षोभ पूर्वांचल को पार करते हुए बिहार की तरफ बढ़ रहा है। उसका पिछला हिस्सा यानी कोल्ड फ्रंट यहां से गुजर रहा है, इसमें बर्फीली हवा चलती हैं, इसके कारण गलन काफी अधिक है। हालांकि अगले दो दिनों तक मौसम यही रहने के आसार है। कोल्ड फ्रंट में गरज के साथ छींटे पड़ते हैं, फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद कम है।

कोहरे में 70 रह गई दृश्यता, गलन बरकरार

वहीं यूपी के शाहजहांपुर में पछुआ हवा के तेज चलने के कारण बुधवार सुबह से ही गलन बढ़ी हुई है। कोहरे में दृश्यता घटकर 70 रह गई है। घने बादल छाए होने के कारण लगातार सातवें दिन भी धूप न निकलने के आसार बने हुए हैं। गन्ना शोध परिषद के मौसम अनुभाग के विज्ञानी डॉ। मनमोहन सिंह ने बताया कि दो दिन बाद बूंदाबांदी की संभावना है, जिससे आसमान साफ होगा। मौसम को देखते प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। बीमार लोगों के साथ ही बुजुर्गों व बच्चों को विशेष ध्यान रखने व आवश्यकता होने पर ही सर्दी में बाहर निकलने की सलाह दी है।

सुपौल में तेंदुआ का आतंक घर में घुसकर बैठा, वन कर्मी समेत 4 लोग हो गए घायल

सुपौल, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सुपौल में तेंदुआ के आतंक से लोग परेशान हैं। तेंदुआ के हमले से 19 वर्षीय नंदन कुमार और वन विभाग के कर्मी राजेश कुमार यादव समेत चार लोग घायल हो गए। इस घटना के बाद से इलाके में अफरातफरी मच गई है। पूरा मामला सुपौल के बसंतपुर प्रखंड के रानीगंज क्षेत्र का है। अचानक तेंदुआ घर में जैसे ही दिखा तो लोगों की हालत खराब हो गई। बताया गया कि अशोक मंडल के घर महिलाएं कपड़े सिलवाने में व्यस्त थीं। इसी दौरान युवक नंदन कुमार घर के भीतर गया जहां उसे चौकी के नीचे से गरजने की आवाज सुनाई दी। चौकी के नीचे वह झांका तो एक जंगली जानवर उसे दिखा। यह देखकर वे जोर-जोर से चिल्लाने लगा। इसी बीच उस जानवर (तेंदुआ) ने नंदन पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत वीरपुर अस्पताल में भर्ती कराया।

शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने पर सरकार से मांगी रिपोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा-समिति गठित करने का राज्य सरकार को आदेश दिया था दाखिल हुई अवमानना याचिका

प्रयागराज, 8 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार से करीब डेढ़ लाख शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने के मामले में कृत कार्यवाही की 27 जनवरी तक जानकारी मांगी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने वाराणसी के विवेकानंद की अवमानना याचिका पर दिया है। इसके पहले याची ने मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर याचिका दाखिल की थी। इस पर कोर्ट ने सम्मानजनक मानदेय निर्धारित करने के लिए समिति गठित करने का राज्य सरकार को आदेश दिया था। आदेश का पालन न करने पर अवमानना याचिका दाखिल की गई है। अधिवक्ता ने दलील दी कि 2023 में शिक्षामित्रों ने समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग कर याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने शिक्षामित्रों के मानदेय को न्यूनतम मानते हुए राज्य को समिति का गठन कर एक सम्मानजनक मानदेय निर्धारित करने का निर्देश दिया था।

अवमानना याचिका पर राज्य के वकील ने न्यायालय को बताया था कि आदेश के अनुपालन में शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति बनाई गई थी। समिति ने रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। वित्तीय बोझ को देखते हुए रिपोर्ट वित्त विभाग को भेजी गई है। हाईकोर्ट ने सरकारी वकील के अनुरोध पर अवमानना केस की सुनवाई स्थगित कर दिया। साथी ही आदेश के अनुपालन में राज्य सरकार की ओर लिए गए निर्णय के संबंध में जानकारी मांगी है।

डबल मर्डर केस में फरार आरोपी गिरफ्तार: 8 साल से पुलिस को चकमा देकर था गायब, कोलकाता से हुई गिरफ्तारी

गया, 8 जनवरी (एजेंसियां)। गया जिले की पुलिस ने आठ वर्षों से फरार चल रहे हत्या के आरोपी मो। जुल्फेकार खान उर्फ कल्लू को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एसएसपी आनन्द कुमार के आदेश पर गठित विशेष टीम द्वारा की गई। आरोपी 2016 में हुए एक दोहरे हत्याकांड का मुख्य आरोपी था, जिसमें एक परिवार की मां और बेटी की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस को लिखित आवेदन देकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। यह हत्या का मामला थाना कांड संख्या-65/16 के तहत दर्ज हुआ था। एसडीपीओ प्रकाश कुमार ने बताया कि पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान और सूचना तंत्र का उपयोग कर जुल्फेकार की लोकेशन ट्रेस की और उसे कोलकाता के सलीम मठ इलाके से गिरफ्तार किया। जुल्फेकार गिरफ्तारी से बचने के लिए अपनी अचल संपत्ति बेच चुका था और कोलकाता में छिपा हुआ था। इस मामले में शामिल पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें आजीवन कारावास की सजा दिलाई जा चुकी है,

जौनपुर के इंजीनियर ने बेंगलुरू में पत्नी के साथ मिलकर की बच्चों की हत्या, फिर की आत्महत्या; परिवार में कोहराम

जौनपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरू में एक इंजीनियर और उसकी पत्नी ने किराए के मकान में अपने दो नाबालिग बच्चों की हत्या करने के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। मृत दंपती जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र के निवासी थे। मंगलवार की शाम पुलिस ने स्वजन को सूचना दी तो परिवार में कोहराम मच गया। स्वजन तुरंत बेंगलुरू के लिए रवाना हो गए। नगर के कमालपुर वार्ड निवासी शिव प्रसाद ऊमर वैश्य के मझले पुत्र ने सोमवार की भोर में अपने दो मासूम बच्चों की हत्या करने के बाद कर्नाटक के बेंगलुरू में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

सदाशिव नगर पुलिस ने प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का कारण लेन-देन मान मामले की छानबीन कर रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ में पता चला कि इंजीनियर प्रयागराज के निवासी हैं। इसके बाद घटना की की सूचना प्रयागराज पुलिस को दी गई, जबकि इंजीनियर की कंपनी में मंगलवार को सही पता मिलने पर पुलिस ने शाम को परिवार से संपर्क

कर सूचित किया। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर था अनूप

शिव प्रसाद उमर वैश्य के तीन बेटे हैं। बड़े बेटे अमित कुमार व सबसे छोटा बेटा पुनीत कुमार कमालपुर स्थित घर में ही किराना व अन्य दुकान चलाते हैं, जबकि मझला बेटा 38 वर्षीय अनूप कुमार, 35 वर्षीय पत्नी राखी, पांच वर्षीय बेटी अनुप्रिया व दो वर्षीय बेटे प्रियांश को लेकर कर्नाटक राज्य के बेंगलुरू में किराए के मकान में रहता था। वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर था और एक आईटी कंपनी में कार्यरत था। घर पर परिवार की माली हालत भी अच्छी है।

परिवार से भी था अच्छा रिश्ता

इंजीनियर अनूप का भी परिवार से बहुत अच्छा रिश्ता था। परिवार के लोग उसे बहुत प्यार करते थे। पुलिस द्वारा बच्चों की हत्या व पति-पत्नी की आत्महत्या की बात सुनकर परिवार के लोगों को विश्वास नहीं हो रहा है। परिवार मान रहा है कि आत्महत्या करने का कोई कारण नहीं था आर्थिक तंगी होती तो वह परिवार से मदद ले सकता था, क्योंकि परिवार उसके साथ सदैव खड़ा था। परिवार को बच्चों की हत्या व खुदकुशी की घटना पर संदेह बना हुआ है। लोगों का मानना है कि अनूप ऐसा नहीं कर सकता। फिलहाल सूचना मिलते ही परिवार के लोग बेंगलुरू के लिए रवाना हो चुके हैं।

चीन भेजे जा रहे थे भारत के लोगों के बाल! दक्षिण भारत से तस्करी, पश्चिम बंगाल का तस्कर, बिहार में बरामद

मुजफ्फरपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार के डायरेक्टरेट ऑफ रेवन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने तिरुपति बालाजी समेत दक्षिण भारत के कई मंदिरों से चोरी कर बिहार के रास्ते नेपाल ले जाए जा रहे मानव-बाल की एक बड़ी खेप पकड़ी है। यह बाल नेपाल के रास्ते चीन तक पहुंचाए जाने थे। पश्चिम बंगाल के दो तस्करों के साथ बिहार का भी एक शख्स तस्करी के आरोप में डीआरआई के हत्थे चढ़ा है। डीआरआई की टीम इससे पूछताछ कर रही है। डीआरआई की यह कार्रवाई बिहार-नेपाल बॉर्डर के पास में मधुबनी में सामने आयी है। पकड़े गए तस्करों में दो पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रहने वाले हैं, जबकि एक बिहार के मधुबनी जिले के रहने वाला है। इंटेलिजेंस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की है। पश्चिम बंगाल नंबर का एक ट्रक मधुबनी से गुजर रहा था, जहां बालों की खेप ले जाए जाने की सूचना थी। पूछताछ में तस्करों ने बताया कि बरामद किया गया हुआ दक्षिण भारत के कई तीर्थ स्थलों से चुराकर जुटाया गया था। तिरुपति बालाजी मंदिर में होने वाले मुंडन से सबसे ज्यादा बाल जुटाए गए थे।

व्यापारी को हनीट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल कर रहा था रिटायर फौजी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुरादाबाद, 8 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के मुरादाबाद में पुलिस ने आईटीबीपी के एक रिटायर्ड इंस्पेक्टर को हनीट्रैप मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने कुछ महिलाओं के साथ मिलकर मुरादाबाद के बड़े व्यापारी को हनीट्रैप में फंसाया और ब्लैकमेल करने लगा। उसके गैंग में व्यापारी का ड्राइवर और गनर भी शामिल था। इन्हें पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा चुका है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अनुज गंगवार ने आईटीबीपी से वीआरएस लेने के बाद बरेली में एक सिक्योरिटी कंपनी चलाता था। यह मामला मुरादाबाद की वजीरचंद एक्सपोर्ट के मालिक किशनलाल ढल से जुड़ा है।

दो साल पहले किशनलाल ढल की फैक्ट्री में काम करने वाली एक महिला ने 90 साल के बुजुर्ग एक्सपोर्टर किशनलाल ढल के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में बलात्कार का केस दर्ज कराया था। उस समय इस घटना से संबंधित कुछ वीडियो भी दिए गए थे लेकिन बाद महिला मुकर गई, जिसके बाद पुलिस ने फ़ाइनल रिपोर्ट लगा दी। लेकिन, कुछ समय बाद इन पुराने और फेक वीडियो को लेकर एक बार फिर से उन्हें ब्लैकमेल किया जाने लगा।

व्यापारी को ब्लैकमेल करने का मामला

ब्लैकमेल करने वालों में वजीरचंद कंपनी में काम करने वाला एक पूर्व ड्राइवर और बॉडीगार्ड भी शामिल था। आरोपियों ने कुछ महिलाओं को साथ मिलाकर व्यापारी के बेटे अरशु ढल पर पैसे देने का दबाव बनाया, जिसके बाद उन्होंने पुलिस थाने में शिकायत कर दी। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपियों ने उसने 2 महीने पहले 5 लाख रुपये भी वसूले थे। जिसके बाद और पैसों की मांग की जा रही है। अरशु ढल ने एफआईआर में बताया कि उनके पिता के फेक वीडियो को लेकर उन्हें ब्लैकमेल और मोटी रकम की डिमांड की जा रही है। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी ड्राइवर शिव कुमार और गार्ड पवन को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों से पूछताछ में तीसरे आरोपी अनुज गंगवार का नाम भी सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने मंगलवार को उसे भी बरेली के उमंग पार्ट-2 मोहल्ले से गिरफ्तार कर लिया।

मुसलमान अधिक बच्चे पैदा करते हैं

तो हिंदुओं को बच्चे पैदा करने से किसने रोका है', जेडीयू विधायक का बीजेपी एमएलए पर पलटवार

गोपालपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बिहपुर। जदयू के गोपालपुर विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल ने कहा कि मुसलमान अधिक बच्चे पैदा करते हैं तो इससे विधायक इंजीनियर शैलेंद्र को क्या समस्या है। हिंदुओं को बच्चे पैदा करने से किसने रोका है। समाज में घृणा और नफरत फैलाने का कोई औचित्य नहीं है। गोपालपुर विधायक ने भाजपा के बिहपुर विधायक शैलेंद्र के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन पर निशाना साधा है। गोपाल मंडल ने कहा कि शैंलेंद्र ने मुसलमानों व बैकवर्ड समाज के लिए कुछ नहीं किया है। शैलेंद्र बयान देते हैं कि मुझे मुसलमानों का वोट नहीं चाहिए। कौन मुसलमान उनको वोट देना चाहता है। मुसलमानों के लिए मैंने व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बहुत काम किए हैं। नीतीश कुमार ने हमेशा समाज में सौहार्द बनाए रखने का काम किया है। मुख्यमंत्री बिहार में दंगा-फसाद नहीं चाहते हैं। भाजपा विधायक इं। शैलेंद्र का बयान दंगा-फसाद कराने की राजनीति को शह देने जैसा है। गोपाल मंडल ने इस बात का भी दावा किया कि उन्होंने ही इं। शैलेंद्र को जीत दिलाई है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में प्रचार करके इं। शैलेंद्र को तो मैंने जीत दिलवाई है। वह अपने बूते पर नहीं, बल्कि एनडीए के बूते जीत पाते हैं। विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि हिंदू एकजुट हैं और समाज में भाईचारे के साथ रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चाहते हैं कि एनडीए को मुसलमानों का वोट मिले और भारत सुरक्षित भी रहे।

मुसलमानों को लेकर दिए बयान पर साधा निशाना

दरअसल, विधायक इं। शैलेंद्र ने कुछ दिन पहले बयान दिया था कि मुझे हार मंजूर है, लेकिन मुसलमानों के वोट नहीं चाहिए। इसी बयान पर जदयू के गोपालपुर विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल ने उन पर निशाना साधा है।

इंजीनियर होकर भी निरक्षर की तरह बातें करते हैं शैलेंद्र

गोपाल मंडल ने कहा कि एक बार इं। शैलेंद्र विक्रमशिला पुल पर धरना पर बैठ गए थे। जाम लगने के कारण वहां के यादव लोग बहंगी लेकर दौड़े तो इं। शैलेंद्र ने कार्यकर्ताओं के साथ वहां से भागने में ही भलाई समझी। थाने में धरना देना व बढ़-चढ़कर बोलना तो उनका धंधा बन चुका है। इं। शैलेंद्र इंजीनियर होकर भी निरक्षर की तरह बातें करते हैं।

बैंक में अचानक घुस आई मैनेजर की बीवी, लगाए गंभीर आरोप फजीहत होता देख पति ने दिया ये रिप्लाई

बलिया, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के बलिया से एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। बलिया जनपद के बांसडीह थाना क्षेत्र में सेंट्रल बैंक में बैंक मैनेजर की पत्नी ने पहुंचकर जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस महिला को थाने लेकर आई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक महिला ने बेवफा पति बैंक मैनेजर पर शादी करके छोड़ देने का आरोप लगाया है। महिला ने बताया कि दोनों के बीच लव मैरिज हुई थी। पीड़ित महिला ने बताया कि उसकी मुलाकात बैंक मैनेजर प्रदीप माजावर से अलीगढ़ में हुई थी। अंजलि ने पुलिस को बताया कि प्रदीप ने 10 साल से रिलेशनशिप में रहने के बाद शादी करके उसे छोड़ दिया। अंजलि का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें प्रदीप पर आरोप लगाती नजर आ रही है। वायरल वीडियो में अंजलि बोल रही है मैं बैंक मैनेजर की पत्नी हूं। मेरे पति मुझे अकेला छोड़कर चले गए हैं। अब मैं कहां जाऊं। मेरे लिए यह क्षेत्र नया है।

मिल्कीपुर में पूरा होगा अयोध्या का हिसाब? उपचुनाव में अखिलेश यादव से बदला लेंगे सीएम योगी! बनी रणनीति

लखनऊ, 8 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव का ऐलान हो गया है। जिसके बाद अयोध्या में एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। मिल्कीपुर चुनाव को सपा-बीजेपी के बीच अयोध्या की नई जंग के तौर पर भी देखा जा रहा है। भाजपा हर हाल में यहां चुनाव जीतकर लोकसभा चुनाव में मिली हार का बदला चुकाना चाहती है। वहीं सपा भी पीछे नहीं है। मिल्कीपुर सीट पर दिल्ली विधानसभा चुनाव के साथ 5 फरवरी को वोटिंग होगी और 8 फरवरी को चुनाव के नतीजे आ जाएंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस सीट से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी भले ही अभी कर अपने प्रत्याशी को लेकर फैसला नहीं कर पाई हो लेकिन भाजपा चुनाव के ऐलान से पहले ही तैयारी में जुटी है। हाल में 9 सीटों पर हुए उपचुनाव के बाद बीजेपी का जोश हाई है।

बीजेपी के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बना मिल्कीपुर उपचुनाव

मिल्कीपुर सीट बीजेपी के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गई है। पार्टी के लिए ये कितनी बड़ी चुनौती है इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि सीएम योगी लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद दर्जनभर से ज्यादा बार अयोध्या का दौरा कर चुके हैं। बीते 15 दिनों में ही तीन बार योगी अयोध्या जा चुके हैं। बीते शनिवार को भी सीएम योगी ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी, जिसमें उन्होंने आगे की रणनीति को लेकर चर्चा की और स्थानीय लोगों से भी चर्चा की थी। भाजपा ने मिल्कीपुर चुनाव को जीतने के लिए प्रदेश के 6 मंत्रियों को मैदान में उतार दिया है। पार्टी की ओर से मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्रदेव सिंह, जेपीएस राठौर, दयाशंकर मिश्र दयालु, मयंकेश्वर शरण सिंह और सतीश शर्मा को चुनाव में जीत की जिम्मेदारी दी है। माना जा रहा है कि चुनाव के ऐलान के बाद सीएम योगी दो से तीन जनसभाएं भी कर सकते हैं। वहीं डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य भी इस सीट पर चुनाव प्रबंधन देखेंगे और दौरे करते रहेंगे। बता दें कि साल 2022 के विधानसभा चुनाव में मिल्कीपुर सीट पर समाजवादी पार्टी को 1 लाख 3 हजार 905 वोट मिले थे, दूसरे नंबर पर भाजपा रही थी, भाजपा प्रत्याशी को 90 हजार 567 वोट मिले थे वहीं तीसरे नंबर पर बहुजन समाज पार्टी के खाते में 14 हजार 427 वोट आए। सपा ने यहां 13,338 वोटों से जीत दर्ज की थी। देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा इस सीट पर भगवा लहराकर अयोध्या की हाल का बदला ले पाएगी।

पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह द्वारा 10 करोड़ मानहानि नोटिस मामले में अरुण यादव बोल आवाज दबाने का प्रयास

भोपाल, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सौरभ शर्मा मामले में पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह द्वारा कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया को 10 करोड़ मानहानि नोटिस जारी किए गए हैं जिस पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण यादव ने मामले में तंज कैसा है और कहा है कि मीडिया की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग विपक्ष एवं लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की आवाज़ को दबाने का प्रयास कर रहे है।

हम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे

पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने सोशल साइड एक्स पर लिखा कि देशभर में चर्चित परिवहन घोटाले में उच्च स्तरीय जांच की मांग करने पर पूर्व मंत्री भाजपा विधायक भूपेंद्र सिंह ने कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया एवं मीडिया संस्थानों को मानहानि का नोटिस भेजना दर्शाता है कि सत्ता में बैठे लोग विपक्ष एवं लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ मीडिया की आवाज़ दबाने का प्रयास कर रहे है, जो हम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे ।

जाने क्या है नोटिस

नोटिस में भूपेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस प्रवक्ता ने झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगाकर उनकी मानहानि करने की कोशिश की है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया ने नोटिस की पुष्टि करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी डरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि सौरभ शर्मा के पास मिली अकूत दौलत को सबने देखा है। इस परिवहन घोटाले में कई नेताओं के नाम सामने आए हैं, जिनका सौरभ शर्मा से कनेक्शन था। भूपेंद्र सिंह, गोविंद सिंह, और पूर्व मुख्य सचिव के नाम भी इसमें शामिल थे। कांग्रेस ने सौरभ कनेक्शन की जांच की मांग की थी और इसकी सीबीआई जांच की भी अपील की थी।

कनूनी तरीके से देंगे जवाब

बरोलिया ने आगे कहा कि विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस का कर्तव्य है कि वह जनता की आवाज उठाए। भूपेंद्र सिंह द्वारा भेजे गए मानहानि नोटिस का कांग्रेस कानूनी तरीके से जवाब देगी और जनता की आवाज उठाने की लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस डरने वाली नहीं है और जनता की ओर से उठाई गई आवाज को निरंतर आगे बढ़ाएगी।

बैलेंस बिगड़ने से 2 साल की बच्ची पर गिरा युवक, इलाज के दौरान मासूम की मौत

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई के जुहू इलाके से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां पर दो साल की बच्ची पर कॉलेज में पढ़ रहा एक लड़का बैलेंस बिगड़ने की वजह से गिर गया, जिसके चलते बच्ची की मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये घटना 2 जनवरी को तब हुई, जब विधि अग्रहरि नाम की लड़की अपने परिवार के दुकान के पास खेल रही थी। इस मामले को लेकर लड़की के पिता विनय अग्रहरि ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। बच्ची के पिता विनय अग्रहरि द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, यह घटना 2 जनवरी की है। जब विधि अग्रहरि नाम की दो साल बच्ची अपने परिवार के दुकान के पास खेल रही थी। इसी दौरान आरोपी हर्षद गौरव अपने दोस्तों के साथ वहीं पर मस्ती-मजाक कर रहा था, उसके साथ उसका दोस्त शाहनवाज अंसारी भी था। इस बीच बच्ची की मां ने उन्हें आगाह किया की यहां मत खेलो दूसरी जगह चले जाओ, लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद अपनी मस्ती में मस्त हर्षद ने अपना बैलेंस खो दिया और बच्ची के ऊपर गिर गया, जिसकी वजह से विधि के सर में गंभीर चोट आई।

मध्य प्रदेश में अब इन 55 जगहों का नाम बदलने की मांग, उज्जैन की 3 पंचायतों का बदला गया नाम

उज्जैन, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा उज्जैन जिले की तीन पंचायत के नाम बदलने के बाद अब प्रदेश भर से 55 जगहों के नाम बदलने की मांग हो रही है। पिछले दिनों मोहन यादव ने उज्जैन जिले की तीन पंचायत के नाम बदले थे, जिसमें मौलाना गांव का नाम बदलकर विक्रम नगर , जहांगीरपुर का नाम बदलकर जगदीशपुर और गजनी खेड़ी का नाम बदलकर चामुंडा माता गांव करने का ऐलान किया था। इसके बाद अब प्रदेश भर से ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आधार पर करीब 55 जगहों का नाम बदलने की मांग हो रही है। जिन शहरों से नाम बदलने की मांग हो रही है, उनमें प्रदेश की राजधानी भोपाल से 12, रायसेन से 12, उज्जैन से 5, विदिशा से 3, सीहोर और मंदसौर से 4-4 जगहों के नाम बदलने की मांग है। मांग करने वाले लोगों का दावा है कि मुगल और नवाबों के समय कई गांवों और शहरों के नाम बदले गए और अब इन जगहों को उनके पुराने नामों को वापस देने की मांग हो रही है।

इन जगहों का नाम बदलने की मांग

औबेदुल्लागंज रायसेन जिले में है, जो पहले हिरानिया था, जिसे बाद में भोपाल रियासत की नवाब सुल्तान जहां के बेटे औबेदुल्ला खां के नाम पर बदल दिया गया। गौहरगंज कभी कलियाखेड़ी था, इसे राजा भोज के मंत्री के नाम पर बदल दिया गया जो बाद में नवाब हमीदुल्लाह खां की बेटी आबिदा सुल्तान के नाम पर इसको गौहरगंज बना दिया गया। वहीं शमशाबाद जो पहले सूर्य नगर था, क्योंकि यहां सूर्यमंदिर था, लेकिन मुगलो ने इसे तोड़ दिया। नूरगंज जो पहले रुरूप नगर था, लेकिन नवाबों ने इसे बदलकर नूरगंज कर दिया गया। वहीं भोपाल में जहांगीराबाद, शाहजहांनाबाद, हबीबगंज, मुबारकपुर, बरखेड़ा याकुब और आदमपुर छावनी जैसे इलाकों को क्षेत्रों के नाम बदलने की मांग चल रही है। विदिशा जिले के शमशाबाद को बदलकर सूर्य नगर और गंजबासौदा के मियाखेड़ी का नाम बदलने की भी मांग चल रही है।

इंस्टाग्राम पर देसी कट्टा लहराना पड़ा भारी, भागते हुए आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ दिल्ली पुलिस की एएटीएस (एंटी ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड टेक्नोलॉजी सेल) टीम ने सोशल मीडिया पर नजर रखते हुए एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जो अवैध हथियार के साथ इंस्टाग्राम पर रील बनाता था। पुलिस ने बताया कि यह शख्स लोकल क्रिमिनल्स और फिल्मी गैंगस्टर्स से प्रभावित था और उन्हें देखकर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर देसी कट्टे या तमंचे के साथ वीडियो पोस्ट करता था। देसी तमंचे के साथ रील बनाने वाले इस आरोपी की पहचान रोहित उर्फ रोहन के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, एएटीएस साउथ टीम ने 4 जनवरी को सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ इंस्टाग्राम पर रील पोस्ट करने वाले शख्स के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और उसे पुष्पा भवन बीआरटी रोड के पास लोकेट किया। जब पुलिस ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, तो वह भागने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोपी के पास से एक देसी कट्टा या तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गैंगस्टर्स से प्रभावित था और उनके जैसे नाम बनाने के लिए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हथियार के साथ रील पोस्ट करता था।

इंदौर के भाजपा पार्षद बोले- संगठन गया चूल्हे में

अपनी ही पार्टी के पार्षद से कहा- आपकी औकात है ऐसी बात करने की

इंदौर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में दो बीजेपी पार्षदों के बीच का विवाद खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। दोनों नेताओं के बीच जिस बातचीत को लेकर विवाद शुरू हुआ उसका ऑडियो अब सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि इस ऑडियो में जो व्यक्ति यह बोल रहा है कि 'संगठन-वंगठन चूल्हे में गया', वह बीजेपी पार्षद और एमआईसी सदस्य जीतू यादव हैं। जबकि दूसरी आवाज पार्षद कमलेश कालरा की बताई जा रही है। ऑडियो को लेकर जीतू यादव से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने कोई रिस्पॉन्स नहीं दिया। कालरा ने एमआईसी सदस्य जीतू यादव पर हमले का आरोप लगाया है। जूनी इंदौर पुलिस के मुताबिक पार्षद कमलेश कालरा के बेटे दीपेश कालरा की शिकायत पर 30 से 40 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पार्षद कमलेश कालरा ने इंदौर पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की और जीतू यादव पर भी एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पार्षद ने कई आरोप लगाते हुए कहा कि अगर कार्रवाई नहीं होती है, तो वे अपने परिवार के साथ आत्महत्या करने पर मजबूर होंगे। इधर, पुलिस मामले में जांच कर रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमित सिंह ने बताया कि एमआईसी सदस्य जीतू यादव के लोगों ने पार्षद कमलेश कालरा के घर में घुसकर हमला किया था। जीतू यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुझे मीडिया के माध्यम से ही पता चला है कि मेरे आदमियों ने जाकर कमलेश कालरा के घर पर हमला किया। मेरे लोग उनके यहां नहीं गए। ऐसे में कमलेश कालरा ऐसे आरोप मुझ पर क्यों लगा रहे हैं? ये मुझे नहीं पता। मुझे वायरल हो रहे एक ऑडियो की जानकारी है। जिसमें कालरा जी आपा खोकर नगर निगम के एक कर्मचारी के लिए अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने मुझ पर आरोप लगाए हैं। उसके बारे में संगठन के सामने अपना पक्ष रखूंगा। हम एक ही संगठन के हैं, इसलिए मिल बैठकर समस्या का हल निकाल लेंगे।

बोरवेल में गिरी लड़की की मौत, 33 घंटों बाद निकाला गया था बाहर

कच्छ, 8 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ जिले में 540 फुट गहरे बोरवेल में गिरी 18 वर्षीय लड़की की मौत हो गई। उसे 33 घंटे से अधिक समय बाद मंगलवार को बोरवेल से निकाला गया था। इसके बाद लड़की को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि लड़की सोमवार सुबह करीब साढ़े छह बजे जिले के भुज तालुका के कंदेराई गांव में बोरवेल में गिर गई थी। वह 540 फुट गहरे बोरवेल में 490 फुट की गहराई पर फंसी हुई थी। मामले का पता चलने के बाद विभिन्न एजेंसियों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बोरवेल का व्यास एक फुट है और चूंकि लड़की बड़ी थी और वह उसमें काफी गहराई में फंसी हुई थी, इसलिए बचाव कार्य में मुश्किल हो रहा था। उसे शाम चार बजे बोरवेल से निकाला गया। भुज के सहायक कलेक्टर और एसडीएम ए बी जादव ने कहा कि दुर्भाग्य से, लड़की बच नहीं पाई और भुज के जी के जनरल अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

समुद्री सुरक्षा में ऐतिहासिक कदम: भारत-अमेरिका का संयुक्त मिशन, मिलकर बनाएंगे सोनार बुआय

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय महासागर में सुरक्षा को नई मजबूती देने के लिए भारत और अमेरिका ने एक ऐतिहासिक समझौता किया है। दोनों देश अब मिलकर सोनार बुआय के सह-निर्माण की योजना बना रहे हैं। सोनार बुआय समंदर की गहराइयों में पनडुब्बियों का पता लगाने के लिए इस्तेमाल होने वाला एक एडवांस इक्विपमेंट/तकनीक है, जो भारतीय नौसेना की ताकत को और बढ़ाएगा। इस समझौते का ऐलान 6 जनवरी 2025 को किया गया, जब अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन भारत दौरे पर आए। उनके इस दौरे का मकसद भारत और अमेरिका के बीच रक्षा और तकनीकी सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाना था।

भारत और अमेरिका के बीच पहली बार ऐसा

इस साझेदारी में अमेरिका की अल्ट्रा मैरीटाइम और भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत डायनामिक्स लिमिटेड शामिल हैं। पहली बार ऐसा हो रहा है कि दोनों देश मिलकर अमेरिकी डिज़ाइन वाले सोनार बुआय का निर्माण करेंगे। सोनार बुआय पानी के अंदर ध्वनि सुनने और पनडुब्बियों की गतिविधियों का पता लगाने में सक्षम है। इसे विमान, जहाज या पनडुब्बियों से तैनात किया जाता है। यह उपकरण वास्तविक समय में डेटा उपलब्ध कराता है, जो नौसेना की ऑपरेशन क्षमता को कई गुना बढ़ा देता है।

चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों पर नजर

यह समझौता ऐसे वक्त में हुआ है जब भारतीय महासागर क्षेत्र में चीन की नौसेना अपनी गतिविधियां बढ़ा रही है। भारतीय और अमेरिकी विशेषज्ञों का मानना है कि यह सहयोग न केवल भारत की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि दोनों देशों के रक्षा संबंधों को भी और गहरा करेगा। यह कदम भारतीय महासागर क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन बनाए रखने में बेहद अहम साबित हो सकता है।

सोनार बुआय क्या है?

सोनार बुआय नौसेना की दुनिया में एक खास तकनीक है। इसकी मदद से पानी के नीचे मौजूद होने वाली वस्तुओं का पता लगाया जाता है। सोनार बुआयी में एक उपकरण का इस्तेमाल किया है। ये उपकरण पानी में ध्वनि तरंगें भेजता है और उनके प्रतिबिंब को रिकॉर्ड करता है। इसी के जरिए पानी में मौजूद वस्तुओं का पता चल पाता है।

ईएमआई का पैसा मांगा तो गुस्से में लाल हुआ शख्स, चढ़ा दी कार कुचलकर 1 की मौत

केन्दुझर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के केन्दुझर के बांसपाल ब्लॉक में एक शख्स ने पहले लोन पर बाइक खरीदी और इसके बाद लोन की सभी किस्तों का भुगतान भी नहीं किया। ऐसे में कर्मचारी उससे किस्त लेने के लिए उसके घर पहुंचे, जहां कर्मचारियों की उस शख्स से बहस हो गई। फिर जब दोनों उसके घर से निकले तो उसने दोनों की बाइक को पीछे से अपनी कार ले जाकर जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में एक एजेंट की मौत हो गई। वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल है। दरअसल ओडिशा के गांव बानेईकला के बुबू महंत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के कर्मचारी मनोज महंत के साथ नयाकोट पुलिस सीमा के अंतर्गत सुकरा साही के रहने वाले राम सिंह के घर बाइक लोन की किस्त लेने गया था। राम सिंह ने अपनी बाइक के लोन की किस्त नहीं चुकाई थी, जिसकी वजह से मनोज और बुबू बकाया राशि लेने के लिए उसके घर गए थे। भुगतान के बारे में पूछे जाने पर राम सिंह उग्र हो गया। इस वजह से दोनों में तीखी बहस हुई। तनाव के बाद भी जब राम सिंह ने किस्त के पैसे नहीं दिए, तो मनोज ने उसे किस्त न भरने का खामियाजा भुगतने की चेतावनी दी और बुबू के साथ बाइक पर उसके घर से निकल गया।

एक की कुलचकर मौत

इसके बाद राम सिंह ने अपनी गाड़ी से उनका पीछा किया। कुछ दूर तक दोनों का पीछा करने के बाद उसने अपनी गाड़ी की स्पीड बढ़ाई और बाइक में टक्कर मार दी। बाइक पर पीछे बैठे बुबू की कुचलकर मौत हो गई, जबकि मनोज बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर नयाकोट पुलिस मौके पर पहुंची और मनोज को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी आरोपी से ईएमआई वसूलने आए थे।

आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

आरोपी राम सिंह मुंडा ने ईएमआई पर पल्सर बाइक खरीदी थी और चार ईएमआई का भुगतान नहीं किया था। जब वसूली एजेंट ईएमआई मांगने गए तो आरोपी की उनसे बहस हुई। इसके बाद आरोपी दोनों के पीछे पहुंच गया और उनकी बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें एक की मौके पर मौत हो गई। वहीं एक एजेंट गंभीर रूप से घायल हो गया। ईएमआई के 33000 रुपये एजेंट आरोपी से लेने के लिए गए थे। अब आरोपी के खिलाफ अब मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उनके खिलाफ बीएनएस 103(1), 109(1) के तहत आरोप दर्ज किए गए हैं। उन्हें आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

क्या कांग्रेस से नाराज हैं कमलनाथ? बयान पर खुद ही दी सफाई

भोपाल, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ की पिछले दिनों कांग्रेस से नाराजगी की खबरें सामने आईं। जिसमें दावा किया गया कि कांग्रेस द्वारा बैठकों की जानकारी नहीं दी जा रही है, जिससे कमलनाथ पार्टी से नाराज चल रहे हैं। वहीं अब इन सभी अटकलों को खारिज करते हुए पूर्व सीएम ने खुद सफाई दी है। कमलनाथ ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, कांग्रेस की मजबूती के लिए और प्रदेश की व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए हम सब कांग्रेसजन एक हैं। विवाद का कोई प्रश्न नहीं है। पिछले दिनों हुई प्रदेश की राजनैतिक मामलों की समिति की बैठक को लेकर मीडिया में नाराज़गी के जो कयास लगाए जा रहे हैं, वे निराधार हैं। बता दें कि पिछले दिनों कई मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए ये दावा किया गया कि कमलनाथ कांग्रेस से खफा है। रिपोर्ट में कमलनाथ के हवाले से दावा किया गया, संगठन में नियुक्तियों के बारे में मुझसे से पूछा तक नहीं जा रहा। नियुक्तियों के बारे में वरिष्ठ नेताओं से बात की जानी चाहिए। मुझे बैठकों के बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी जाती है और ऐसा पहले भी होता रहा है। हाल ही में मुझे मीडिया के जरिए जानकारी मिली कि पीसीसी में बैठक हुई है।

पहले भी आईं नाराजगी की खबरें

बता दें कि ये पहला मौका नहीं था जब कमलनाथ की कांग्रेस से नाराजगी की खबरें सियासी गलियारों में छाई रही हों। पहले भी ये खबर आई थी कि कमलनाथ अपने बेटे नकुलनाथ के साथ बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। उसी दौरान कमलनाथ दिल्ली के दौरे पर भी रहे, हालांकि उन्होंने ऐसी तमाम खबरों को महज अफवाह बताकर सिरे से खारिज कर दिया था।

महबूबा मुफ्ती ने फिर अलापा पाकिस्तान से बातचीत का राग, पिता की पुण्यतिथि पर क्यों कही ये बात?

जम्मू, 8 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीनगर। पीडीपी के संस्थापक एवं जम्मू-कश्मीर के दो बार मुख्यमंत्री रहे दिवंगत मुफ्ती मोहम्मद सईद को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई। अपने पिता को श्रद्धांजलि देने के बाद पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान से वार्ता करने का राग फिर से अलापा। उन्होंने कहा कि पीडीपी जम्मू-कश्मीर और गुलाम जम्मू-कश्मीर के बीच के सभी रास्ते खोलने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सभी विवादास्पद मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान की पक्षधर है। महबूबा के नेतृत्व में पीडीपी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने मुफ्ती के कश्मीर मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प भी दोहराया। मुफ्ती मोहम्मद सईद का निधन सात जनवरी 2016 को हुआ था। उनकी पुण्यतिथि पर दक्षिण कश्मीर के बिजबिहाड़ा में स्थित दाराशिकोह पार्क में उनकी कब्र पर बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। जम्मू स्थित पीडीपी मुख्यालय में भी श्रद्धांजलि समारोह हुआ। दाराशिकोह पार्क में महबूबा मुफ्ती के साथ उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, पीडीपी विधायक वहीद-उर-रहमान परा भी मौजूद रहे। वहीद परा ने कहा कि मुफ्ती साहब का सबसे बड़ा योगदान सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं था, बल्कि दिल्ली और कश्मीर को एकजुट करने के साथ-साथ विभाजित जम्मू-कश्मीर तक भी फैला था। इधर, जम्मू मुख्यालय में आयोजित समारोह में पीडीपी नेता राजिंदर सिंह मन्हास, महासचिव, सतपाल चाढ़क, वरिंदर सिंह सोनू, केके शर्मा, विजय डोगरा, सुनील भट्ट, दर्शन मगोत्रा, विक्की डोगरा, अमित शर्मा, नरेंद्र शर्मा, प्रताप शर्मा, करण सिंह, सुरिंदर शर्मा, गुरप्रसाद वर्मा आदि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी मुफ्ती सईद को श्रद्धांजलि दी। उन्हें अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि मुफ्ती साहब कश्मीर से उभरने वाले सबसे वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं में से एक थे, जिन्होंने केंद्र सरकार में विभिन्न मंत्रालयों में काम किया और दो बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री चुने गए। नेकां सरकार को आरक्षण के मुद्दे पर घेरते हुए महबूबा ने उस पर युवाओं में सामाजिक और क्षेत्रीय आधार पर विभाजन की भावना को पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने ओपन मेरिट छात्रों के खिलाफ अन्याय को समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए विकास, रोजगार और शिक्षा के अवसर पैदा करने के बजाय सरकार की नीतियां युवाओं को बांट रही हैं। उन्होंने कर्मचारियों की अनुचित बर्खास्तगी और बढ़ती बेरोजगारी जैसे प्रमुख मुद्दों पर सरकार की चुप्पी की भी आलोचना की। महबूबा ने कहा कि मुफ्ती सईद की नीतियों, जिसमें श्रीनगर-मुजफ्फराबाद सड़क खोलना भी शामिल है, ने मेल-मिलाप और शांति को बढ़ावा दिया।

जिंदा है या मर गया? पत्नी के बॉयफ्रेंड पर जानलेवा हमला कर भागा था पति, डेथ कन्फर्म करने आया तो ऐसे चढ़ा पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक पहले कुवैत से नौकरी छोड़कर आता है और तीन महीने तक अपनी पत्नी पर नजर रखता है। इसके बाद वह पत्नी के बॉयफ्रेंड को मारने का प्लान बनाता है। फिर वह पत्नी के प्रेमी पर जानलेवा हमला करता है और नेपाल भाग जाता। इसके बाद वह ये देखने दिल्ली वापस आता है कि प्रेमी मर गया या फिर जिंदा है। ये मामला दिल्ली के भलस्वा थाना क्षेत्र का है, जहां एक नेपाली नागरिक मुस्तफा की पत्नी दिल्ली में रहती थी। वह कुवैत में रहकर काम करता था। एक दिन उसकी पत्नी ने उसे तलाक के पेपर भिजवाए। पेपर्स देखते ही वह बौखला गया और कुवैत से नौकरी छोड़कर वह नेपाल आ गया। इसके बाद दिल्ली गया। वहां उसने पत्नी के घर के पास ही एक रूम लिया और वहां रहने लगा। मुस्तफा की पत्नी एक फैक्टरी में काम करती है, जहां उसकी पत्नी के साथ काम करने वाले एक युवक के साथ उसके अवैध संबंध का मुस्तफा को पता लगा।

युवक के झांसे में आई 3 नाबालिग लड़कियों ने छोड़ा घर पहुंच गई मुंबई; लोकेशन बदलते समय जलगांव से बरामद

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। क्राइम ब्रांच के मानव तस्करी विरोधी दस्ते ने केएन काटजू मार्ग व समयपुर बादली से अगवा तीन किशोरियों को महाराष्ट्र के नासिक जिले के जलगांव से बरामद कर लिया है। पुलिस को तकनीक के उपयोग और सोशल मीडिया पर निगरानी से सुराग मिला। पीड़िताओं का पता लगाने के लिए 45 से अधिक मोबाइल नंबरों के सीडीआर और संदिग्धों के सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच की गई। इसके बाद दो दिन तक जलगांव के आसपास के इलाके में छापेमारी करने पर पुलिस को सफलता मिली। किशोरियों की उम्र 12, 14 व 16 वर्ष है। क्राइम ब्रांच की टीम को जांच के दौरान एक संदिग्ध युवक की इंस्टाग्राम आईडी पर एक रील दिखाई दी, जिसके बैकग्राउंड में 'निंभोरा' (महाराष्ट्र में एक स्थान) लिखा था। पुलिस टीम ने संदिग्ध और दोनों पीड़ितों को ट्रैक किया। टीम ने संदिग्ध पर नजर रखनी शुरू की तो उसकी लोकेशन बार-बार महाराष्ट्र के मालेगांव, भुसावल और जलगांव में बदल रही थी। क्राइम ब्रांच ने भुसावल

पुलिस के सहयोग से जलगांव में एक युवक के घर से दोनों बहनों को बरामद कर लिया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे इंस्टाग्राम के जरिये उस युवक के संपर्क में आई थीं। उसके बहकावे में आकर दोनों बहनों ने घर छोड़ दिया था। दोनों दो माह तक महाराष्ट्र में विभिन्न स्थानों पर रहे। पुलिस ने युवक को भी गिरफ्तार कर लिया है। उधर, दूसरे मामले में क्राइम ब्रांच ने एक सितंबर को समयपुर बादली से अगवा किशोरी को नासिक से बरामद कर लिया। पुलिस ने किशोरी को भगा ले जाने वाले एक संदिग्ध को ट्रैक करना शुरू किया। वह नजफगढ़ से बिहार के दरभंगा और वहां से नासिक, महाराष्ट्र पहुंच गया। इस दौरान कई मोबाइल नंबरों के सीडीआर का विश्लेषण किया गया। अंततः पुलिस ने नासिक और कसारा के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी के बाद पीड़िता को बरामद कर लिया। पीड़िता ने बताया कि युवक उसके घर के पास फैक्ट्री में काम करता था। वह उसे नासिक लेकर चला गया था। इससे पहले, क्राइम ब्रांच की टीम ने उत्तर प्रदेश और दिल्ली से करीब 17 साल की दो नाबालिग लड़कियों को बरामद किया है। 19 दिसंबर को जगतपुरी थाने से लापता लड़की को मेरठ से और चार जनवारी को खजूरी खास से लापता दूसरी लड़की को करावल नगर से बरामद किया गया। क्राइम ब्रांच के उपायुक्त के मुताबिक, टीम ने पीड़िता के माता-पिता के साथ-साथ अन्य परिवार के सदस्यों से जानकारी जुटाई और गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने उसे करावल नगर से बरामद किया। वहीं, लापता दूसरी नाबालिग लड़की की तलाश में टीम ने लड़की के दादा-दादी और अन्य परिजनों से जानकारी जुटाई। टीम ने महिला पुलिस अधीक्षक पूजा की विशेष सूचना पर पीड़िता को मेरठ से बरामद कर उसके परिवारवालों को सौंप दिया।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 9 जनवरी - 2025

चीनी वायरस से घबराने की नहीं,सावधानी की जरूरत

मनोज अग्रवाल

एक और वायरस चीन में हाहाकार मचा रहा है लेकिन चीन दुनिया को पर्याप्त जानकारी नहीं दे रहा है। परेशानी का सबब यह है कि तमाम सावधानियों और बचाव के उपायों के बावजूद देश में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण भारत में पहुंच गया है । यह थोड़ी चिंता की बात है, लेकिन इससे डरने, भयभीत अथवा आतंकित होने की जरूरत नहीं है। इसका कारण है कि कोरोना के बाद से कई नए वायरस के आने की खबरें आती ही रहती है और भविष्य में भी आती ही रहेंगी। चिंता की बात इसलिए भी नहीं है, क्योंकि मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना का हमलोगों ने जिस प्रकार से मुकाबला किया है, उसके बाद से हमलोग ऐसे वायरस से मुकाबला करने के लिए अभयस्त हो चुके हैं। इसलिए चाहे वह एचएमपीवी हो या कोई अन्य वायरस दशहत में आने दूसरों के बीच दहशत फैलाने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं हैं, हां जरूरत है कि सतर्कता बरती जाए, क्योंकि एक ही दिन में जिस प्रकार से 6 जगहों में वायरस मिला है, उससे साफ हो गया है कि देश में तेजी से इसका संक्रमण हो सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने कर्नाटक में दो बच्चों में एचएमपीवी संक्रमण पाया है। तीन महीने की बच्ची और आठ महीने के बच्चे में संक्रमण मिला है। इसके अलावा गुजरात में भी दो महीने के बच्चे में संक्रमण पाया गया है। चीन में इन दिनों ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का प्रकोप देखने को मिल रहा है। वायरस से बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने की खबरें आ रही हैं। इसे लेकर भारत में भी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। कई राज्यों ने एडवाइजरी और अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही भारत में एचएमपीची वायरस के 6 केस सामने आए हैं। मंत्रालय ने कहा कि बेंगलुरू के बैपटिस्ट अस्पताला में तीन महीने की एक बच्ची को ब्रोन्कोन्यूमोनिया बीमारी के इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। बच्ची में एचएमपीवी होने की जानकारी मिली। उसे छुट्टी दे दी गई है। इसी अस्पताल में आठ महीने के बच्चे में को भी संक्रमित पाया गया। उसका तीन जनवरी 2025 को नमूना लिया गया था। बच्चे की हालत भी ठीक है। दोनों संक्रमित बच्चों और उनके परिजनों का कोई भी अंतरराष्ट्रीय यात्रा का इतिहास नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि एचएमपीवी पहले से ही भारत सहित दुनिया भर में प्रचलन में है। इससे जुड़ी श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले कई देशों में सामने आए हैं। वहीं आईसीएमआर और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) नेटवर्क के मौजूदा आंकड़ों के आधार पर देश में इंफ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) या गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) के मामलों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है। मंत्रालय ने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। आईसीएमआर पूरे वर्ष एचएमपीवी प्रचलन के रुझानों पर नजर रखना जारी रखेगा। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही चीन में किए जा रहे उपायों की जानकारी दे रहा है। इसे लेकर सभी स्वास्थ्य इकाइयां अलर्ट पर हैं। वहीं कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने आपात बैठक बुलाई है। हालांकि इस वायरस से दुनिया में दहशत जरूर फैल गयी है, क्योंकि इसका असर शेयरबाजार पर भी देखने को मिल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार कोविड-19 और अन्य श्वसन वायरस की तरह एचएमपीची भी खांसने, छींकने और संक्रमित लोगों के निकट संपर्क से उत्पन्न बूंदों या एरोसोल के माध्यम से फैलता है। बुखार, सांस फूलना, नाक बंद होना, खांसी, गले में खराश और सिरदर्द इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों को इस संक्रमण के कारण ब्रोंकाइटिस और निमोनिया हो सकता है। एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है। अगर देखा जाए तो कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए बायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। यहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर के अंत में चीनी सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक 14 वर्ष और उससे कम आयु के मामलों में एचएमपीवी की पॉजिटिव दर में हाल ही में वृद्धि हुई है। एचएमपीवी वायरस से छोटे बच्चे, वृद्ध और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग ज्यादा प्रभावित हुए हैं। चीन के साथ ही दुनिया के अनेक हिस्सों से इस महामारी से पीड़ित लोगों की खबरें आ रही है। चिकित्सकों के अनुसार एचएमपीवी का संक्रमण व्यक्तिगत संपर्क से बढ़ रहा है। अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के किसी सामान को कोई स्वस्थ व्यक्ति छुए या उसके सम्पर्क में आये तो संक्रमण का खतरा बताया जा रहा है। यह वायरस चूंकि नया है, तो इसका अभी कोई टीका नहीं है। इसकी कोई एंटीवायरल दवा भी नहीं है। यह अच्छी बात है कि अधिकांश मामलों में लोगों को मामूली समस्याएं आ रही हैं। ज्यादातर लोग लक्षण के अनुरूप उपचार और आराम से ही ठीक होते जा रहे हैं। चीन ने साफतौर पर कुछ बताया नहीं है, मगर अनुमान यही है कि गंभीर मामलों में लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन थेरेपी या कॉर्टिकोस्टेरॉइड उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अगर मानें, तो इस वायरस का संक्रमण अक्तूबर महीने से ही बढ़ रहा है। अच्छा यही है कि यह बीमारी मौसमी साबित हो और कम से कम लोगों के जीवन पर असर डाले। जहां तक इसकी जांच की बात है तो इसके लिए नाक या गले से सैंपल लिया जाता है। सैंपल के लिए नरम नोक वाली छड़ी (स्वैब) का उपयोग कर सकते हैं (जैसा टेस्ट कोरोना में होता था) वायरस का सैंपल लेने के बाद जांच के लिए इसको लैब भेजा जाता है। सामान्य फ्लू के जितने भी मामले आते हैं उनमें 0. 8 फीसदी एचएमपीवी वायरस के होते हैं यानी, यह एक ऐसा वायरस है जो मौजूद रहता है। लेकिन इससे आतंकित होने की जरूरत नहीं है, सिर्फ जरूरत है तो सतर्क रहने की। कोरोना के समय जिस प्रकार से हमलोगों ने अपने हाथ बार-बार साबुन और पानी से धोने, छींकते समय नाक-मुंह ढंकने की आदत डाली थी, उसको जारी रखा जाए। किसी भी फ्लू से संक्रमित मरीज के पास जाते समय में मास्क पहनने और अपने मुंहएवं नाक को बार-बार छुने से बचें। ।। सावधान और सतर्क रहकर ही हमलोगइस वायरस को देश में और फैलने से रोक सकते हैं।

आप जानते हैं कि लगभग 5 वर्ष पूर्व चीन के 'वुहान' शहर से शुरू हुए 'कोरोना वायरस' ने तबाही मचा दी थी जिसके परिणामस्वरूप विश्व भर में 71 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई थी।

इन दिनों चीन 'ह्यमन मेटान्यूमो वायरस' (एच.एम.पी.वी.) नामक तेजी से फैल रहे एक नए वायरस के प्रकोप से वहां सर्दियां शुरू होते ही अस्पतालों में निमोनिया के मरीजों की संख्या भी काफी बढ़ गई है बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने की खबरें भी आ रही हैं।वयस्कों के अलावा बड़ी संख्या में 14 वर्ष तक आयु के बच्चे इससे प्रभावित देखे जा रहे हैं लेकिन सर्वाधिक प्रभावित 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं जिसके कारण चीन में हालात इतनी तेजी से बिगड़ रहे हैं कि वहां की सरकार ने स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा भी कर दी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन' के अनुसार हालांकि डच वैज्ञानिकों ने इसकी खोज 2001 में ही कर ली थी परंतु 2 दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अभी तक इसके इलाज के लिए कोई विशिष्ट 'एंटी वायरल थैरेपी' तथा 'टीका' नहीं बना। इस वायरस के लक्षण सर्दियों में होने वाले अन्य वायरल संक्रमणों के समान हैं।

आसान नहीं आप की राहें

इलेक्शन कमिशन की ओर से दिल्ली विधानसभा चुनावों की तारीखें घोषित करने के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली का सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। यह सब तब हो रहा है जब अघोषित तौर पर यह लड़ाई महीने भर पहले से ही शुरू हो चुकी थी। तीनों प्रमुख पार्टियां न केवल प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी हैं बल्कि आरोप-प्रत्यारोप और तीखी बयानबाजी का सिलसिला भी उसी रूप में चला रही हैं मानो चुनाव प्रचार अभियान चरम पर पहुंच गया है। बुधवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीएम आतिशी के घर मीडिया के साथ पहुंचे और उन्हें उनके दरवाजे खटखटा कर बंगलों की देवी तक कह डाला। हालांकि दिल्ली की यह चुनावी लड़ाई इस मायने में खास नहीं कही जाएगी कि इस बार भी वही तीनों दल प्रमुखता से मैदान में हैं, जो पिछले चुनावों में थे। आम आदमी पार्टी के अस्तित्व में आने के बाद से यहां तिकोना मुकाबला ही हो रहा है। यह अलग बात है कि इस अपेक्षाकृत नई पार्टी ने एक बार वर्चस्व स्थापित होने के बाद यहां अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने दी है। पिछले दो चुनावों में उसे दिल्ली की जनता से शानदार बहुमत मिला। नई और दो राज्यों में सत्तारूढ़ होने के बावजूद आम आदमी पार्टी ने आक्रामक शैली की राजनीति से अपनी अलग पहचान बनाई है। इस आक्रामकता ने जहां आम आदमी पार्टी को नई धार दी है, वहीं अन्य दलों के साथ उसके संबंधों को भी सहज-सामान्य होने से रोका है। शायद यही वजह है कि भाजपा ने आम आदमी पार्टी के खिलाफ अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। खास बात यह है कि कांग्रेस भी आप पर हमले करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही है। इसमें खास बात सिर्फ यही है कि छह महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आप दोनों ही विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक में शामिल थे और बीजेपी पर संयुक्त हमला कर रहे थे। जाहिर है, इनके बीच की तीखी बयानबाजी इंडिया ब्लॉक के अंदर असहजता पैदा कर रही है और शिवसेना (यूबीटी) जैसे दल इनसे संयम बरतने की अपील भी कर चुके हैं। जिस तरह से यह चुनाव लड़ा जा रहा है, उससे साफ है कि नतीजा चाहे जो भी हो उसके निहितार्थ दूर तक जाएंगे। दिल्ली की सत्ता आम आदमी पार्टी के आंतरिक समीकरण के लिहाज से भी अहम है। ऐसे में वह हर हाल में अपनी कामयाबी दोहराना चाहेगी। इस बीच, यह भी देखना दिलचस्प होगा कि इंडिया ब्लॉक के आंतरिक समीकरणों में किस तरह के बदलाव आते हैं। कांग्रेस भी मजबूती से लड़ कर आम आदमी पार्टी को हराने के लिए पूरे प्रयास कर रही है। उसे इस बात का टीस है कि आप की वजह से उसे हरियाणा में करारी हार का स्वाद चखना पडा है। इसलिए जब भी कांग्रेस जोर मारती है तो लोगों में यह संदेश जाने लगता है कि कांग्रेस भी भाजपा की मदद करने के लिए मैदान में है।

विदेशों में बढ़ रही भारतीयों की राजनीतिक सरगर्मी

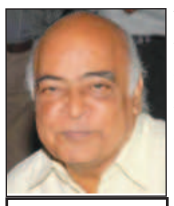

अशोक भाटिया

विदेशों में भारतीय मूल के लोगों की राजनीति सरगर्मी व उनकी विश्वसनीयता तेजी से बढ़ रही है ।उसकी ताजा मिसाल है कनाडा में होने वाले हालिया चुनाव । खबरों के अनुसार भारतीय मूल की नेता अनीता आनंद प्रधानमंत्री पद की एक मजबूत दावेदार हैं। बता दें जस्टिन ट्रूडो ने लिबरल पार्टी के नेता पद और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वह लिबरल पार्टी के नए नेता चुने जाने तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे। अनीता आनंद कनाडा की वर्तमान परिवहन और आंतरिक व्यापार मंत्री हैं। अनीता इंदिरा आनंद का जन्म केंटविले, नोवा स्कोटिया में हुआ था। उनके माता-पिता (दोनों का देहांत हो चुका है) इंडियन फिजिशियन थे। उनके पिता तमिलनाडु से और उनकी मां पंजाब से थीं। आनंद की दो बहनें हैं – गीता आनंद, टोरंटो में एक वकील हैं, और सोनिया आनंद, मैकमास्टर यूनिवर्सिटी में एक फिजिशियन और रिसर्चर हैं। आनंद 1985 में ओंटारियो चली गईं। उन्होंने और उनके पति जॉन ने अपने चार बच्चों का पालन-पोषण ओकविले में किया। आनंद ने अपने करियर के दौरान अब तक कई पदों पर काम किया है। वह पहली बार 2019 में ओकविले के लिए संसद सदस्य के रूप में चुनी गई थीं। उन्होंने 2019 से 2021 तक सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री के रूप में कार्य किया और ट्रेजरी बोर्ड के अध्यक्ष और राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के रूप में भी काम किया। सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री के रूप में, आनंद ने कोविड-19 महामारी दौरान कनाडाई लोगों के लिए वैक्सीन, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और रैपिड टेस्ट सुरक्षित करने के लिए अनुबंध वार्ता का नेतृत्व किया। अनीता जब राष्ट्रीय रक्षा मंत्री बनीं, तो उन्होंने सेना में यौन दुराचार के खिलाफ कदम उठाए। उन्होंने रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान कीव को व्यापक सैन्य मदद के साथ-साथ यूक्रेनी सैनिकों की ट्रेनिंग के लिए कर्मियों की व्यवस्था भी की। सितंबर 2024 में, अनीता आनंद को ट्रेजरी बोर्ड के अध्यक्ष के पद के अलावा परिवहन मंत्री भी नियुक्त किया गया। राजनीति के अलावा अनीता आनंद की पहचान एक विद्वान, वकील और रिसर्चर की रही है। वह टोरंटो यूनिवर्सिटी में कानून की प्रोफेसर रही हैं जहां उन्होंने इनवेस्ट प्रोटक्शन और कॉर्पोरेट गर्वनेंस में जेआर किंबर चेयर का पद संभाला था। आनंद ने एसोसिएट डीन के रूप में कार्य किया है और मैसी कॉलेज के गवर्निंग बोर्ड की सदस्य भी रही हैं। वह कैपिटल मार्केट्स इंस्टीट्यूट, रोटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में नीति और अनुसंधान की निदेशक रही हैं। उन्होंने येल लॉ स्कूल, क्वीन्स यूनिवर्सिटी और वेस्टर्न यूनिवर्सिटी में भी कानून पढ़ाया है। अनीता आनंद ने क्वीन्स यूनिवर्सिटी से राजनीतिक अध्ययन में बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स), ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से न्यायशास्त्र में बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स), डलहौजी यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ लॉ और टोरंटो यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ लॉ की डिग्री हासिल की है।

कनाडा की अनीता आनंद पहली भारतीय मूल की महिला नहीं है जो किसी दूसरे देश में शीर्ष पद पर पहुचने की तैयारी कर रही है इसके पहले भी भारतीय मूल के कई लोग है जो विदेशों में अपने भारतीय मूल का डंका बजा चुके है । हम विदेशों में अपने भारतीय मूल के लोगों का इतिहास देखे तो अमेरिका के सबसे संपन्न और पढ़े लिखे समुदायों में भारतवंशी शीर्ष पर हैं। गौर करने वाली बात ये है कि अब भारतवंशी, अमेरिकी राजनीति में भी अपनी पकड़ बना रहे हैं और बड़ी संख्या में चुनावी राजनीति का हिस्सा बन रहे हैं। अमेरिका में अभी विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के साथ ही स्थानीय निकाय के चुनावों में तीन दर्जन से भी ज्यादा भारतवंशी उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी पेश की । अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों के राजनीति में रुझान को इसी बात से समझा जा सकता है कि भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा है कि 'अगर आप खाने की मेज पर नहीं बैठे हैं तो फिर इसका मतलब है कि आप मेन्यू का हिस्सा हैं।' कैलिफोर्निया में स्थानीय निकाय चुनाव हो रहे हैं और इन चुनाव में सबसे ज्यादा भारतीय मूल के लोग हिस्सा ले रहे हैं। कैलिफोर्निया से ही भारतीय मूल के रो खन्ना और एमी बेरा सांसद हैं। साथ ही राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार रही कमला हैरिस भी कैलिफोर्निया से ही ताल्लुक रखती हैं। साथ ही अदला चिश्ती डिसट्रिक्ट 11 के लिए काउंटी सुपरवाइजर के लिए चुनाव लड़ रही हैं। आलिया चिश्ती सिटी कॉलेज बोर्ड सैन फ्रांसिस्को के लिए, दर्शना पटेल स्टेट असेंबली के लिए, निकोल फर्नाडेज सैन मेटो सिटी काउंसिल के लिए, निथ्या रमन लॉस एंजेल्स सिटी काउंसिल के लिए, रिचा अवस्थी फोस्टर सिटी काउंसिल के लिए और सुखदीप कौर एमरीविले सिटी काउंसिल के लिए चुनाव लड़ रही हैं। सिलिकॉन वैली में भारतीय इंजीनियर्स का खूब प्रभाव है, अब यहां की राजनीति में भी भारतीय अपने पैर जमाने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय मूल की तारा श्रीकृष्णन सिलिकॉन वैली में डिसट्रिक्ट 26 से कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली के लिए चुनाव लड़ रही हैं।

डॉ. अजय रमन मिशिगन डिसट्रिक्ट 14 के लिए ऑकलैंड काउंटी कमिश्नर पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि अनिल कुमार और रंजीव पुरी मिशिगन स्टेट हाउस के लिए चुनाव मैदान में हैं। प्रिया सुंदरेशन एरिजोना में स्टेट सीनेट के लिए, रवि शाह स्कूल बोर्ड के लिए, पेंसिल्वेनिया में आनंद पाटके, अन्ना थॉमस और अरविंद वेंकट स्टेट हाउस के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं निकिल सावल स्टेट सीनेट के लिए उम्मीदवार हैं। इलिनोइस से भारतवंशी अनुषा थोटाकुरा स्कूल बोर्ड के लिए और नबील सैयद स्टेट हाउस के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

अश्विन रामास्वामी, जॉर्जिया स्टेट सीनेट के लिए चुनाव मैदान में हैं और अगर वे चुने जाते हैं तो वे सबसे कम उम्र के सीनेटर होंगे। ओहायो में चैंतल रघु काउंटी कमिश्नर पद के लिए और पवन पारिख काउंटी क्लर्क ऑफ कोर्ट्स पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। वर्जीनिया में डैनी अवुला रिचमंड के मेयर पद के लिए चुनाव मैदान में हैं। इसी तरह न्यूयॉर्क में जेरेमी कोनी और मनिता संघवी स्टेट सीनेट, जोहरान ममदानी स्टेट असेंबली के लिए चुनाव मैदान में हैं। टेक्सास राज्य में सिटी काउंसिल के लिए भारतीय मूल की आशिका गांगुली, नबील शिके, रमेश प्रेमकुमार, रवि सैंडिल, सलमान भोजानी, शेखर सिन्हा, शेरिन थॉमस, सुलेमान लालानी सिटी काउंसिल, स्टेट हाउस और जज पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं मनका ढींगरा वाशिंगटन राज्य के अटॉर्नी जनरल पद और मोना दास सार्वजनिक भूमि के आयुक्त पद के लिए चुनावी रेस में शामिल हैं।

भारतीय मूल के दो अमेरिकियों ने शीर्ष पदों पर आसीन होकर इतिहास रच दिया। अरुणा मिलर और विवेक मुलक ने अमेरिकी राज्यों मैरीलैंड और मिसौरी के उपराज्यपाल और कोषाध्यक्ष (वित्त मंत्री) के रूप में शपथ ली । भारत में पैदा हुई अरुणा मिलर ने अमेरिका के मैरीलैंड राज्य की पहली इंडियन अमेरिकन लेफ्टिनेंट गवर्नर बनी।

विकास ही है लाल आतंक को खत्म करने का तरीका

सुनील महला

लाल आतं एक दंश है, एक नासूर है। सच तो यह है कि 'लाल आतंक' आज हमारे देश के लिए एक बड़ी चुनौती है। हाल ही में नक्सलियों के हमले में छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक आईईडी ब्लास्ट में डी आर जी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के 8 जवान शहीद हो गए। इस हमले में ड्राइवर की भी मौत हो गई। यह बहुत ही दुखद घटना है और नक्सलियों की यह बहुत ही कायराना हरकत है। नए साल पर नक्सलियों ने बड़ा खूनी खेल खेला। मीडिया के हवाले से खबरें आईं है कि पुलिस की एक टीम छत्तीसगढ़ के नारायणपुर से एक सर्च ऑपरेशन के बाद वापस लौट रही थी और इस दौरान एक पुलिस वाहन को नक्सलियों ने उड़ा दिया। कहना ग़लत नहीं होगा कि साल-2025 की शुरुआत में यह नक्सलियों का एक बड़ा हमला है। हमारे देश के केंद्रीय गृहमंत्री ने पिछले साल ही यह दावा किया था कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा लेकिन इसी बीच नक्सलियों का यह बड़ा हमला होना दर्शाता है कि नक्सलवाद मुक्त भारत आज भी एक बड़ी व गंभीर चुनौती है। पाठकों को बताता चलूं कि नक्सलवाद की शुरुआत पश्चिम बंगाल के दार्जलिंग जिले के नक्सलबाड़ी गांव से हुई थी। जानकारी मिलती है कि किसानों के शोषण के विरोध में शुरू हुए एक आंदोलन ने ही नक्सलवाद की नींव डाली थी। कहना ग़लत नहीं होगा कि ज़मींदारों द्वारा छोटे किसानों पर किये जा रहे के अत्याचार/उत्पीड़न पर अंकुश लगाने के लिये भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी जैसे कुछ नेता सामने आये थे और कुछ लोगों द्वारा गुरिल्ला युद्ध के ज़रिये राज्य को अस्थिर करने के लिये हिंसा का इस्तेमाल किया जाता है, इसे ही नक्सलवाद कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि भारत में ज़्यादातर नक्सलवाद माओवादी विचारधाराओं पर आधारित रहा है। यहां यह भी एक तथ्य है कि भारत में जहाँ वामपंथी आंदोलन पूर्व सोवियत संघ से प्रभावित था, वहीँ आज का माओवाद पड़ौसी चीन से प्रभावित है। ये मौजूदा माओवाद हिंसा और ताकत के बल पर समानांतर सरकार बनाने का पक्षधर रहा है। इसके अलावा अपने उद्देश्य के लिये ये किसी भी प्रकार की हिंसा को उचित मानते हैं। बहरहाल, यह विडंबना ही है कि आज नक्सलवाद ने देश के कई हिस्सों को अपनी जद में ले लिया है और नक्सली समय-समय पर हमले करके हमारे देश के सुरक्षा बलों, नेताओं , आमजन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वर्ष 1967 से शुरू हुए नक्सलवाद ने अब तक कई हमले किए हैं, जिनमें अनेक लोग मारे जा चुके हैं। वास्तव में नक्सलवाद का सबसे वीभत्स/खतरनाक रूप तब सामने आया था जब 1 अक्तूबर 2003 को नक्सलियों ने आंध्र प्रदेश के तत्कालीन सीएम चंद्रबाबू नायडू के एक काफिले पर हमला किया था और इसके बाद आंध्र सरकार ने राज्य में नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान छेड़ा था। जानकारी मिलती है कि इसी साल आंध्र प्रदेश में 246 नक्सलियों की मौत हुई थी। सच तो यह है कि नक्सलियों ने एक के बाद एक हमले करते हुए अब तक हमारे सुरक्षा बलों, पुलिस, नक्सल का विरोध करने वालों, नेताओं तक को अपना निशाना बनाया है।

नक्सलियों का उभार किस कदर है इसका अंदाजा हम मात्र इस बात से ही लगा सकते हैं कि नक्सलवाद के कारण अकेले ओडिशा में वर्ष 2005 से लेकर वर्ष 2008 के बीच 700 लोगों की मौत हुई थी। 12 जुलाई 2009 को राजनांदगांव के मानपुर थाना में नक्सली हमले में एक पुलिस अधीक्षक समेत 29 पुलिसकर्मी बलिदान हुए थे। इसी तरह, छह अप्रैल 2010 को बस्तर के ताड़मेटला में सीआरपीएफ के जवान सर्चिंग के लिए निकले थे, जहां नक्सलियों की बिछाई गई बारूदी सुरंग में हुए एक विस्फोट में 76 जवान शहीद हो गए थे। इतना ही नहीं, 29 जून 2010 को नारायणपुर जिले के धोड़ाई में सीआरपीएफ के 27 जवान, 19 अगस्त 2011 को बीजापुर में 11 सुरक्षा जवान, 13 मई 2012 को एनएमडीसी के प्लांट में सीएसआइएफ के छह जवान, 25 मई 2013 बस्तर के झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में 32 लोग, 24 अप्रैल 2017 को सुकमा जिले के चिंतागुफा के पास नक्सलियों के एंबुश में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 25 जवान,11 मार्च 2017 को सुकमा के भेज्जी इलाके में नक्सलियों द्वारा किए गए आइईडी ब्लास्ट और फायरिंग में 12 सीआरपीएफ जवान,13 मार्च 2018 को सुकमा जिले के किस्टाराम क्षेत्र में आइडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ के 9 जवान,5 अप्रैल 2019 को कांकेर में बीएसएफ के 4 जवान,9 अप्रैल 2019 को दंतेवाड़ा में 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदान से ठीक पहले नक्सलियों ने चुनाव प्रचार के लिए जा रहे एक नेता समेत चार सुरक्षा कर्मी,21 मार्च 2020 को मिनपा में 17 जवान,3 अप्रैल 2021 को बीजापुर जिले के टेकुलगुड़ेम में नक्सलियों के एक एंबुश में 23 जवान तथा 26 अप्रैल 2023 को अरनपुर में नक्सलियों की बिछाई गई आइडी में हुए विस्फोट की चपेट में आने से 10 डीआरजी जवान शहीद हो गए थे।

देश-हित में उत्तरदायित्व एवं कर्तव्य

संजीव ठाकुर

वर्तमान के इस दौर में जब देश में लोकतंत्र अपनी अस्मिता बचाने की जद्दोजहद में है वहां समाज का हर नागरिक अपने लिए अधिक से अधिक अधिकारों की इच्छा रखता है ताकि पूरी स्वतंत्रता का उपभोग कर सके। इसी के फलस्वरूप हर रोज अधिकारों की बढ़ती मांग और कर्तव्य की अवहेलना से समाज वातावरण में असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वॉलटेयर जी ने इस संदर्भ में ठीक ही कहा है कि अधिकार बढ़ने के साथ-साथ समानुपातिक रूप से उत्तरदायित्व भी धीरे-धीरे बढ़ जाता है हमें अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों का भी ज्ञान बोध होना जरूरी है। आपको ऐसा नहीं लगता है कि अधिकार तथा उत्तरदायित्व समानुपातिक है और समाज में हर व्यक्ति समुदाय के साथ संग संग चलते हैं। ऐसा कुछ है कि स्वतंत्रता और खुलेपन के संग उत्तरदायित्व जी जीवन की यात्रा में सहयात्री है। स्वतंत्रता या खुलेपन का अतिक्रमण किसी व्यक्ति के दायित्वों का हनन है हम जहां जिस ग्राम नगर अथवा देश में रहते हैं वहां पर यह सुनिश्चित है कि अधिकार एवं जिम्मेदारी हमारे साथ साथ विचरण करते दिखाई देते हैं। भारतीय संविधान में अधिकारों की मीमांसा करते हुए यह मूल रूप से माना गया है कि यहां देश में मूल अधिकारों को महत्व इसीलिए दिया जाता है की भारतीय जनमानस का बड़ा प्रतिशत अशिक्षित है अतः संविधान अशिक्षित व्यक्तियों के लिए ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता और समानता प्रदाय कर सके ताकि फिर कोई समाज या राज्य उसका हनन न कर सके, दूसरी तरफ यदि कर्तव्य की बात करें तो सदैव यह हिदायत दी जाती रही है कि भारत की जनता अधिक मात्रा में अशिक्षित हैं अतः उन्हें अपने दायित्वों का ज्ञान तथा अनुभूति नहीं होगी और दायित्व और कर्तव्यों के बीच बड़ी लक्ष्मण रेखा खिच गई है।

व्यक्ति और समाज जैसे जैसे विकसित होता गया है और आधुनिकता के इस दौर में नागरिकों की अधिकारों की मांग बढ़ती जा रही है। हमें अधिकार धीरे-धीरे मिल भी रहे जिस तरह माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार को मूल अधिकार की श्रृंखला में रखकर नागरिकों की स्वतंत्रता को सुरक्षित बनाने का प्रयास किया है। अब ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम अपनी निजता के अधिकार को अपने पास रखते हुए दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को नुकसान ना पहुंचाएं या उसकी स्वतंत्रता पर अतिक्रमण न करें, जिससे जिम्मेदारी और कर्तव्य बोध संग संग चलते रहे और सामाजिक परिवेश का कर्तव्य तथा अधिकार के बोध में सामंजस्य बना रहे। हम अपने व्यक्तिगत हित के कारण यह तथ्य विस्मित कर देते हैं कि हम एक लोकतांत्रिक राज्य के नागरिक हैं और हमें लोक कल्याण की अवधारणा को मूर्त रूप देना है जिससे कि राष्ट्र का विकास संभावित है। हम अपने आधुनिकता के चलते अपने दायित्व और मूल्यों के प्रति असावधान होते जा रहे हैं भारतीय समाज में बदलते समय के साथ नागरिक नैतिक मूल्यों की परवाह किए बगैर अपनी स्वच्छंदता एवं शक्ति के बल पर मनमानी तथा भ्रष्टाचार निरंकुशता को सर्वोपरि बनाने में लगे हुए है। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत देश के आम नागरिकों के द्वारा राजनीतिक पार्टियों के जनप्रतिनिधियों को विधिवत चुनकर संसद तथा विधान भवन भेजती है ताकि राज्य और देश का कल्याण हो सके किंतु अपने अधिकारों के प्रति उत्साहित यह राजनेता अपने मूलभूत कर्तव्य को भूलकर जनता का शोषण करने में लीन हो गए हैं और अधिकार संपन्न होकर निरंकुशता की श्रेणी में आकर बैठ गए हैं। इन जनप्रतिनिधियों ने अपने अधिकार तथा उत्तरदायित्व में तालमेल न बिठा कर शासन की व्यवस्था को बिगाड़ कर रखा है।

अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने लिखा है कि जिस देश की आम जनता झोपड़पट्टी में रह रही हो उस देश के शासक प्रशासक को महलों में रहने का कोई अधिकार नहीं बनता है।

सपनों की धरती पर लाठी का राज

डॉ. सुरेश मिश्रा

उस दिन सूरज भी अपनी किरणों के साथ धरने पर बैठा था। उसका कहना था, “इतनी बेईमानी देखना मेरे बस की बात नहीं।” वहीं, धरने पर बैठे छात्र किताबें लेकर आए थे। किताबें, जो अब सिर्फ कागज के ढेर से ज्यादा कुछ नहीं थीं। उनमें लिखे सवाल हवा में तैर रहे थे, मानो पूछ रहे हों, “क्या हमारी कोई अहमियत है?”

सरकार की तरफ से पहले तो चाय-पानी का इंतजाम आया, फिर पुलिस का। छात्र बैठे रहे, पुलिस खड़ी रही। कुछ देर बाद, पुलिस ने अपने ‘लाठी-प्रणाम’ से छात्रों को सलामी दी। हर लाठी की चोट के साथ सरकार की नीयत का ‘नोटिस’ छात्रों के शरीर पर लाल निशान बनाकर लिख दिया गया।

लाठीचार्ज के बाद, अस्पतालों में छात्र भर्ती हुए। डॉक्टर भी कुछ निराश लग रहे थे। एक डॉक्टर ने कहा, “भाई, सरकार को तो नौकरी देनी नहीं है, लेकिन मरीज खूब दे रही है।”

सरकार के प्रवक्ता ने प्रेस कांफ्रेंस बुलाई। उन्होंने कहा, “छात्रों ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। इसलिए हमने कार्रवाई की।” एक पत्रकार ने पूछा, “छात्रों का क्या नुकसान हुआ?” प्रवक्ता बोले, “वो तो उनकी पढ़ाई-लिखाई का ही नुकसान है। जब नौकरी नहीं है, तो पढ़ाई का क्या फायदा?”

धरना खत्म नहीं हुआ था। खून के निशान मिटाने वाले बयान टीवी पर आते रहे। “यह लाठीचार्ज छात्रों की भलाई के लिए था। अब वे धरने पर बैठने की बजाय नौकरी ढूंढने जाएंगे।”

धरना स्थल पर एक नई बहस शुरू हो गई। एक छात्र बोला, “सरकार कहती है, पैसा नहीं है। लेकिन मंत्री जी की नई गाड़ी में पैसे का कोई अभाव नहीं दिखा।” दूसरा छात्र हंसा और बोला, “भाई, पैसा है, लेकिन हम पर खर्च करने के लिए नहीं। भ्रष्टाचार में इन्वेस्ट करने के लिए है।”

इधर, धरना स्थल पर कुछ बच्चे आ गए। उन्होंने पूछा, “भाईया, आप लोग क्या कर रहे हो?” छात्रों ने जवाब दिया, “हम नौकरी मांग रहे हैं।” बच्चों ने मासूमियत से कहा, “तो पढ़ाई क्यों की?” यह सुनकर छात्रों के चेहरे पर गहरी उदासी छा गई।

सरकार के मंत्री जी ने अगले दिन एक बयान दिया, “हमने छात्रों के भविष्य के लिए बड़े कदम उठाए हैं। उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी है। अब वे अपनी समस्याओं का समाधान खुद ढूंढेंगे।” एक पत्रकार ने पूछा, “और नौकरी?” मंत्री जी मुस्कुराए और बोले, “अरे भाई, देश के युवा अब स्टार्टअप्स पर ध्यान दें। नौकरी मांगने से ज्यादा नौकरी देने की सोचें।”

धरना जारी था। लाठीचार्ज के बाद भी। छात्रों का कहना था, “हम पढ़ाई करके बैठे हैं, पर सरकार के कानों तक यह बात पहुंचाने के लिए हमें चिल्लाना पड़ेगा।”

कुछ दिन बाद, धरने पर बैठे छात्रों में से एक ने एक कविता लिखीः“खून बहा, मगर वादे नहीं बने, सरकार ने फिर से सपने छीने।

भव्य है 280 फीट ऊंची पहाड़ी पर बना हैदराबाद का बिड़ला मंदिर

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के मुख्य आकर्षण केंद्र तो कई हैं लेकिन बिड़ला मंदिर आस्था के साथ पर्यटन स्थल भी है, जहां हर दिन हजारों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। यह मंदिर हैदराबाद में 13 एकड़ भूखंड पर नौबाथ पहाड़ की 280 फीट ऊंची चोटी पर बना है।

हैदराबाद शहर की सबसे ऊंची जगहों में से एक नौबत पहाड़ी पर है। इसके निर्माण में 10 साल लगे। इसे 1976 में रामकृष्ण मिशन के स्वामी रंगनाथानंद ने खोला था। मंदिर का निर्माण बिड़ला फाउंडेशन ने कराया है। वही बिड़ला फाउंडेशन जिसने पूरे भारत में इसी तरह के कई मंदिरों का निर्माण किया है, जिन्हें बिड़ला मंदिर के नाम से जाना जाता है।

मंदिर में कई भगवान

इस मंदिर में कई भगवान विराजमान हैं। माता लक्ष्मी, भगवान वेंकटेश्वर की पत्नी पद्मावती और अंडाल अलग-अलग मंदिरों में मौजूद हैं। यहां शिव, शक्ति, गणेश, हनुमान, ब्रह्मा और सरस्वती सहित विभिन्न देवी और देवताओं के लिए अलग-अलग मंदिर हैं।

2000 टन संगमरमर से बना

यह मंदिर दक्षिण, राजस्थानी और उत्कल वास्तुकला का मिश्रण है। इसका निर्माण 2000 टन शुद्ध सफेद संगमरमर से किया गया है। जब सूर्य की किरण इस पर पड़ती हैं तो मंदिर की चमक और बढ़ जाती है। मंदिर के सबसे ऊपर इष्टदेव भगवान वेंकटेश्वर की ग्रेनाइट मूर्ति है, जो लगभग 11 फीट ऊंची है। मंदिर परिसर में पीतल का एक ध्वजदंड 42 फीट की ऊंचाई तक फैला हुआ है।

कैसे पहुंचे यहां

बिड़ला मंदिर लकड़ी का पुल और असेंबली हैदराबाद मेट्रो स्टेशन के पास है। ये मंदिर टीएसआरटीसी बसों और एमएमटीएस से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। आप यहां बड़े ही आसनी से पहुंच सकते हैं।

मकर संक्रांति पर इन 5 मंत्रों का जाप कर सूर्य देव को करें प्रसन्न

हिंदू वेद-पुराणों में यह बात भी वर्णित है कि यह एक ऐसा त्योहार है, जिस पर साल भर में एक बार सूर्य देव अपने पुत्र शनि देव से मिलने के लिए आते हैं। ऐसे में इस पर्व का संबंध सूर्य और शनि दोनों से होता है। अगर आप उन लोगों में से हैं, जिनकी कुंडली में सूर्य या शनि की स्थिति खराब है, तो आप मकर संक्रांति पर 5 विशेष तरह के मंत्रों का जाप करके उनकी कृपा पा सकते हैं।

पहला मंत्र- ओम ऐहि सूर्य सह स्त्रांशों तेजोराशे जग त्पते, अनुकंपयेमां भक्त्या, गृहाणार्घ्यं नमो स्तुते।।

मकर संक्रांति पर सूर्य को जल अर्पित करते वक्त इस मंत्र का उच्चारण करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ऐसा करने से आपकी कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होगी।

दूसरा मंत्र-आदित्यतेजसोत्पन्नं राजतं विधिनिर्मितम श्रेयसे मम विप्र त्वं प्रतिगृहेणदमुत्तमम।।

मकर संक्रांति के दिन आप आदित्य मंडल ब्राह्मण को दान करने के दौरान आप इस मंत्र का उच्चारण कर सकते हैं। कहा जाता है इस मंत्र को बोलने से व्यक्ति के सभी प्रकार के दोष समाप्त हो जाते हैं और उसके भाग्य में सूर्य सा तेज आ जाता है।

तीसरा मंत्र- इन्द्रं विष्णुं हरिं हंसमर्कं लोकगुरुं विभुम। त्रिनेत्रं त्र्यक्षरं त्र्यङ्गं त्रिमूर्तिं त्रिगतिं शुभम।।

इस खास त्योहार पर आप इस मंत्र का जाप करते हुए देवताओं के राजा इंद्र देव और सूर्य देव को धन्यवाद दे सकते हैं। माना जाता है इस मंत्र के उच्चारण से सूर्य और इंद्र दोनों की कृपा मिलती है और फसल की पैदावार अच्छी होती है।

चौथा मंत्र- ॐ ह्रीं सूर्याय नमः

यह मंत्र सूर्य देव का बीज मंत्र है, जिसका जाप करने से सूर्य देव बहुत प्रसन्न होते हैं। अगर आप इसका जाप करते हैं, तो आपको उनकी विशेष कृपा मिल सकती है।

मकर संक्रांति के दिन इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति में नई ऊर्जा का संचार होता है और स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

पांचवां मंत्र- सूर्य शक्ति मंत्रः ॐ सूर्याय आदित्याय श्री महादेवाय नमः

इस मंत्र की मदद से आप सूर्य देव की शक्ति को जागृत कर सकते हैं। सूर्य देव की शक्ति को जागृत कर आपके भीतर आत्मविश्वास आता है और नई ऊर्जा का संचार होता है। इस मंत्र के जाप से नकारात्मकता भी समाप्त होती है।

राहु ने की छीना-झपटी तो कौवा बनकर अमृत ले उड़ा था इंद्र का बेटा

प्रयागराज में क्यों लगने लगा महाकुंभ

अमृत कुंभ से अमृत छलका कैसे? इसके लिए पुराणों में कई कथाएं प्रचलित हैं, लेकिन सबसे सटीक कथा सागर मंथन की है। भगवान विष्णु के सुझाव पर देवता और असुर मंथन के लिए तैयार हो गए। इसके बाद कुछ कठिनाई जरूर आई, लेकिन आखिरकार मंथन प्रारंभ हुआ। सबको आस तो थी अमृत की, लेकिन सबसे पहले निकला हलाहल कालकूट विष। यह विष जब संसार को नष्ट करने लगा तब महादेव आगे आए और सृष्टि की रक्षा के लिए विषपान कर लिया।

ऋषिकेष तक पहुंची देवी गंगा ने एक बार फिर सिर उठाकर ऊंचे पहाड़ों को देखा। यह पर्वतों के बीच उनका अंतिम पड़ाव था और यहां से वह आगे की मैदानी यात्रा के लिए बढ़ जाने वाली थीं। हरिद्वार वह पहला मैदानी हिस्सा है जिसकी भूमि को देवी गंगा अपने अमृत तुल्य जल से सींचती हैं।

युगों-युगों से यह मान्यता चली आ रही है कि, गंगा जल अमृत तुल्य इसलिए है, क्योंकि इसमें वही अमृत मिला हुआ है, जो युगों पहले समुद्र मंथन से निकला था। वह मंथन, जिसके लिए देवताओं और असुरों ने श्रम तो किया था, लेकिन इसी अमृत के पीछे वह ऐसे लड़ पड़े कि असुरों को अमृत आखिर नहीं ही मिल सका।

अमृत कुंभ से अमृत छलका तो बने पवित्र तीर्थ

इसी लड़ाई में अमृतकुंभ से अमृत छलका और पृथ्वी पर वह चार पवित्र स्थान तीर्थ बन गए, जहां इसकी पवित्र बूंदें गिरीं। हरिद्वार पहला कुंभ स्थल है और इसके बाद तीर्थराज प्रयाग उससे भी अधिक मान्यता वाला और पूज्य तीर्थ है, जहां तीन नदियों का संगम है। जिसके तट पर महाकुंभ 2025 का आयोजन हो रहा है।

क्या है अमृत छलकने की कथा?

अमृत कुंभ से अमृत छलका कैसे? इसके लिए पुराणों में कई कथाएं प्रचलित हैं, लेकिन सबसे सटीक कथा सागर मंथन की है। भगवान विष्णु के सुझाव पर देवता और असुर मंथन के लिए तैयार हो गए। इसके बाद कुछ कठिनाई जरूर आई, लेकिन आखिरकार मंथन प्रारंभ हुआ। सबको आस तो थी अमृत की, लेकिन सबसे पहले निकला हलाहल कालकूट विष। यह विष जब संसार को नष्ट करने लगा तब महादेव आगे आए और सृष्टि की रक्षा के लिए विषपान कर लिया।

फिर तो मंथन शुरू हुआ तो एक-एक करके कई रत्न निकले। जिसका तुरंत ही तुरंत बंटवारा होता गया, लेकिन अब भी सभी की निगाहें अमृत को ही खोज रही थीं। इस तरह कई महीनों का समय बीत गया, लेकिन एक दिन सागर तल बहुत शांत था। खिले हुए पुष्पों से होकर आती सुगंधित पवन बह रही थी। अत्यधिक श्रम के बावजूद देवताओं और असुरों को एक अलग ही ऊर्जा का अनुभव हो रहा था। सभी की निगाहें सागर तल की ओर ही लगी हुई थीं। 13 रत्न समुद्र देव पिछले कई दिनों में दे चुके थे। देवी लक्ष्मी के आगमन से इंद्र समेत संसार का वैभव वापस आ गया था। बस नहीं बाहर आया था तो अमृत।

मंथन से प्रकट हुए धन्वंतरि

इस बीच समुद्र मंथन होते-होते एक तेज गर्जना हुई और सागर तल से दिव्य प्रकाश फूट पड़ा। देवों और असुरों दोनों ने ही मंथन छोड़ा और और अपनी आंखे मलने लगे। तेज प्रकाश के कारण वह कुछ देख नहीं पा रहे थे। धीरे-धीरे जब उनकी आंखे सामान्य हुईं तब देवताओं ने देखा कि उनके ही समान दिव्य काया वाली देह, जिसकी चार भुजाएं हैं और सुंदर मुख है। वह दिव्य मुकुट पहने हुए है।

उसके हाथों में एक दिव्य कुंभ है। संसार उसी कुंभ से निकल रहे प्रकाश से प्रकाशित है। उधर असुरों ने एक नजर डाली और ईर्ष्या से बोले, लगता है देवताओं की भीड़ में एक और कोई नया आ गया। लेकिन दैत्य सेनापति राहु सचेत था। उसने कहा- इसके हाथ में कुंभ है? क्या यही अमृत है। राहु ने जानबूझ कर अपने शब्द अपने मन में ही रखे। इधर, समुद्र से निकले देव स्वरूप ने ब्रह्मदेव को प्रणाम किया और अपना परिचय देने लगा। उन्होंने कहा- हे ब्रह्न देव, मैं आपकी ही इच्छा से उत्पन्न हुआ आपका मानस पुत्र हूं। समुद्र से जन्म लेने के कारण वह भी मेरे पिता हैं और देवी लक्ष्मी मेरी बड़ी बहन हैं क्योंकि वह भी सागरपुत्री हैं। इसलिए मैं धन का ही एक स्वरूप हैं। आरोग्य धन का रूप होने के कारण मैं धन्वन्तरि हूं।

अपने साथ मैं इस दिव्य कुंभ में अमृत लेकर उत्पन्न हुआ हूं। धन्वन्तरि ने आखिरी शब्द खत्म भी नहीं किया था कि देवों-असुरों दोनों में हलचल मच गई। राहु अन्य राक्षसों के साथ बड़ी तेजी से धन्वन्तरि की ओर लपका। देवता उससे भी तेज गति से उसी ओर बढ़े, लेकिन किसी ने भी ब्रह्मदेव के रोकने की आवाज नहीं सुनी। राहु धन्वन्तरि के हाथ से अमृत छीन लेने के लिए हाथ बढ़ा ही रहा था कि एक विशाल कौवे ने आकर अमृत कुंभ झटक लिया। वह इसे आकाश में लेकर उड़ चला। असुर भी उसके पीछे भागे, लेकिन वह कौवा कोई सामान्य नहीं था। वह इंद्र का पुत्र जयंत था।

छीना-झपटी में छलकी थीं अमृत की बूंदें

इसी दौरान राक्षस कई बार उसके ठीक पीछे आ गए और अमृत कलश झटकने की कोशिश की। इसी छीना झपटी में अमृत, चार बार कलश से छलक कर गिर गया। पृथ्वी पर वह गंगा, शिप्रा और गोदावरी नदी के जल में मिल गया।

इनमें से गंगा नदीं में दो बार अमृत गिरा। एक तो हरिद्वार में और दूसरी बार प्रयागराज में जहां गंगा-यमुना और सरस्वती का संगम होता है। इसी वजह से प्रयागराज तीर्थराज कहलाया और इसके तीन नदियों के संगम तट पर युगों से महाकुंभ का आयोजन जारी है।

हिमालयन पिरामिड के रहस्यों से भरा मसरूर मंदिर, 'स्वर्गद्वार' से जुड़ा भयानक रहस्य

हिमालयन पिरामिड के नाम से विख्यात बेजोड़ कला के नमूने रॉक कट टेंपल मसरूर एक अनोखा और रहस्यमयी इतिहास समेटे हुए हैं। पुरातत्व विभाग के अनुसार शायद 8वीं सदी में बना यह मंदिर उत्तर भारत का इकलौता ऐसा मंदिर है।

कुछ कहानिया हैं, दन्त कथाएं और मंदिर के गर्भ गृह में अभी भी श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ विराजमान हैं। ये मंदिर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के मसरूर गांव में स्थित हैं।

पत्थरों पर ऐसी खूबसूरत नक्काशी करना बेहद मुश्किल काम है। ऐसे में ये कारीगरी करने के लिए दूर से कारीगर लाए गए थे, लेकिन यह कारीगरी किसने की इसके आज तक पुख्ता सबूत नहीं मिल पाए हैं।

हिमालयन पिरामिड के नाम से विख्यात बेजोड़ कला के नमूने रॉक कट टेंपल मसरूर एक अनोखा और रहस्यमयी इतिहास समेटे हुए हैं। पुरातत्व विभाग के अनुसार शायद 8वीं सदी में बना यह मंदिर उत्तर भारत का इकलौता ऐसा मंदिर है।

इन्हें अजंता-एलोरा ऑफ हिमाचल भी कहा जाता है। हालांकि ये एलोरा से भी पुराने हैं। पहाड़ काट कर गर्भ गृह, मूर्तियां, सीढ़ियां और दरवाजे बनाए गये हैं। मंदिर के बिल्कुल सामने मसरूर झील है जो मंदिर की खूबसूरती में चार चांद लगाती है।

अर्जुन के अशांत मन को शांत करने के लिए श्रीकृष्ण ने दिया था गीता का ज्ञान

आजकल अधिकतर लोग तनाव का सामना कर रहे हैं। तनाव की कई वजहें हो सकती हैं जैसे किसी काम में असफलता, घरेलू समस्याएं, पैसों की कमी, रिश्तों में विवाद, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आदि। तनाव की वजह से मन अशांत हो जाता है और किसी भी काम में एकाग्रता नहीं बन पाती है। इस कारण जीवन और कठिन लगने लगता है। तनाव दूर करने के लिए ग्रंथों में कई टिप्स बताई गई हैं। इन टिप्स को अपनाने से मन शांत हो सकता है और फिर हम अपने काम अच्छे ढंग से कर सकते हैं। जानिए ये टिप्स...

सिर्फ अपने कर्म पर ध्यान लगाएं

भगवद गीता के अध्याय 2 में लिखा है कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि हमें केवल अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए, न कि उसके फल की चिंता करनी चाहिए। फल की अपेक्षा करने से तनाव बढ़ता है और जब मनचाहा फल नहीं मिलता है तो निराशा और ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसे में तनाव से बचना चाहते हैं तो हमें सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। अपने काम सही तरीके से और धर्म के अनुसार करेंगे तो जीवन में शांति बनी रहेगी।

ध्यान मेडिटेशन करें

पतंजलि योग सूत्र के मुताबिक ध्यान करने से मन की चंचलता शांत होती है और एकाग्रता बढ़ती है। एकाग्र मन इधर-उधर की बातों में भटकता नहीं है। हमें रोज सुबह कुछ देर ध्यान करना चाहिए। इसके लिए किसी शांत स्थान पर आसन बिछाकर बैठ जाएं और आंखें बंद करके अपना पूरा ध्यान दोनों भौंहों के बीच आज्ञा चक्र पर लगाएं। ध्यान करते समय कोशिश ये करें कि कोई विचार मन में न आए। जब कुछ दिनों तक रोज ध्यान करेंगे तो इसका असर दिखने लगेगा और मन शांत होने लगेगा।

ध्यान को जीवन शैली में शामिल करें और इसके साथ ही कुछ देर प्राणायाम भी करें। प्राणायाम भी तनाव और चिंता को कम करने में सहायक है। अनुलोम-विलोम और कपालभाति जैसे प्राणायाम कर सकते हैं।

संतुष्टि को अपनाएं

जब तक हम अपनी चीजों से संतुष्ट नहीं होंगे, तब तक जीवन में शांति नहीं आ पाएगी। रामायण, महाभारत, श्रीमद् भगवद गीता जैसे ग्रंथों का यही संदेश है कि हमें अपनी चीजों से संतुष्ट रहना चाहिए। जब हम दूसरों की चीजें देखकर मोहित होने लगते हैं, अधिक पाने की इच्छा रखते हैं तो यही तनाव का मूल कारण है। संतोष में ही परम सुख है, जो लोग ये बात अपना लेते हैं, वे तनाव से दूर रहते हैं।

प्रकृति से जुड़ें, तीर्थ यात्रा करें और प्रवचन सुनें

दैनिक जीवन से थोड़ा ब्रेक लेकर हमें प्रकृति के निकट रहना चाहिए। जब हरियाली में रहते हैं तो आंखों को सुकुन मिलता है, मन शांत होता है। हमें समय-समय पर तीर्थ यात्रा करनी चाहिए। साधु-संतों के प्रवचन सुनना चाहिए। ऐसा करने से हमारा मन कुछ समय के लिए व्यर्थ सांसारिक चीजों से हट जाता है और हम तरोताजा महसूस करने लगते हैं।

जरूरतमंद लोगों की सेवा करें और दान-पुण्य करें

शास्त्रों में दान और सेवा का काफी अधिक महत्व बताया गया है। दान करें, लेकिन कभी अपने द्वारा किए गए दान का अहंकार न करें। सेवा करने से अहंकार शांत होता है। दान और सेवा करने से जरूरतमंद लोगों से आशावार्द मिलता है, मन को शांति मिलती है और तनाव दूर होता है।

कंगना रनौत ने प्रियंका गांधी से किया आग्रह

अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपनी फिल्म इमरजेंसी में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है। फिल्म को देखने के लिए उन्होंने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी को भी न्योता भेजा है। कंगना की मुलाकात प्रियंका गांधी से संसद में हुई।

प्रियंका गांधी से किया फिल्म देखने का आग्रह

कंगना ने बताया कि उस दौरान प्रियंका ने अपनी दादी को लेकर काफी बातें की। साथ ही प्रियंका अक्सर अपने भाषणों में अपनी दिवंगत दादी इंदिरा गांधी से प्रेरणा लेती हैं। कंगना ने कहा कि मैं प्रियंका गांधी जी से संसद में मिली, पहली बात जो मैंने उनसे कही वो थी कि आपको इमरजेंसी देखनी चाहिए। उन्होंने कहा, हां शायद। मैंने कहा, आपको ये पसंद आएगी।

कंगना ने की फिल्म को लेकर बात

कंगना ने कहा, इंदिरा गांधी के किरदार में अपनी संवेदनशीलता और गहराई है। इसमें भारत में लगी इमरजेंसी का कार्यकाल को दिखाया गया है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि यह एक घटना और एक व्यक्तित्व का बहुत ही संवेदनशील और समझदारी भरा चित्रण है। मैंने श्रीमती गांधी को गरिमा के साथ चित्रित करने का बहुत ध्यान रखा है।'

इंदिरा गांधी के बारे में जानने का मिला मौका

कंगना ने कहा कि इस फिल्म की रिसर्च के दौरान, मैंने उनकी पर्सनल लाइफ को पर बहुत फोकस किया। मैंने खुद से सोचा, एक व्यक्ति में और भी बहुत कुछ होता है। मैंने विशेष ध्यान रखा है, उन दिशाओं में भी नहीं जाना, क्योंकि जब महिलाओं की बात आती है, तो उन्हें हमेशा अपने आस-पास के पुरुषों के साथ उनके समीकरण और सनसनीखेज मुठभेड़ों तक ही सीमित कर दिया जाता है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म 'इमरजेंसी'

कंगना की फिल्म इमरजेंसी पर काफी समय से विवाद चल रहा था। फिल्म आखिरकार इस साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के दिन रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में कंगना के साथ अनुपम खेर, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े भी नजर आने वाले हैं।

तृप्ति डिमरी हो गईं 'आशिकी 3' से बाहर?

कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी की 'आशिकी 3' लगातार पीछे होती जा रही है। फिल्म के निर्देशक अनुराग बसु कार्तिक आर्यन के साथ एक नई लव स्टोरी पर काम कर रहे हैं। इस बीच खबर आई है कि तृप्ति डिमरी फिल्म 'आशिकी 3' से बाहर हो गई हैं।

एक रिपोर्ट की मानें तो तृप्ति डिमरी के इस प्रोजेक्ट में आने के बाद फिल्म को रोक दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक तृप्ति डिमरी आशिकी 3 का हिस्सा नहीं होंगी। वहीं, अनुराग बसु अब नई जोड़ी की इस फिल्म में दिखाने वाले हैं। तृप्ति डिमरी इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित थीं, हालांकि अब ऐसा नहीं होने वाला है। कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म में कोई नया चेहरा नजर आ सकता है।

विवादों में आ गई 'आशिकी 3'

तृप्ति डिमरी की फिल्म आशिकी 3 इन दिनों विवादों में घिरी है। फिल्म को डिमरी ने पिछले साल फिल्म के लिए कुछ दिनों की शूटिंग की थी। यह एक मुहूर्त शॉट होना था। डिमरी के जाने के पीछे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। इस फिल्म में भूषण कुमार और मुकेश भट्ट द्वारा निर्मित किया जाना था, लेकिन निर्माताओं के बीच झगड़े के बाद यह चर्चा आगे नहीं बढ़ पाई।

अब है नए चेहरे की तलाश

खबरों की मानें तो तृप्ति डिमरी और कार्तिक आर्यन के साथ जनवरी महीने के अंत में या फरवरी के पहले सप्ताह में मुंबई में शुरू होगी। तृप्ति डिमरी के बाहर होने के बाद मुख्य अभिनेत्री की भूमिका के लिए कास्टिंग प्रक्रिया चल रही है। 2013 में रिलीज़ हुई आशिकी की दूसरे सीक्वल में श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर की जोड़ी को देखा गया था।

'शाहरुख खान के साथ काम करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है', फराह खान का खुलासा

मशहूर कोरियोग्राफर और निर्माता-निर्देशक फराह खान ने इंडस्ट्री के टॉप कलाकारों के साथ काम किया है। इस लिस्ट में बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान भी शामिल हैं। हाल ही में फराह खान ने शाहरुख के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। साथ ही यह खुलासा किया कि SRK के साथ काम कर पाना अब उनके लिए पहले के मुकाबले काफी मुश्किल हो चला है। जानते हैं इसकी वजह।

इस वजह से बढ़ता है प्रेशर

फराह खान ने कहा कि जब भी वे किसी नए गाने पर साथ काम करते हैं तो हर बार प्रेशर दोहरा हो जाता है। फराह ने कहा कि साथ काम करते हुए कुछ शानदार ट्रैक तैयार हुए, इसके चलते अब जब भी साथ काम करते हैं तो पहले से ज्यादा दबाव बढ़ जाता है। फराह खान ने ईटाइम्स से बातचीत में यह खुलासा किया। फराह खान ने लंबे वक्त से चल रही अपनी दोस्ती को लेकर भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने बताया कि कुछ सितारों से उनकी दोस्ती उनके स्टार बनने से पहले की हैं। फराह ने बताया कि शाहरुख खान के साथ उनकी दोस्ती 'कभी हां कभी ना' और 'दीवाना' की रिलीज होने से पहले ही शुरू हो गई थी।

इस वजह से लिया निर्देशन से ब्रेक

फराह खान ने कहा कि दशकों पुरानी दोस्ती होने के बावजूद शाहरुख खान के साथ काम करना अब समय के साथ मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर उस समय उनके साथ काम करना मुश्किल था, तो अब और भी मुश्किल है। जब भी हम किसी गाने पर काम करते हैं, तो दबाव दोगुना हो जाता है, क्योंकि हमने साथ मिलकर शानदार गाने बनाए हैं'। फराह ने यह भी कहा कि 'हैप्पी न्यू ईयर' के बाद दिलचस्प प्रोजेक्ट्स की कमी के चलते उन्होंने निर्देशन से ब्रेक लिया।

निर्देशन में लौटने का पक्का इरादा, लेकिन...

फराह खान ने कहा कि ब्रेक के बाद उन्होंने अपने परिवार पर पूरा फोकस किया। अपने बच्चों के साथ क्वालिटी वक्त बिताया और छुट्टियां मनाईं। उन्होंने यह भी कहा कि निर्देशन में वापसी की उनकी इच्छा है, लेकिन वे कमबैक तभी करेंगी जब कोई अच्छी स्क्रिप्ट होगी और सही समय होगा। बता दें कि फराह खान ने फिल्म 'मैं हूं ना' से निर्देशन की दुनिया में डेब्यू किया। फराह ने शाहरुख खान के 'चलेया, 'दर्द-ए-डिस्को जैसे गानों को कोरियोग्राफ किया है।

पूनम ढिल्लों के घर में हुई चोरी, पेंटिंग करने आया शख्स ही निकला चोर

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस पूनम ढिल्लों के खार स्थित आवास में चोरी की खबर सामने आई है. एक्ट्रेस के घर से नकदी और जूलरी की चोरी हुई थी. पुलिस ने मामले की जांच करते हुए चोर को गिरफ्तार कर लिया है. अधिकारियों के अनुसार, खार पुलिस ने मुंबई के खार में एक्ट्रेस पूनम ढिल्लों के आवास से लगभग 1 लाख रुपये का हीरे का हार, 35,000 रुपये नकद और कुछ अमेरिकी डॉलर चोरी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तारी 6 जनवरी को की गई है और आरोपी की पहचान 37 वर्षीय समीर अंसारी के रूप में हुई, जो एक पेंटर है.

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी अंसारी 28 दिसंबर से 5 जनवरी के बीच फ्लैट में पेंट कराने के लिए एक्ट्रेस के घर पर था. इस दौरान उसने खुली अलमारी का फायदा उठाकर सामान चुरा लिया. अंसारी ने एक खुली अलमारी देखी और मौके का फायदा उठाकर चोरी कर ली. आरोपी ने चोरी किए हुए पैसों से पार्टी कर ली थी. मालूम हो कि पूनम ढिल्लों जुहू में रहती हैं, लेकिन वह अक्सर खार स्थित अपने बेटे अनमोल के घर पर समय बिताती हैं.

बताते चलें कि पूनम ढिल्लों आखिरी बार 'जय मम्मी दी' फिल्म में नजर आई थीं. इसमें उन्होंने सोनाली सहगल और सनी सिंह के साथ स्क्रीन शेयर किया था. पूनम ढिल्लों ने 'पत्थर के इंसान', 'जय शिव शंकर', 'रमैया वस्तावैया', 'बटवारा' जैसी कई अन्य फिल्मों में भी काम किया है. 80 के दशक में वह पॉपुलर एक्ट्रेस बन चुकी थीं.

14वीं सदी के शासक की भूमिका निभाएंगे सुनील शेट्टी 'केसरी वीर' के लिए सीखी घुड़सवारी-तलवारबाजी!

फिल्म निर्माता कनु चौहान एक गुजराती योद्धा पर फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं, जिसने 14वीं शताब्दी में सोमनाथ मंदिर को घुसपैठियों से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी थी। उनकी फिल्म का नाम 'केसरी वीर' है, जिसमें सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में हैं। निर्देशक ने इस फिल्म को बनाने को लेकर उत्साह जाहिर किया है। उन्होंने बताया कि केसरी वीर की कहानी उनके दिल के बहुत करीब है। इस फिल्म में, सुनील कथित तौर पर 14वीं शताब्दी के शासक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसके लिए अभिनेता को घुड़सवारी और बहुत कुछ सीखना पड़ा।

फिल्म के सुनील शेट्टी की तैयारी

सुनील शेट्टी द्रोण के शासक राजा वेगडाजी भील की भूमिका निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुनील शेट्टी 'केसरी वीर' में एक अनूठा लुक अपनाएंगे। बताया गया कि सुनील को घुड़सवारी के अपने कौशल को निखारना पड़ा और उस समय के हथियार, जैसे स्वनिर्मित भाले, गोफन, कुल्हाड़ी, धनुष-बाण, चाकू और तलवारें सीखनी पड़ीं। उन्होंने तीरंदाजी भी सीखी, क्योंकि भील इसमें कुशल थे। साथ ही उन्होंने गुरिल्ला युद्ध भी सीखा। फिल्म में उनका लुक अनोखा है और वे पगड़ी, अंगरखा और धोती पहने हुए हैं व मूंछें रखे हुए हैं।

सूरज पंचोली का किरदार

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में कई एक्शन सीक्वेंस हैं, जिन्हें साउथ के एक्शन डायरेक्टर केविन कुमार ने डिजाइन किया है। वहीं कॉस्ट्यूम्स चंद्रकांत सोनवणे ने तैयार किए हैं। 'केसरी वीर' में सूरज 16 वर्षीय वीर हमीरजी गोहिल का किरदार निभाएंगे, जिन्होंने दिल्ली सल्तनत के शासक अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति जफर खान के आक्रमण से मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। वीर वेगदाजी के साथ मिलकर मुगल बादशाह से 10 दिनों की लड़ाई लड़े थे।

फिल्म का बजट और शूटिंग

'केसरी वीर' का निर्देशन कर रहे कनु ने हाल ही में बताया कि उन्होंने उस दौर के माहौल को फिर से जीवंत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

उन्होंने बताया, 'हमने इस फिल्म पर 60 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए हैं और 23 नवंबर से मुंबई और गुजरात में लगातार 120 दिनों के शेड्यूल में इसकी शूटिंग की है। पोस्ट-प्रोडक्शन का काम अभी चल रहा है और हम इस महीने तक मोशन पोस्टर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

सलीम खान का सलमान की शादी को लेकर खुलासा

सलमान खान पिछले कई सालों से बॉलीवुड पर राज कर रहे हैं। हालांकि, उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स के अलावा, फैंस उनकी लव लाइफ को लेकर भी उतने ही उत्सुक हैं। खास तौर पर दबंग के प्रशंसकये जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि सलमान कब और किससे शादी करेंगे। हाल ही में सलमान के पिता सलीम खान ने खुलाया किया की सलमान जब भी शादी करेंगे उनकी कुछ शर्तें होंगी।

जब भी सलमान खान शादी के बंधन में बंधेंगे। उनकी अपनी पत्नी से कुछ खास शर्तें होंगी। वैसे कथित तौर पर सलमान का नाम बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों संग कई बार जुड़ चुका है, जिसमें कैटरीना कैफ से लेकर सोमी अली और संगीता बिजलानी जैसी अभिनेत्रियां शामिल हैं।

सलमान ने हाल ही में अपना 59वां जन्मदिन मनाया है और वह अभी तक सिंगल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान सलमान के पिता सलीम खान ने दबंग की शादी को लेकर कहा, सलमान का पता नहीं क्या है...सलमान की एक तो इस वजह से शादी नहीं होती है कि थोड़ा सा विरोधाभास है। वह कमीटमेंट के बाद अपनी शर्तें रख दते हैं।

आगे सलीम खान ने सलमान खान की शादी को लेकर कहा, सलमान का लगाओ या मोहब्बत... उस व्यक्ति की ओर आकर्षित होते हैं, जिसके साथ वह काम करते हैं।

सलीम खान ने आगे बताया कि जब कमिटमेंट हो जाता है तो वो उसे कन्वर्ट करने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री के साथ रिलेशनशिप में आते हैं, तो वे उस महिला में अपनी मां के गुण तलाशने लगते हैं। सलमान के पिता ने कहा कि दबंग की यह उम्मीद करना गलत है कि वह करियर छोड़कर सिर्फ घर के कामों में ही ध्यान लगाए।

हिट फिल्में नहीं, ये छोटी-छोटी चीजें देती हैं जीनत अमान को खुशियां

सदाबहार एक्ट्रेस जीनत अमान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर जीवन की छोटी-छोटी चीजों को बड़ी खुशियों का सबब बताया है. दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरों को साझा कर नए साल का जश्न मनाया और मां की विरासत से भी रूबरू कराया.

तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'नया साल और अपनी कुछ पसंदीदा चीजों का जश्न मनाने वाली पोस्ट शेयर करने का मौका!'

'मुझे अपनी पेड पार्टनरशिप पसंद है, लेकिन यह उनमें से एक नहीं है. यह उन कुछ छोटी-छोटी चीजों की तारीफ है, जो मेरे दिन को रोशन, खुशनुमा बनाती हैं.'

उन्होंने लिखा, 'पहली तस्वीर मां की थमाई विरासत जो कभी उनके पूजा के कमरे में रहती थी. मेरी मां जितनी धार्मिक थीं, उतनी ही धर्म निरपेक्ष भी. ऐसी चीज जो इन दिनों बमुश्किल दिखती है ये मेरी भावनाओं से जुड़ा है.

इसके बाद जीनत ने गुलदान की तस्वीर साझा की. इसमें जो फूल दिख रहे हैं उन्हें एक्ट्रेस ने अपना पसंदीदा बताया. बोलीं, 'मेरी न्यूट्रिशन स्पेशलिस्ट खुश होंगी अगर आप मुझे चॉकलेट नहीं भेजेंगी, लेकिन मुझे ताजे फूल देने में संकोच न करें! मुझे ऑर्किड खासतौर पर पसंद हैं, वे बहुत लंबे समय तक टिकते हैं और बहुत सुंदर होते हैं. 'प्रसिद्ध' होने का एक लाभ यह भी है कि मुझे कभी फूल खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती! हमेशा एक या दो गुलदस्ते मुझे भेजे जाते हैं.'

जीनत ने अपने ड्रेसिंग टेबल की एक झलक साझा करते हुए लिखा, 'आपके देखने के लिए मेरे पसंदीदा हूप इयररिंग हैं. शायद ऐसा इसलिए क्योंकि मैं दिल से 70 के दशक की लड़की हूं. परफ्यूम के मामले में मुझे रोजाना हल्का स्नान और बॉडीवर्क का स्प्रिट पसंद है, जबकि रात में जॉय बाय डायर पसंद है.'

चाय की मेज के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, 'एक जुहू क्लासिक जो नियमित रूप से मेरी चाय की मेज पर होती है! इसके साथ स्थानीय फ्रेस्को बेकरी और नींबू के टार्ट्स परिवार के पसंदीदा हैं। स्वादिष्ट क्रम्बलिंग क्रस्ट के साथ'.

एक्ट्रेस ने आगे लिखा, ये एक इंस्टाग्राम की खोज थी! मैं ऑनलाइन चीजें ऑर्डर करने से बचती हूं, लेकिन मैंने जोखिम उठाया और इन बैग्स को एक साल से ज्यादा समय से इस्तेमाल कर रही हूं.'

जीनत ने आगे लिखा, 'हाथ से बने कपड़ों की खूबसूरती जो आपका साथ सालों तक देती है! यह बेहतरीन, आरामदायक काफ्तान प्रतिभाशाली नीलोफर खान ने मुझे दिया है. नीलोफर भोपाल के शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं और मेरे पिता की तरफ से मेरी दूर की रिश्तेदार हैं. मैं दशकों से उनके काफ्तान पहन रही हूं और मेरा सबसे पुराना काफ्तान तो 25 साल से भी ज्यादा समय तक चला'.

मिनीषा लांबा बनना चाहती थीं पत्रकार बन गईं एक्ट्रेस, राज बब्बर के बेटे संग जुड़ा नाम

कई सितारे फिल्मों में कुछ कर दिखाने का सपना लिए मुंबई आते हैं, वहीं कुछ कि किस्मत उन्हें मायानगरी की ओर खींच लाती है. चकाचौंध भरी इस इंडस्ट्री में कई ऐसे सितारे हैं जिन्होंने किस्मत से फिल्मों का रुख किया और फिर वो हमेशा के लिए यहीं के होकर रह गए. ऐसा ही एक नाम एक्ट्रेस मिनीषा लांबा का है. आज भले ही वो गुमनामी के अंधेरे में कहीं खो गई हैं, लेकिन एक वक्त पर उन्होंने अपनी मासूमियत का सबको दीवाना बना लिया था.

साल 2005 में फिल्म 'यहां' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस मिनीषा लांबा असल में कभी एक्टिंग की दुनिया में आना ही नहीं चाहती थीं. उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरंडा हाउस कॉलेज से पढ़ाई की थी और कॉलेज के बाद वो पत्रकारिता में करियर बनाना चाहती थीं. लेकिन पढ़ाई के दौरान ही मॉडलिंग में उनकी दिलचस्पी बढ़ने लगी और उन्होंने कई नामी ब्रांड्स के लिए एड फिल्म शूट किए. एलजी, सोनी, कैडबरी, हाजमोला और एयरटेल जैसे ब्रांड्स के लिए एड कर चुकीं एक्ट्रेस ने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई.

कॉलेज से ही शुरू कर दी थी एक्टिंग

मिनीषा लांबा कॉलेज में ही थीं जब उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म 'यहां' की शूटिंग शुरू कर दी थी. शूजित सरकार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अपने अभिनय से एक्ट्रेस दर्शकों और फिल्ममेकर्स पर अपनी छाप छोड़ने में सफल रही थीं. उसके बाद वो कॉर्पोरेट, रॉकी, एंथनी कौन है, बचना-ए-हसीनों, दस कहानियां जैसी फिल्मों में नजर आई थीं.

सुर्खियों मे रही निजी जिंदगी

अपनी फिल्मों से ज्यादा मिनीषा लांबा अपनी निजी जिंदगी के चलते चर्चा में रहीं. उन्होंने अपने रिलेशनशिप और फिर अपनी सीक्रेट वेडिंग से खूब सुर्खियां बटोरी. 'बिग बॉस 8' में नजर आईं एक्ट्रेस का नाम राज बब्बर के बेटे आर्यन बब्बर के साथ जुड़ा था.

रिलेशनशिप को बताया था झूठ

'बिग बॉस 8' का ही हिस्सा रहे आर्यन बब्बर ने नेशनल टीवी पर इस बात का ऐलान किया था कि वो और मिनीषा पहले रिलेशनशिप में थे. हालांकि, एक्ट्रेस ने घर से बाहर निकलने के बाद इस दावे को झूठा करार दे दिया था. उन्होंने कहा था कि आर्यन बब्बर ने दबाव में ऐसा बयान दिया था.

गुपचुप की थी शादी

बचना-ए-हसीनों एक्ट्रेस मिनीषा लांबा ने साल 2015 में अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड रेयान थाम संग सीक्रेट शादी कर ली थी. एक्ट्रेस ने अपनी शादी की किसी को कानों-कान खबर भी नहीं होने दी थी. उनकी शादी में सिर्फ उनके करीबी 20 लोग ही शामिल हुए थे जिसमें एक्ट्रेस पूजा बेदी भी थीं.

अकेले जी रहीं एक्ट्रेस

रेयान थाम, पूजा बेदी के कजिन भाई हैं. 5 साल तक शादीशुदा रहने के बाद कपल के बीच दूरियां बढ़ने लगीं और एक्ट्रेस ने साल 2020 में पति से तलाक ले लिया था. तलाक के बाद से एक्ट्रेस अकेले ही अपनी जिंदगी गुजार रही हैं. वर्क फ्रंट पर बात करें तो मिनीषा लांबा ने 2018 में 'इंटनरेट वाला लव' से टीवी पर वापसी की थी. इसके बाद वो वेब सीरीज 'बदत्तमीज दिल' में नजर आई थीं. इसमें एक्ट्रेस के रोल को काफी पसंद किया गया था.

बालों में नींबू लगाने के फायदे और नुकसान

आजकल की बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल और सर्दी के बीच में यदि त्वचा और बालों का ध्यान सही से न रखा जाए तो काफी परेशानी सामने आने लगती है। ऐ0से में लोग अपनी त्वचा का ध्यान तो रख लेते हैं, लेकिन परेशानी तब सामने आती है, जब बारी है बालों का ध्यान रखने की। बालों की देखभाल के लिए ज्यादातर लोगों को घरेलू नुस्खे अपनाना पसंद है। इन्हीं नुस्खों में नींबू का इस्तेमाल काफी सही माना जाता है।

बालों में नींबू का उपयोग आमतौर पर बालों की देखभाल और स्कैल्प की समस्याओं को ठीक करने के लिए किया जाता है। हालांकि, इसका उपयोग सही तरीके से और सीमित मात्रा में किया जाना चाहिए। बालों में नींबू लगाने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। इसके फायदे तो तकरीबन हर किसी को पता होते हैं, हम यहां आपको बालों में नींबू इस्तेमाल करने के नुकसान बताएंगे।

बालों का रूखापन बढ़ेगा

नींबू के रस में अम्लीय गुण होते हैं, जो बालों के प्राकृतिक तेलों को कम कर सकते हैं, जिससे बाल रूखे और बेजान हो सकते हैं। ऐसे में यदि आपके बाल काफी ड्राई हैं तो इसके इस्तेमाल से बच के रहें।

स्कैल्प में होगी जलन

संवेदनशील त्वचा वाले लोगों में नींबू का सीधा संपर्क जलन, खुजली या लालिमा पैदा कर सकता है। इसलिए यदि आपकी त्वचा काफी सेंसेटिव है तो इसके इस्तेमाल से बचें। वरना आपको ही परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

उड़ने लगेगा बालों का रंग

नींबू के रस में ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो बालों के प्राकृतिक रंग को हल्का कर सकते हैं, विशेषकर यदि इसे धूप में लगाया जाए। इसलिए यदि नींबू का इस्तेमाल बालों में कर रहे हैं तो उसे पहले चेक कर लें कि कहीं ये आपके बालों के रंग को फीका तो नहीं कर रहा।

होगा हेयर फॉल

अत्यधिक अम्लीयता बालों की संरचना को कमजोर कर सकती है, जिससे बाल आसानी से टूट सकते हैं। इसके अलावा जब नींबू बालों को ड्राई कर देता है, तब भी बाल टूटने लगते हैं। इसलिए इसका इस्तेमाल सोच के ही करें।

स्कैल्प हो जाएगा ड्राई

नींबू का अधिक उपयोग सिर की त्वचा को सूखा बना सकता है, जिससे डैंड्रफ या अन्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में यदि आपके साथ पहले से ही डैंड्रफ की समस्या है तो स्कैल्प पर नींबू के इस्तेमाल से बचें।

ऐसे कर सकते हैं इस्तेमाल

इन समस्याओं से बचने के लिए नींबू के रस को सीधे बालों पर लगाने के बजाय,इसे पानी या अन्य प्राकृतिक तेलों के साथ मिलाकर उपयोग करना चाहिए। साथ ही उपयोग से पहले पैच टेस्ट करना महत्वपूर्ण है।

मकर संक्रांति के दिन तैयार करें तिल की बर्फी, बनाने का तरीका है आसान

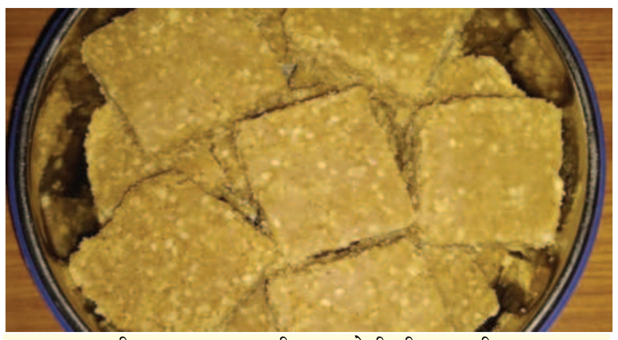

हर साल की तरह इस साल भी मकर संक्रांति का त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा। इसकी तैयारी लोगों ने शुरू भी कर दी है। मकर संक्रांति का त्योहार भारत के विभिन्न प्रदेशों में अलग-अलग नाम से जाना जाता है। हर जगह इसकी अलग मान्यता है। ये त्योहार सर्दी के मौसम में आता है, इस वजह से इन सभी त्योहारों में तिल से बनी मिठाइयों का विशेष महत्व होता है।

वैसे तो बाजार में आपको तिल से बनी कई मिठाईयां आसानी से मिल जाती हैं, लेकिन बहुत से लोगों को बाजार की मिठाईयों में मिलावट लगती है। ऐसे में अगर आप चाहें तो घर पर ही तिल की बर्फी बनाकर अपने परिवार वालों को खिला सकती हैं। तिल की बर्फी बनाना बेहद आसान है। इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा चीजों की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। अगर आपको भी तिल की बर्फी खाना पसंद है, तो चलिए आपको इसे बनाने का आसान तरीका बताते हैं।

तिल की बर्फी बनाने के लिए सामान

1 कप तिल
1 कप खोया (मावा)
1/2 कप चीनी
2 टेबलस्पून घी
थोड़ी सी इलायची पाउडर

विधि

तिल की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में तिल को सूखा रोस्ट करें। रोस्ट करते वक्त ध्यान रहे कि ये तिल ज्यादा सुनहरे नहीं होने चाहिए। बस हल्का सा गुलाबी होने के बाद इसे निकाल कर अलग रख लें और ठंडा होने दें।

जब तक तिल ठंडे हो रहे हैं, तब तक एक अलग पैन में खोया (मावा) डालें और उसमें चीनी मिलाएं। इसे कुछ देर चलाएं, ताकि मावा में चीनी अच्छी तरह से मिल जाए। इसके बाद इस पैन में सूखे हुए तिल डालें।

अब मिश्रण में थोड़ा सा पानी डालें और अच्छे से मिलाएं। अब मिलाए हुए मिश्रण को मध्यम आंच पर पकाते रहें, साथ ही साथ थोड़ा सा घी भी डालें।

अब इसे धीरे-धीरे तब तक पकाते रहें, जब तक यह मिश्रण थोड़ा गाढ़ा ना होने लगे। गाढ़ा होने पर इसमें इलायची पाउडर मिलाएं। सबसे आखिर में एक प्लेट में घी लगाकर मिश्रण को निकाल लें और इसे ठंडा होने दें। जब बर्फी ठंडी हो जाए, तो इसे छोटे टुकड़ों में काटकर परोसें।

बवासीर से राहत दिलाएगा ये घरेलू नुस्खा, जड़ से खत्म होगा रोग !

बवासीर जिसे पाइल्स कहते हैं, यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें व्यक्ति को बहुत दर्द होता है। कई लोग इस खतरनाक बीमारी के शिकार होते हैं लेकिन वो इस बारे में बात करने से कतराते हैं। वहीं यदि बवासीर का समय पर इलाज न करवाया जाए तो व्यक्ति को गंभीर समस्या से जूझना पड़ सकता है। पाइल्स की समस्या बढ़ने पर ऑपरेशन भी करवाना पड़ता है। ऐसे में यदि आप इसके शुरुआती लक्षणों पर गौर करते हैं तो इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। इसके अलावा कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर भी आप इस रोग से राहत पा सकते हैं। आज अपने इस आर्टिकल के जरिए आपको एक ऐसा नुस्खा बताते हैं जो बवासीर से राहत दिलवाने में मदद करेगा।

इस वजह से होती है बवासीर

एक्सपर्ट्स की मानें तो बवासीर दो कारणों से होती है एक कम अग्नि और दूसरा अपान वात दोष की असामान्य स्थिति। कम अग्नि भोजन के पचाने और उसको अवशोषण करने के लिए जिम्मेदार होते हैं जबकि अपान वात दोष की असामान्य दिशा आंत्र और मूत्राश्य की गतिविधियों और भ्रूप की सामान्य डिलीवरी जैसे कार्यों को नियंत्रित करता है। ऐसे में पाइल्स के दर्द से बचने के लिए आप घर में बना छाछ और अनार की ड्रिंक का सेवन आप कर सकते हैं।

बवासीर का घरेलू उपचार

अनार का छिलका - 1 चम्मच
घर पर दही से बनाई हुई छाछ - 1 गिलास

बनाने की विधि

. सबसे पहले घर पर दही से बना हुई छाछ तैयार करें।

. फिर इसमें अनार के छिलके को मिक्सर जार में पीसकर पाउडर बनाएं।

. अब पाउडर को छाछ में मिलाकर 30 मिनट बाद पी लें।

समस्या से मिलेगी राहत

कब्ज ही बवासीर का मुख्य कारण होती है। ऐसे में छाछ का सेवन करने से आपका पाचन तंत्र स्वस्थ होगा और कब्ज से आराम मिलेगा। इस ड्रिंक का सेवन करने से आपको बवासीर की समस्या से भी आराम मिलेगा । जबकि इस ड्रिंक में मौजूद अनार का छिलका बवासीर के दौरान होने वाली ब्लीडिंग होने से रोकने में मदद मिलती है और पाचन में भी सुधार होता है।

इस तरह करें सेवन?

पाइल्स को ठीक करने के लिए आप इस ड्रिंक का दिन में एक बार खासतौर पर दोपहर के खाने के बाद सेवन करें। इस बात का ध्यान रखें कि अनार के पाउडर को किसी अन्य रुप में लेने से आपको बवासीर से कोई खास फायदा नहीं मिलेगा इसलिए इसका सेवन छाछ के साथ ही करें।

घर पर बनाएं गोभी मंचूरियन

गोभी की सब्जी वैसे तो कई घरों में बनती हैं। कभी इसके पराठे बनते हैं तो अभी इसे आलू के साथ मिक्स करके बनाया जाता है। लेकिन अगर आप एक ही तरीके से गोभी खाकर बोर हो गए हो तो चलिए हम आपको बताते हैं नए तरीके से गोभी बनाने की रेसिपी। बाजार में बनी गोभी मंचूरियन तो आप सब ने चखी ही होगी।

सामग्री

गोभी- 1 बड़ी
मैदा – 1/2 कप
कश्मीरी लाल मिर्च – 1 टी स्पून
मक्के का आटा – 2 टेबल स्पून
प्याज बारीक कटा – 1
हरी मिर्च कटी – 1
अदरक (कसा) – 1 टी स्पून
ग्रीन चिली सॉस – 1 टेबल स्पून
व्हाइट विनेगर – 1/2 टेबल स्पून
सोया सॉस – 1 टेबल स्पून
टोमेटो कैचअप – 1 टेबल स्पून
पानी – 1/2 कप
नमक – स्वादनुसार
तेल - जरूरत के अनुसार

गोभी मंचूरियन बनाने का तरीका

1. गोभी मंचूरियन तैयार करने के लिए सबसे मैदा और मक्के के आटे को मिक्स कर लें।
2. अब इसमें धीरे-धीरे पानी डालकर घोल तैयार करें।
3. इसके बाद इस मिश्रण में कश्मीरी लाल मिर्च डालकर अच्छी तरह घोल तैयार कर लें।
4. इसके बाद इसमें कटे हुए गोभी के बड़े टुकड़ें डालें।
5.अब एक पैन में तेल गर्म करें।
6.जब तेल गर्म हो जाए, तो घोल से लिपटे हुए गोभी के टुकड़ों को इसमें डालकर अच्छे से फ्राई करें।
7.गोभी को गोल्डन ब्राउन होने तक पकाएं।
8.अब इसे एक बर्तन में निकाल लें।
9.जब सारी गोभी फ्राई हो जाए, तो फिर से एक दूसरा पैन चढ़ाएं।
10.इस पैन में 2 चम्मच तेल, कसी हुई अदरक, प्याज को डाल दें।
11.इसके बाद इसमें 1 चम्मच टोमेटो कैचअप, 1 टेबल स्पून ग्रीन चिली सॉस और एक चम्मच सोया सॉस डालकर इसे भून लें।
12.इसके बाद इसमें आधा चम्मच व्हाइट विनेगर और पानी डालें।
13. जब पानी थोड़ा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें फ्राई की गई गोभी डाल दें।
14.सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें। बस तैयार है आपका गोभी मंचूरियन।

मोबाइल फोन से हार्ट अटैक, कैंसर का खतरा

आज की भागदौड़ वाली व्यस्त जिंदगी में युवाओं की एक बड़ी समस्या है नींद की कमी। उनकी नींद का प्राइम टाइम तो मोबाइल फोन और दूसरे गैजेट्स में खप रहा है। सोने से पहले एक बार नोटिफिकेशंस देखने को फोन उठाया तो कब रील्स स्क्रॉल करते-करते 2 से 3 घंटे बीत जाते हैं पता ही नहीं चलता है। एक स्टडी बताती है कि अगर आप सोने से ठीक पहले तक मोबाइल फोन या दूसरे गैजेट्स इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसका असर आपकी नींद पर पड़ रहा है। कई बार आप आंख बंद किए घंटों लेटे रह जाते हैं, पर नींद का कोई अता पता नहीं। कभी आप सो तो रहे हैं, पर वह गहराई नहीं होती, जो मिलनी चाहिए। इसका सीधा कनेक्शन आपके मोबाइल फोन और लैपटॉप से है। रात में जल रही घर की लाइट भी जिम्मेदार है।

कैसे मोबाइल फोन और लैपटॉप से निकली ब्लू लाइट आपकी नींद खराब कर रही है। इसका शरीर और दिमाग पर क्या असर होता है। क्या करके हम इस मुश्किल से खुद को बचा सकते हैं। जानेंगे आज के सेहतनामा में।

मोबाइल फोन और लैपटॉप से निकलने वाली लाइट हमारी नींद में खलल बन रही है। इसकी मौजूदगी में हमारा शरीर मेलाटॉनिन रिलीज नहीं कर पाता, जिसकी मौजूदगी हमें नींद का अहसास कराती है।

क्या है मेलाटॉनिन, क्यों है इतना जरूरी?

मेलाटॉनिन हमारे शरीर में बनने वाला एक हार्मोन है। यह हमारे सोने और जगने के साइकल को रेगुलेट करता है।

अंधेरा होने पर हमारा शरीर ज्यादा मेलोटॉनिन बनाता है, जो हमारे शरीर को सोने के लिए कहता है।

रोशनी हमारे शरीर में मेलाटॉनिन का प्रोडक्शन रोक देती है या कम कर देती है। यह हमें जगे रहने को कहता है।

अगर मेलाटॉनिन बनने की प्रक्रिया पर अधिक असर पड़ता है तो डिप्रेशन, क्रॉनिक पेन और अल्जाइमर की समस्या हो सकती है।

मेलाटॉनिन लैब में भी तैयार किया जाता है। इसे सुपरविजन में डिप्रेशन और अल्जाइमर में दिया जाता है।

कम नींद लेने से बढ़ रहा अल्जाइमर

जो लोग कम नींद लेते हैं, उनके भीतर गुस्सा और चिड़चिड़ापन अधिक देखने को मिलता है। उनका स्वभाव काफी हद तक आक्रामक हो जाता है। यहां तक कि यह अल्जाइमर जैसे घातक रोग की वजह भी बन रहा है, जो दिमाग को नकारा बना देता है।

डायबिटीज की समस्या हो सकती है

अच्छी नींद नहीं लेने से ज्यादा शुगर लेने का दिल करता है। जंक फूड खाने का मन करता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे

अच्छी नींद नहीं लेने से हड्डियां कमजोर होना शुरू हो जाती हैं। असल में हड्डियों में मौजूद मिनरल्स का बैलेंस बिगड़ जाता है। जिससे जोड़ों के दर्द की समस्या पैदा हो जाती है।

बढ़ रहे हार्ट अटैक के मामले

नींद के दौरान हमारे शरीर के भीतर के अंगों की सफाई और मरम्मत हो रही होती है। नींद नहीं पूरी होने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स बाहर नहीं निकल पाते हैं। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ जाता है। डॉ. अवधेश शर्मा कहते हैं कि सिर्फ सोना भी कई बार काफी नहीं होता है, जरूरी है कि हम डीप स्लीप लें।

कैंसर का भी डर

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक स्टडी में सामने आया है कि नींद नहीं पूरी होने से शरीर की कोशिकाओं को काफी नुकसान होता है। इसके चलते कैंसर हो सकता है। इनमें सबसे अधिक है ब्रेस्ट कैंसर का खतरा।

इसलिए भी जरूरी है अच्छी नींद

सोने के दौरान शरीर में होती है मरम्मत

अच्छी सेहत का राज है अच्छी नींद। हम सोते समय अचेतन अवस्था में होते हैं, अपने आसपास की दुनिया से बिलकुल बेखबर। इस दौरान हमारे शरीर और दिमाग की खामियों की मरम्मत होती है। बैक्टीरिया और वायरल संक्रमण से लड़ने की ताकत बढ़ जाती है। दिमाग में नई ऊर्जा और नए विचार जन्म लेते हैं। तभी डॉक्टर बीमार शख्स को पहली सलाह आराम की ही देते हैं।

ऐसे आएगी अच्छी नींद

नींद की कमी को दूर करने के कई उपाय हैं।

इलेक्ट्रिक गैजेट्स पर अधिक समय बिता रहे हैं, तो उसे कम कर दें।

रोजाना सुबह-शाम टहलने निकलिए, यार-दोस्तों से बातचीत करिए।हल्की-फुल्की यानी मॉडरेट एक्सरसाइज कर सकें, तो बेहतर होगा।

सबसे जरूरी बात यह है कि नशे और कैफीनयुक्त पदार्थों से दूर रहें। कम से कम सोने से दो घंटे पहले इनका सेवन बिलकुल भी न करें।

रात में बेड पर जाने से 2 घंटे पहले मोबाइल और दूसरे गैजेट्स दूर रख दें।

सिर्फ वजन बढ़ना ही नहीं, थायरॉइड विकारों के कारण हो सकती हैं और भी कई समस्याएं

पिछले एक दशक में वैश्विक स्तर पर बढ़ने वाली स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर डालें तो पता चलता है कि डायबिटीज, हार्ट की बीमारियों के साथ थायरॉइड की समस्या भी तेजी से बढ़ी है। थायरॉइड ग्रंथि में होने वाली समस्याओं कारण आपको कई प्रकार की दिक्कतें हो सकती हैं। थायरॉइड विकारों की समस्या किसी को भी हो सकती है, यहां तक कि शिशुओं में भी इस विकार का खतरा देखा जाता रहा है। इसलिए इन विकारों के बारे में जानना और समय पर इनका उपचार किया जाना जरूरी हो जाता है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती थायरॉइड की समस्याओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और बचाव को लेकर लोगों को अलर्ट करने के उद्देश्य से साल के पहले महीने- जनवरी को 'थायरॉइड अवेयरनेस मंथ' के रूप में मनाया जाता है।

आमतौर पर वजन बढ़ने या मोटापे को थायरॉइड की समस्या मान लिया जाता है पर इसके अलावा भी कई अन्य लक्षणों पर ध्यान देना और बचाव के उपाय करना बहुत आवश्यक हो जाता है।

क्या है थायरॉइड विकार?

थायरॉइड के लक्षणों के बारे में जानने से पहले इस विकार के बारे में समझना जरूरी है। थायरॉइड ग्रंथि एक छोटा सा अंग होता है जो गर्दन के सामने स्थित होता है, ये श्वासनली (ट्रेकिआ) के चारों ओर लिपटा जैसा होता है। अन्य ग्रंथियों की ही तरह से थायरॉइड ग्रंथि भी हार्मोन्स रिलीज करती हैं, जो आपके शरीर को विशिष्ट कार्य करने में मदद करती हैं। जब थायरॉइड ग्रंथि ठीक से काम नहीं करती है, तो इससे पूरा शरीर प्रभावित हो सकता है। यदि आपका शरीर बहुत अधिक थायरॉइड हार्मोन बनाता है, तो इसके कारण हाइपरथायरायडिज्म की समस्या हो सकती है वहीं कम थायरॉइड हार्मोन बनता है, तो इसे हाइपोथायरायडिज्म कहा जाता है। दोनों स्थितियां गंभीर हैं।

थायरॉइड में वजन बढ़ने की समस्या

थायरॉइड की स्थिति को अक्सर मोटापे से जोड़कर देखा जाता रहा है, पर वजन बढ़ने की समस्या सिर्फ हाइपोथायरायडिज्म में होती है। शरीर जब थायरॉइड हार्मोन कम बनाता है तो इसके कारण मेटाबॉलिक रेट में भी समस्या आने लगती है। इसके कारण बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) बढ़ने और मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। पर इसका उल्टा अगर किसी को हाइपरथायरायडिज्म की दिक्कत है तो इसके कारण आपका वजन बहुत कम हो सकता है।

थायरॉइड के इन लक्षणों को भी जानिए

हाइपोथायरॉइडिज्म और हाइपरथायरायडिज्म के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं जिनपर ध्यान देते रहना आवश्यक होता है।

अतिसक्रिय थायरॉइड (हाइपरथायरायडिज्म) की स्थिति में इस तरह की दिक्कतें हो सकती हैं।

चिंता, चिड़चिड़ापन और घबराहट का अनुभव होना।

सोने में परेशानी होना।

वजन घटना, मांसपेशियों की कमी।

मांसपेशियों में कमजोरी और कंपन होना।

अनियमित मासिक धर्म या मासिक धर्म चक्र रुक जाना।

गर्मी के प्रति संवेदनशील महसूस होना।

दृष्टि संबंधी समस्याएं या आंखों में जलन होना।

निष्क्रिय थायरॉयड (हाइपोथायरायडिज्म) के लक्षण

थकावट-कमजोरी महसूस होना।

वजन बढ़ने की समस्या।

बार-बार चीजों को भूलने की समस्या।

भारी मासिक धर्म होना।

बालों में रूखापन बढ़ना।

कर्कश आवाज और ठंड के प्रति असहिष्णुता बढ़ना।

दवाओं से मिल सकता है लाभ

डॉक्टर कहते हैं, थायरॉइड विकारों का इलाज किया जा सकता है। समय पर सही उपचार मिल जाने से शारीरिक समस्याओं को बढ़ने से रोकने में मदद मिल सकती है। थायरॉइड हार्मोन के स्तर को सामान्य पर वापस लाने में दवाइयों से मदद मिल सकती है। इसलिए जरूर है कि समय पर लक्षणों का

सड़क दुर्घटना में घायलों को मिलेगा 1.5 लाख तक का कैशलेस इलाज

नितिन गडकरी ने किया ऐलान

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले लोगों के लिए बड़ा ऐलान किया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सड़क हादसे में घायल होने को लेकर सरकार ने एक नई योजना शुरू की है। इसे कैशलैस ट्रीटमेंट का नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक्सीडेंट होने के 24 घंटे के अंदर जैसे ही पुलिस के पास सूचना जाएगी, 7 दिन तक या अधिकतम डेढ़ लाख रुपये इलाज का खर्च सरकार की ओर से दिया जाएगा।

गडकरी ने बताया कि कैशलैस ट्रीटमेंट को बतौर पायलट प्रोजेक्ट कुछ राज्यों में किया गया था और अब इसमें तमाम कमियों को सुधार कर फिर से लागू किया जा रहा है। इससे पीड़ितों और उनके परिवारों को फ़ायदा होगा। नितिन गडकरी ने कहा कि हिट एंड रन के मामले में अगर किसी की मौत होती है तो सरकार 2 लाख रुपये देगी। गडकरी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों, सचिवों और आयुक्तों के दो दिवसीय सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इस सम्मेलन में पहली प्राथमिकता सड़क सुरक्षा को लेकर थी। उन्होंने बताया कि स्कूलों के ऑटोरिक्शा और मिनी बसों के लिए भी नियम बनाए गए हैं क्योंकि इनसे बड़ी संख्या में मौतें होती हैं।

हेलमेट न पहनने से 30 हजार लोगों की मौत

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि साल 2024 में 1.80 हजार मौतें सड़क दुर्घटना में हुई हैं। इसके अलावा 30 हजार लोगों की मौत हेलमेट न पहनने की वजह से हुई है। इसमें 18 से 34 साल की आयु वर्ग के 66% लोग हैं। गडकरी ने कहा कि स्कूलों में एग्जिट और एंट्री पॉइंट की ठीक व्यवस्था न होने के कारण 10 हजार बच्चों की मौत हो चुकी है। सड़क के नियमों जैसे- ड्राइविंग लाइसेंस न होना और सिग्नल का पालन न करने की वजह से भी लोगों को जान गंवानी पड़ी है। गडकरी ने कहा कि सरकार ई-रिक्शा के लिए सुरक्षा स्टार रेटिंग शुरू करने की भी योजना बना रही है। उन्होंने बताया कि सरकार वाणिज्यिक, खास तौर पर भारी वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आपातकालीन ब्रेकिंग सिस्टम और ड्राइवर को नींद आने पर ऑडियो-अलर्ट मैकेनिज्म पर काम करेगी। यह फैसला लिया गया है कि यह ट्रकों और बसों में भी लागू होगा।

2024 में भारतीय कंपनियों ने बेचीं रिकॉर्ड 41 लाख कारें

> देश में पहली बार कारों की सालाना बिक्री 40 लाख पार > 1.9 करोड़ दोपहिया भी बिके

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में कारों की रिटेल सेल पहली बार एक साल में 40 लाख से ऊपर निकल गई। 2024 के दौरान देश में 40.73 लाख कारों की बिक्री हुई। यह 2023 में बिकीं 38.73 लाख कारों के मुकाबले 5.18% ज्यादा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल एसोसिएशन (एफएडीए) के मुताबिक, बीते साल दोपहिया की रिटेल सेल भी 10.78% बढ़कर 1.89 करोड़ हो गई। इसके मुकाबले 2023 में 1.71 करोड़ दोपहिया बिके थे। हालांकि, टू-व्हीलर की सेल अब भी प्री-कोविड लेवल पर नहीं पहुंच पाई है। कोविड 19 से पहले देश में दोपहिया की सालाना बिक्री 2.1 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। बीते साल यह दो करोड़ से भी कम रही।

कॉमर्शियल व्हीकल सेल लगभग स्टेबल रहा

एफएडीए के प्रेसिडेंट सीएस विग्नेश्वर ने कहा, 'बीते साल ज्यादा गर्मी, इलेक्शन और अन-इवेन बरसात जैसी चुनौतियों के बावजूद वाहनों की कुल रिटेल सेल 9.11% बढ़ी। हालांकि कॉमर्शियल व्हीकल की रिटेल सेल में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला। कार सेल मेनली नेटवर्क एक्सपैंशन और नए मॉडल बाजार में आने से बढ़ी है। ऊंची इन्वेंट्री के चलते बाजार में डिस्काउंट वॉर भी देखने को मिला।' ऑटो इंडस्ट्री को उम्मीद है कि इस साल कारों की बिक्री 45 लाख के करीब पहुंच जाएगी। दोपहिया की बिक्री भी प्री-कोविड से ऊपर निकलने की संभावना जताई जा रही है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़ सकती है।

ओला इलेक्ट्रिक को सेबी की चेतावनी

कंपनी ने डिस्क्लोजर नियमों का उल्लंघन किया, बीएसई-एनएसई से पहले सोशल मीडिया पर दी थी जानकारी

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय स्टॉक मार्केट रेगुलेटर सेबी ने ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड को एक्सचेंज से पहले सोशल मीडिया पर अपनी एक्सपेंशन प्लान का ऐलान करने को लेकर फटकार लगाई है।

एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, 7 जनवरी को सेबी ने 'लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्कोजर रिक्वायरमेंट' रेगुलेशंस 2015 के कई सेक्शन का उल्लंघन करने सहित अन्य बातों के लिए कंपनी को ई-मेल के जरिए चेतावनी दी है।

दरअसल, 2 दिसंबर 2024 को सुबह 9:58 बजे ओला इलेक्ट्रिक के फाउंडर भाविश अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें कंपनी की 20 दिसंबर तक अपने सेल्स नेटवर्क को चार गुना बढ़ाने की योजना की घोषणा की। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को इसकी जानकारी दोपहर 1:36 बजे और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को इसकी जानकारी दोपहर 1:41 बजे दी।

सेबी ने कंप्लायंस स्टैंडर्स में सुधार करने के लिए कहा

सेबी ने अपने चेतावनी पत्र में लिखा है कि इन उल्लंघनों को बहुत गंभीरता से लिया गया है। आपको भविष्य में सावधान रहने और ऐसी घटनाओं को दोहराने से बचने के लिए अपने कंप्लायंस स्टैंडर्स में सुधार करने की चेतावनी और सलाह दी जाती है, नहीं तो उचित एनफोर्समेंट एक्शन की जा सकती है।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयर में 1.51% की गिरावट

अभी ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 1.51% की गिरावट के साथ 77.94 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है। पिछले 1 महीने में इस शेयर ने 15.23% का निगेटिव रिटर्न दिया है।

ओला इलेक्ट्रिक का शेयर बीएसई-एनएसई पर 9 अगस्त को लिस्ट हुआ था। इसका इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ 2 अगस्त से 6 अगस्त तक ओपन था।

दिन के निचले स्तर से 662 अंक संभला बाजार

सेंसेक्स 50 अंक गिरकर 78,148 पर बंद, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सबसे ज्यादा 2.16% गिरा

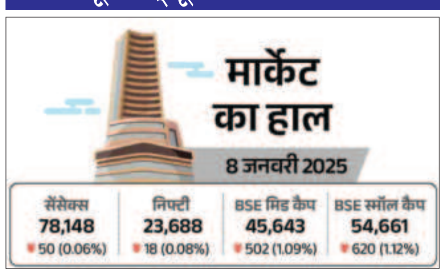

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सेंसेक्स आज यानी 8 जनवरी को 50 अंक की गिरावट के साथ 78,148 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स दिन के निचले स्तर 77,486 से 662 अंक संभला। वहीं निफ्टी भी 18 अंक (-0.08%) की तेजी के साथ 23,688 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी दिन के निचले स्तर 23,496 से 192 अंक रिकवर हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 में तेजी और 16 में गिरावट रही। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से 22 में तेजी और 28 में गिरावट देखने मिली। एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स में ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.54% की तेजी देखने को मिली। जबकि निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सबसे ज्यादा 2.16% गिरावट के साथ बंद हुआ।

सोने के दाम में तेजी, चांदी सस्ती

सोना 284 रुपए बढ़कर 77410 रुपए पर पहुंचा, चांदी 89468 रुपए प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में बुधवार (8 जनवरी) को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 284 रुपए बढ़कर 77,410 रुपए पर पहुंच गया है। मंगलवार को इसके दाम 77,126 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 6 रुपए गिरकर 89,468 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले ये 89,474 रुपए प्रति किलो पर थी। सोने ने पिछले साल 30 अक्टूबर को 79,681 प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं, चांदी 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,970 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,820 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 72,250 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,820 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,820 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,870 रुपए है। 2024 में गोल्ड ने 20% और सिल्वर ने 17% का रिटर्न दिया।

बीते साल सोने का भाव 20.22% बढ़ा। वहीं, चांदी की कीमत में 17.19% की बढ़ोतरी हुई। 1 जनवरी 2024 को सोना 76,583 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर 2024 को 76,948 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं इस दौरान, एक किलो चांदी की कीमत 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86,017 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

महंगे मकानों की बिक्री 85% बढ़ी

> मुंबई में टूटा 13 साल का रेकॉर्ड, दिल्ली-एनसीआर में आई गिरावट

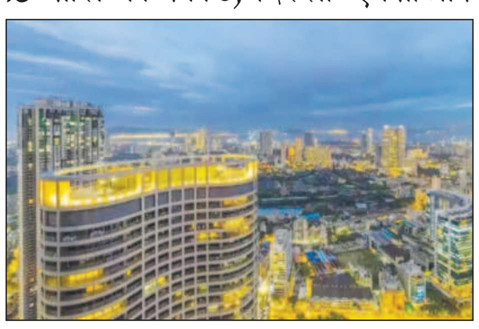

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर और मुंबई सहित देश के 8 प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री पिछले साल की दूसरी छमाही यानी जुलाई से दिसंबर के बीच 12 साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान 3 लाख 50 हजार 613 घर खरीदे गए। यह साल 2023 की इसी अवधि के मुकाबले 7% ज्यादा है। मुंबई में बिक्री 11% बढ़ने के साथ 13 वर्षों के रेकॉर्ड ऊंचे स्तर पर रही, लेकिन दिल्ली-एनसीआर में बिक्री 4% घट गई। दिल्ली-एनसीआर बड़े शहरों में इकलौता रहा, जहां कमी दर्ज की गई। यह बात नाइट फ्रैंक इंडिया की मंगलवार को जारी इंडिया रियल एस्टेट-रेजिडेंशल एंड ऑफिस रिपोर्ट में कही गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2 से 5 करोड़ रुपये तक के घरों की बिक्री सालाना आधार पर 85% बढ़ी, लेकिन 50 लाख रुपये से नीचे के घरों की बिक्री 9% कम रही। इस अफोर्डेबल कैटेगरी की हिस्सेदारी कुल बिक्री में 25% रही। 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक के घरों की बिक्री भी 10% घट गई। रिपोर्ट के मुताबिक, सालाना आधार पर 2024 की दूसरी छमाही में घरों के दाम सबसे अधिक 12% बेंगलुरु में बढ़े। इसके बाद हैदराबाद में 8% और चेन्नै में 7% बढ़त रही। मुंबई में 5% और दिल्ली-एनसीआर में 6% दाम बढ़े। 8277 रुपये प्रति स्क्वेयर फुट के साथ सबसे अधिक औसत भाव मुंबई में रहा। दिल्ली-एनसीआर में औसत भाव 5066 रुपये प्रति वर्ग फुट रहा।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और एमडी शिशिर बैजल ने कहा, '2020 के बाद से आवासीय बाजार में तेजी से सुधार हुआ है और 2024 में यह 12 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। प्रीमियम घरों की मांग तेजी से बढ़ रही है क्योंकि उपभोक्ता अब बेहतर सुविधाओं और हाई-एंड लाइफस्टाइल की चाहत रखते हैं।

एनएसओ के आंकड़ों के बाद एसबीआई ने वृद्धि दर के अनुमानों में की कटौती

प्रति व्यक्ति जीडीपी पर दी अच्छी खबर

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। एनएसओ के 6.4% वृद्धि दर के अनुमान के बाद एसबीआई ने भी अपने अनुमानों में कटौती कर दी है। एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाकर 6.3% कर दिया है। एसबीआई ने आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाली चुनौतियों का हवाला देते हुए अपने अनुमान में यह संशोधन किया है।

रिपोर्ट में कहा गया, वित्त वर्ष 25 के लिए जीडीपी वृद्धि नीचे आकर लगभग 6.3 प्रतिशत रह सकती है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, विनिर्माण और ऋण वृद्धि में मंदी, उच्च आधार प्रभाव के प्रभाव के साथ, वित्त वर्ष 25 के लिए वृद्धि दर की उम्मीदें कम हुई हैं। 2025 में भारत की प्रति व्यक्ति नॉमिनल जीडीपी 35 हजार रुपये बढ़ेगी। वास्तविक जीडीपी वृद्धि में मंदी और स्थिर नॉमिनल जीडीपी वृद्धि के बावजूद, प्रति व्यक्ति नॉमिनल जीडीपी वित्त वर्ष 25 में बेहतर हो सकती है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 25 में प्रति व्यक्ति नॉमिनल जीडीपी वित्त वर्ष 23 की तुलना में लगभग 35,000 रुपये अधिक होने का अनुमान है। व्यापक जीडीपी वृद्धि में गिरावट के बावजूद इस वृद्धि को सकारात्मक रूप से देखा जा सकता है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अपने पहले अग्रिम जीडीपी अनुमानों में, वित्त वर्ष 25 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद जताई है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि निजी खपत आर्थिक विकास के प्रमुख चालक के रूप में उभरी है, जिसने वित्त वर्ष 2025 में वास्तविक रूप से 7.3 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि दर्ज की है।

कुम्भ मेला 2025 के लिए रेलवे का महा इंतजाम! देशभर में दौड़ेंगी 13000 स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुम्भ मेला 2025 शुरु होने में बस कुछ दिन बाकी बचे हैं। भारतीय रेलवे ने बड़ी संख्या में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को संभालने के लिए कई इंतजाम किए है। महाकुंभ के विशाल आयोजन के दौरान लोगों को आने-जाने में सुगमता हो, इस बात का ध्यान रखते हुए रेलवे करीब 50 दिनों के दौरान 13000 ट्रेनें चला रही है। मेले से दो-तीन दिन पहले और बाद तक इन कुम्भ स्पेशल ट्रेनों को चलाया जाएगा।

विशेष व्यवस्था के तहत 10,000 नियमित ट्रेनों और 3,000 विशेष ट्रेनों को चलाया जाएगा। आयोजन के दौरान लगभग 700 लंबी दूरी की मेला स्पेशल ट्रेनें और लगभग 1,800 छोटी दूरी की ट्रेनें (200-300 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली) ऑपरेट की जाएंगी। इसके अलावा, चित्रकूट, बनारस, अयोध्या और प्रयागराज जैसे पवित्र जगहें जाने के इच्छुक तीर्थयात्रियों के लिए एक विशेष "रिंग रेल" सेवा शुरु की जाएगी। यह अनोखी ट्रेन प्रयागराज से शुरू होकर सर्कुलर रूट पर संचालित होगी।

बेंगलुरु से प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेनें

यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए साउथ वेस्टर्न रेलवे (एसडब्ल्यूआर) ने एक स्पेशल वन-वे कुम्भ मेला एक्सप्रेस शुरु करने का ऐलान किया है। ट्रेन 8 जनवरी 2025 को बेंगलुरु से रवाना होगी और 10 जनवरी को प्रयागराज पहुंचेगी। रास्ते में, कुंभ मेला एक्सप्रेस कई बड़े स्टेशनों-बंगारपेट, जोलारपेट्टई, काटपाडी, पेरंबूर, गुडुर, विजयवाड़ा, वारंगल, बल्हारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, नागपुर, इटारसी, जबलपुर, सतना और मानिकपुर पर रुकेगी। ट्रेन में 14 सामान्य द्वितीय श्रेणी, चार स्लीपर कोच और दो सामान सह ब्रेक वैन सहित 20 कोच होंगे।

हिमाचल से प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेनें

हिमाचल प्रदेश से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए ऊना से प्रयागराज तक 17 जनवरी 2025 को स्पेशल ट्रेन चलेगी। पहली ट्रेन (04528) ऊना से रात 10.5 बजे रवाना होगी और अगले दिन प्रयागराज के फाफामऊ जंक्शन पर शाम 6 बजे पहुंचेगी। यह स्पेशल सर्विस स्लीपर, जनरल और एसी थ्री-टीयर कोचों के साथ चलेगी। प्रयागराज से ऊना की वापसी यात्रा भी 18 जनवरी से शुरू होगी। ऊना और अन्य स्टेशनों से विशेष ट्रेनों की बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -06-52 सूर्यास्त. -17-54
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी . 12-22 तक उपरान्त एकादशी
मास - पौष शुक्ल, गुरुवार 09 January
नक्षत्र - भरणी 15-06 तक उपरान्त कृत्तिका
योग - साध्य 17-28 तक उप शुभ
करण- गर 12-22 तक उप वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - आचार्य जिनानंद सागर पुण्य

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	धनु	मे
चंद्र-	मेष	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	धनु	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	कुंभ	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
धनु----	05-07	बजे
मकर...	07-13	बजे
कुंभ -	09-03	बजे
मीन-	10-41	बजे
मेष---	12-17	बजे
वृष---	14-02	बजे
मिथुन	16-03	बजे
कर्क...	18-15	बजे
सिंह---	20-27	बजे
कन्या---	22-34	बजे
तुला----	00-40	बजे
वृश्चिक...	02-49	बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:47 से 15:10 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	06:52 - 08:13	शुभ	अमृत.	17:54 - 19:34	शुभ
रोग	08:13 - 09:37	अशुभ	चंचल.	19:34 - 21:10	शुभ
उत्पात	09:37 - 10:59	अशुभ	रोग.	21:10 - 22:47	अशुभ
चंचल	10:59 - 12:23	शुभ	काल	22:47 - 00:23	अशुभ
लाभ	12:23 - 13:47	शुभ	लाभ	00:23 - 02:00	शुभ
अमृत	13:47 - 15:10	शुभ	उत्पात	02:00 - 03:37	अशुभ
काल.	15:10 - 16:34	अशुभ	शुभ	03:37 - 05:13	शुभ
शुभ	16:34 - 17:54	शुभ	अमृत.	05:13 - 06:52	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा। अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे। आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं। लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें। आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा। आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा। आपको दया और कृतज्ञता दिखाते हुए बहादुर बने रहना होगा।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते। हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आप आसानी से अपना ध्यान कहीं एक जगह नही लगा पाते और इसीलिए ऐसे लोगों की बहुत प्रशंसा करते हैं।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे।आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे। हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज सावधान रहें। आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी। इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
इस बात के लिए अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है? ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं। अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें | इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा। वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं। इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है। आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा। ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें।आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है। ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं। अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें। बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी। लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें। हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा। समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सिर्फ 2 फीट नीचे दबी आईईडी होती है डिटेक्ट

बस्तर-बीडीएस के पास गहराई में बम ढूंढने की तकनीक नहीं निर्माणाधीन-उखड़ी सड़क ही इस्तेमाल करते हैं नक्सली

जगदलपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। यह बस्तर में हुई वो नक्सल घटनाएं हैं, जहां नक्सलियों ने निर्माणाधीन या उखड़ी हुई सड़क के नीचे आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) दबाकर रखी थी। कमांड आईईडी का एक बटन दबाया और बस से लेकर जवानों से भरी गाड़ियों को ब्लास्ट कर उड़ा दिया। ऐसा नहीं है कि इन सड़कों पर कभी सर्च ऑपरेशन और डी-माइनिंग नहीं हुई। लेकिन बीडीएस का मेटल डिटेक्टर इन आईईडी को डिटेक्ट नहीं कर पाया।

क्योंकि, बस्तर में तैनात बीडीएस की टीम को दिए गए मेटल डिटेक्टर की आईईडी ढूंढने की क्षमता केवल 2 फीट ही है। सड़क से लेकर पगडंडी पर माओवादियों ने अगर 5 से 7 फीट अंदर 50-50 किलो की भी आईईडी प्लांट कर रखी है, तो जवान उसे ढूंढ नहीं पाएंगे। जब तक बारूद की गंध न आए, तब तक फोर्स के खोजी कुत्ते भी

आईईडी ढूंढने में नाकाम रहते हैं।

हाल ही में 6 जनवरी को बीजापुर में हुई घटना का यही सबसे बड़ा कारण है। जवानों को बेदरे कैंप से कुटरू की तरफ लाने से पहले इलाके में आरओपी यानी रोड ओपनिंग पार्टी निकाली गई थी। बीडीएस की टीम भी मौजूद थी। लेकिन, आईईडी को डिटेक्ट नहीं कर पाई। धमाके में 8 डीआरजी जवान समेत एक वाहन चालक शहीद हो गए। बस्तर में जवानों को नक्सलियों से आमने-सामने की लड़ाई और गोलियों से ज्यादा जमीन के अंदर दबे बारूद से खतरा होता है। कई बार जवान सर्च ऑपरेशन पर निकलते हैं, तो माओवादी उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए पेड़ या फिर पगडंडी रास्तों पर डेढ़ से दो फीट अंदर आईईडी दबाकर रखते हैं। ये ज्यादातर 2, 3 या फिर 5 किलो की छोटी-छोटी प्रेशर आईईडी होती है। पैर पड़ने पर धमाका हो जाता है। माओवादी सड़कों के नीचे करीब 5 से 7 फीट अंदर कमांड आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) प्लांट कर रखते हैं। ये आईईडी 40, 50, 60 या फिर 70 किलो की होती है। ज्यादा नीचे इसलिए दबाते हैं ताकि जवान इसे खोज न पाएं, या फिर किसी भी तरफ से आईईडी को कोई नुकसान न पहुंचे वह सुरक्षित रहे। 50-60 किलो की आईईडी की क्षमता इतनी होती है कि वह बख्तर बंद गाड़ी के भी परखच्चे उड़ा देती है। बीजापुर में हुए ब्लास्ट में माओवादियों ने महज 60 किलो की आईईडी का इस्तेमाल किया था। धमाके के बाद वाहन समेत जवानों के शवों के अंग करीब 500 मीटर दूर तक पड़े मिले। बीजापुर बीडीएस की टीम के एक जवान खेतु राम सोरी ने बताया कि, अभी उनकी टीम जिस मशीन का इस्तेमाल कर रही है। उससे करीब डेढ़ से 2 फीट अंदर बड़ी आईईडी को वे ढूंढ पाते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि यह मशीन ज्यादा अंदर दबी आईईडी को नहीं ढूंढ पाती है और बाद में कोई बड़ी घटना हो जाती है। जवान ने कहा कि अगर उन्हें अच्छी मशीनें मिले तो नक्सलियों के हर मंसूबों को नाकाम कर देंगे।

ड्राइवर समेत 4 बच्चों की मौत

स्कूली बच्चों से भरे ऑटो पर पलटा ट्रक, सरकार ने 13 जनवरी तक बंद किए हैं स्कूल

रामगढ़, 8 जनवरी (एजेंसियां)। रामगढ़ के गोला स्थित मठवाटांड दामोदर रेस्टोरेंट के पास स्कूली बच्चों से भरे ऑटो का एक्सीडेंट हो गया। इस हादसे में ऑटो चालक और गुडविल मिशन स्कूल तिरला के तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कई बच्चे घायल हो गए। एक्सीडेंट होते ही वहां पर चीख पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोग भागे-भागे मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए घायल बच्चों को निकाला। सभी घायलों को गोला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक आलू लदा एलपी ट्रक बोकारो से गोला की ओर आ रहा था। इसी दिशा से स्कूली बच्चों से भरा ऑटो भी आ रहा था। इसी दौरान ट्रक ने ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद अनियंत्रित ट्रक ऑटो पर ही पलट गई। कई बच्चे ट्रक की चपेट में आ गए। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग जुट गए। सड़क को जाम कर दिया। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस लोगों को समझाने में जुट गई।

लीजेंड्स-90 क्रिकेट लीग, रायपुर में तमन्ना भाटिया देंगी परफॉर्मेंस

क्रिस गेल लगाएंगे शॉट, रैना छत्तीसगढ़ के लिए खेलेंगे, 6 से 18 फरवरी तक होंगे मैच

रायपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। 'आज की रात मजा हुस्न' सॉन्ग से हर जगह चर्चा में आई एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया रायपुर आ रही हैं। जो शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कई बॉलीवुड स्टार्स के साथ परफॉर्मेंस देंगी। दरअसल, रायपुर में 6 से 18 फरवरी तक इंटरनेशनल लीजेंड्स-90 क्रिकेट लीग होने वाला है। जिसमें क्रिकेटर क्रिस गेल, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, युवराज सिंह खेलते नजर आएंगे। इसमें छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी भी अपना हुनर दिखाएंगे। इससे पहले, लीजेंड्स-90 क्रिकेट लीग को श्रीलंका में आयोजित किया गया था। ये भी चर्चा है कि, सोनू निगम, हार्डी संधू, विशाल मिश्रा जैसे सिंगर्स भी आएंगे। आयुष्मान खुराना समेत कई एक्टर्स भी रायपुर में होने वाले इस क्रिकेट इवेंट में दिखेंगे।

क्रिकेट लीग के सीओओ तरुणेश परिहार ने बताया कि, इस बार छत्तीसगढ़ इसकी मेजबानी करेगा। इसके सभी मैच रायपुर में खेले जाएंगे। इस लीग के टॉप प्लेयर्स में सुरेश रैना, शिखर धवन, ड्वेन ब्रेवो, हरभजन सिंह, क्रिस गेल, युसुफ पठान, कोरी एंडरसन, मोइन अली और तिलकरत्ने दिलशान हैं।

छत्तीसगढ़ वॉरियर्स की संभावित टीम भी घोषित कर दी गई है। इसमें सुरेश रैना, मार्टिन गुप्टिल, अंबाती रायडु, पवन नेगी, सिद्धार्थ कौल, गुरकिरत सिंह मान, ऋषि धवन, उन्मुक्त चंद, अभिमन्यु मिथुन, कॉलिन डी, शेल्डन जैक्सन, केवन कूपर, विशाल कुशवाहा (छत्तीसगढ़) और अभिषेक साकुजा रहेंगे। इस लीग में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को भी मौका दिया जा रहा है। प्रदेश के अनुभवी खिलाड़ियों को टीम फ्रेंचाइज ने सी कैटेगरी में रखा है। इसमें मुख्य रूप से विशाल कुशवाहा, अमित मिश्रा, पुलिसकर्मी कलीम खान, पंकज राव, जतिन सक्सेना और मनोज सिंह शामिल हैं। इस टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ियों को 3 ए, बी और सी कैटेगरी में बांटा गया है। जिसके आधार पर उन्हें मैच फीस दी जाएगी। ए कैटेगरी में सभी इंटरनेशनल खिलाड़ी शामिल हैं। जबकि बी कैटेगरी में घरेलू क्रिकेट खेल चुके खिलाड़ियों को जगह दी गई है। सी कैटेगरी में कम अनुभव वाले खिलाड़ी शामिल हैं। ये क्रिकेट मैच 15 ओवर के होंगे। इसमें छत्तीसगढ़ वॉरियर्स, बिग बॉस, दुबई जाएंट, दिल्ली रॉयल्स, राजस्थान किंग, हरियाणा ग्लेडियेटर्स, गुजरात सम्प्रमी नाम की टीमें होंगी। लीग का ड्राफ्ट नवा रायपुर के एक रिजॉर्ट में हुआ। इसमें तय मैच फीस के हिसाब से टीम ओनर्स ने खिलाड़ियों को चुना। समारोह में मुख्य रूप से इंटरनेशनल क्रिकेट कमेंटेटर चारु शर्मा, बिग बॉस फेम शैफाली बग्गा शामिल रहीं।

सीसीएल कर्मी की गोली मारकर हत्या

सीने और सिर पर मारी गोली रंगदारी में हत्या की आशंका

रामगढ़, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बाइक सवार अपराधियों ने बुधवार को सीसीएल कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बरका सयाल क्षेत्र के उरीमारी कोलियरी के पास की है। गोली सीने और सिर पर मारी गई है। आशंका जाहिर की जा रही है कि रंगदारी मामले में यह हत्या की गई है। मृतक की पहचान संतोष सिंह के रूप में की गई है। संतोष बाइक से सुबह ड्यूटी से घर आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बीच रास्ते में बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें रोका और कुछ देर बातचीत की। इसी बीच उनके सीने और सिर में दो गोली मारकर भाग निकले। स्थानीय लोगों ने संतोष सिंह को अस्पताल पहुंचाया। यहां से उन्हें रांची रेफर कर दिया गया, जहां डॉक्टर ने संतोष को मृत घोषित कर दिया। सूत्रों के अनुसार, कोयला का वर्चस्व और लोकल सेल में लेवी को लेकर हत्या की जाने की चर्चा है। संतोष लोकल सेल से जुड़े हुए थे।

शहीद पिता को 2 महीने के बेटे ने दी अंतिम-विदाई

चिता पर मासूम को देखकर रो पड़ी भीड़, पत्नी बोली, नक्सलियों को मिले इससे बदतर मौत

रायपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर नक्सल ब्लास्ट में शहीद दंतेवाड़ा के जवान सुदर्शन वेट्टी का मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। उससे पहले चिता पर सुदर्शन के 2 महीने के बेटे अयान को लाया गया। जिसने पिता को अंतिम विदाई दी। वो ठीक से पापा की गोद में खेल भी न सका था कि, उसके सिर से पिता का साया उठ गया।

दरअसल, 2 महीने का यह बच्चा भीड़-भाड़ में घबरा रहा था। इस कदर पिता की चिता पर बच्चे को देखकर पूरी भीड़ रो पड़ी। पत्नी ने कहा कि, नक्सलियों को मेरे पति से भी बदतर मौत मिलनी चाहिए। वहीं, मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जब यह वीडियो देखा, तो उन्होंने लिखा कि, नक्सलियों कान खोलकर सुन लो हमारे जवानों की शहादत बेकार नहीं जाएगी। शहीद को अंतिम विदाई देने के लिए पहुंचे लोगों ने भारत माता के जयकारे लगाए। भीड़ में पीछे बदहवास रोती हुई

शहीद सुदर्शन की पत्नी प्रमिला तिलम भी चल रही थी। उसी की गोद में 2 महीने का अयान रो रहा था। अब यह बच्चा कभी अपने पिता की गोद में नहीं खेल पाएगा। प्रमिला ने मीडिया से कहा कि, जो मौत मेरे पति को मिली है, उससे बदतर मौत नक्सलियों को मिलेगी। सुदर्शन वेट्टी की पिछले साल ही 2024 जून में शादी हुई थी। दुखद इत्तेफाक है कि जिस 6 तारीख को अयान ने जिंदगी के 2 महीने पूरे किए, उस दिन ही उसके पिता नक्सलियों के हमले में शहीद हो गए। बता दें कि, बीजापुर जिले में नक्सलियों ने 6 जनवरी को जवानों को लेकर जा रहे वाहन को ब्लास्ट कर उड़ा दिया था। हमले में दंतेवाड़ा डीआरजी के 8 जवान शहीद हो गए और एक ड्राइवर की भी मौत हो गई। आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी ने बताया कि, संयुक्त ऑपरेशन पार्टी ऑपरेशन पूरा कर वापस लौट रही थी।अंबेली गांव के पास नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया था। धमाका इतना जोरदार था कि सड़क पर करीब 10 फीट गहरा गड्ढा हो गया और वाहन के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी के कुछ पार्ट्स 30 फीट दूर एक पेड़ पर 25 फीट ऊंचाई पर मिले।

सीएम विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया पर बच्चे का वीडियो शेयर कर लिखा कि, शहीद सुदर्शन की शहादत को छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूलेगा। 2 महीने के एक मासूम और अबोध बेटे ने अपने शहीद पिता को अंतिम विदाई देने का यह मार्मिक दृश्य, हर दिल को झकझोर देने वाला है। सुदर्शन जैसे वीर हमारे छत्तीसगढ़ की शान हैं। उनके और अन्य शहीदों के बलिदान ने नक्सल उन्मूलन के हमारे संकल्प को और मजबूत किया है। नक्सली कान खोलकर सुन ले, हमारे वीर जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

दुर्ग के 3 पाकिस्तानी अब कहलाएंगे हिंदुस्तानी

2007 में आए थे भारत, कलेक्टर ने दिया भारतीय नागरिकता प्रमाण-पत्र, अभी भी सैकड़ों लोग इंतजार में

दुर्ग, 8 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में रह रहे 3 पाकिस्तानियों को नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत भारत की नागरिकता मिल गई है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने उन्हें नागरिकता प्रमाण पत्र दे दिया है। अब वो भारतीय कहलाएंगे।

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने बताया कि, रामी बाई, बेबी हर्षिता और मयंक साल 2007 में पाकिस्तान से भारत आए थे। दुर्ग के वार्ड क्रमांक-26 सिंधी कॉलोनी में रहने लगे। उस समय उन्होंने भारत की नागरिकता के लिए अप्लाई किया था। अनुमति मिलने के बाद तीनों काफी खुश हैं। बता दें कि, दुर्ग जिले में सैकड़ों की संख्या में पाक विस्थापित हिंदू रह रहे हैं। सभी ने भारत की नागरिकता पाने के लिए आवेदन

किया है। सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) लागू होने के बाद इनके लिए यह प्रक्रिया काफी सरल हो गई है। सीएए के तहत 2014 से या इससे पहले से भारत में रह रहे पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने का प्रावधान है।

सीएए लागू होने से पहले भारत की नागरिकता पाने के लिए यहां 12 साल से अधिक का निवासी होना अनिवार्य था। इतना ही नहीं नागरिकता पानी की प्रक्रिया भी काफी कठिन थी। अब सीएए लागू होने के बाद यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो गई है। भारत की नागरिकता पाने वाले लोगों का कहना है कि, भारत की नागरिकता मिलने से वो लोग काफी खुश हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को इसके लिए धन्यवाद देते हैं।

एचएमपीवी वायरस, स्वास्थ्य मंत्री बोले- छत्तीसगढ़ में इमरजेंसी सिचुएशन नहीं

जायसवाल ने कहा- महाराष्ट्र में मिले हैं संक्रमित, विभाग अलर्ट, घबराने की जरूरत नहीं

रायपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मंगलवार को एचएमपीवी वायरस को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने बैठक बुलाई। विभाग के अधिकारियों से उन्होंने वायरस के जो केस आए उन पर बात की। साथ ही प्रदेश में जांच और किसी भी आपात परिस्थिति से निपटने की तैयारी की भी रिपोर्ट ली। अफसरों ने मंत्री को बताया कि स्वास्थ्य विभाग किसी भी प्रकार की आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि, एचएमपीवी वायरस से घबराने की जरूरत नहीं है, प्रदेश में कोई इमरजेंसी सिचुएशन नहीं है। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में इसके संक्रमित लोग मिले हैं। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि, स्वास्थ्य विभाग में विशेषज्ञों की टीम इस वायरस के बारे में निगरानी रख रही है। इसके लक्षण और प्रभाव के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। कोरोना महामारी के बाद से ही किसी भी

प्रकार के आपात स्थिति को लेकर विभाग तैयार है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि, यह वायरस पहले भी रिपोर्ट किया जा चुका है और इससे घबराने की कोई बात नहीं है, लेकिन सावधानी बरतना जरूरी है। आम जनता स्वच्छता पर जोर दे। हमारी पूरी कोशिश है कि इस वायरस को रोके और साथ ही इससे लड़ने के लिए जनता को भी जागरूक करें। एक्सपर्ट्स ने बताया कि एचएमपीवी वायरस से बचने के लिए, भीड़ वाली जगह से दूरी बना कर रखें, सर्दी खांसी बुखार वाले मरीजों के संपर्क में नहीं आएं, सर्दी खांसी बुखार के लक्षण पर तत्काल स्थानीय अस्पताल में जांच कराएं। ताकि किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। खांसते और छींकते समय मुंह और नाक को रूमाल से ढंके। अपने हाथों को साबुन और सैनेटाइजर से साफ करते रहें। बीमार हैं तो घर पर रहें, ज्यादा पानी पीएं और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। सर्दी, खांसी और बुखार होने पर या सामान्य स्थिति में भी टिशू पेपर का दोबारा इस्तेमाल न करें। बार-बार आंख नाक और मुंह को न छूएं। सार्वजनिक स्थानों पर न थूकें और डॉक्टर से सलाह लिए बिना किसी भी दवा का इस्तेमाल न करें। एचएमपीवी वायरस खांसने, छींकने से निकलने वाले ड्रॉपलेट्स, संक्रमित व्यक्ति से हाथ मिलाने या नजदीकी संपर्क में आने से फैलता है। साथ ही गंदी जगह सतह पर हाथ लगाने के बाद मुंह, नाक या आंखों को छूने से फैलता है। सर्दी, खांसी, बुखार और सर्दियों में सांस लेने में परेशानी इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ गंभीर केसेस में निमोनिया और ब्रोंकाइटिस भी इस बीमारी के लक्षण हैं। देश के कुछ राज्यों में इसके मरीज मिलने की सूचना मिलते ही राज्य के स्वास्थ्य विभाग का अमला अपनी तैयारी में जुट गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यह एक सामान्य रेस्पिरेटरी वायरस है जो आम तौर पर सर्दी के दिनों में दिखाई पड़ता है।

पांडेय गिरोह गैंगवार की कहानी आई सामने

हजारीबाग जेल से रची गई साजिश, विकास तिवारी मास्टरमाइंड, पतरातू की निशि पांडेय और निशांत सिंह अरेस्ट

रांची, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के गरदा गांव में रविवार की मारे गए भरत सिंह उर्फ भरत पांडेय और दीपक साव उर्फ डुल्ला की हत्या के पीछे का मास्टर माइंड हजारीबाग जेल में बंद विकास तिवारी है। विकास तिवारी भोला पांडेय-किशोर पांडेय गिरोह से ताल्लुक रखने वाला है। फिलहाल यह गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव की हत्या के जुर्म में हजारीबाग जेल में आजीवन सजा काट रहा है। इसने ही दोनों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए गुर्गे भेज हत्या करा दी। विकास पांडेय को भोला पांडेय गिरोह का सरगना भी माना जाता है। वह भोला पांडे का भांजा है। पहले भोला पांडे और फिर किशोर पांडे की हत्या के बाद गिरोह का संचालन विकास तिवारी ही कर रहा था। विकास तिवारी रामगढ़ के पतरातू का रहने वाला है। इस गैंगवार की जांच करते हुए पलामू पुलिस की एसआईटी ने रामगढ़ पुलिस के सहयोग से बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने पतरातू के स्टीम कॉलोनी स्थित आवास से गैंगस्टर

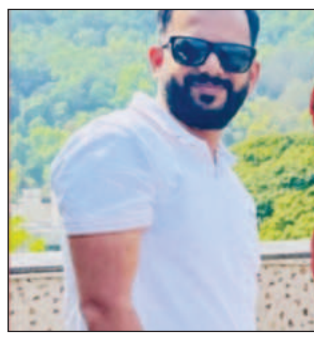

किशोर पांडेय की पत्नी निशि पांडेय और उसके भाई निशांत सिंह को गिरफ्तार किया है। गैंगस्टर किशोर पांडेय की पत्नी निशि पांडेय वर्तमान में कोयला यूनियन जनता मजदूर संघ की केंद्रीय उपाध्यक्ष भी है। पुलिस दोनों को पलामू लाया गया और कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। इस हत्याकांड के पीछे की जो कहानी सामने आई है, उसके मुताबिक पांडेय गिरोह भरत सिंह उर्फ भरत पांडेय और दीपक साव उर्फ डुल्ला के बढ़ते वर्चस्व से परेशान हो रहा था। दोनों पतरातू के जयनगर के रहने वाले हैं। ये दोनों पहले पांडेय गिरोह के लिए काम करते थे। बाद में गिरोह से नाता तोड़ कर अपना अलग गैंग बना रहे थे। इसी से परेशान हो कर पांडेय गिरोह के विकास तिवारी ने दोनों की हत्या करवा दी। इस मामले में भरत सिंह उर्फ भरत पांडेय के पिता प्रदीप पांडेय ने 11 लोगों पर नामजद एफआईआर कराया है। एफआईआर में भरत पांडेय के पिता ने बताया है कि भरत 8 महीने पहले जेल से बाहर निकाला था। हजारीबाग जेल में बंद विकास तिवारी के इशारे पर लगातार धमकी दी जा रही थी। इसी एफआईआर पर कार्रवाई करते हुए पलामू पुलिस ने सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद के नेतृत्व में एसआईटी बनाई और निशि पांडेय और निशांत सिंह को अरेस्ट किया है। भरत पांडेय के मौसेरे भाई संयोग सिंह को पुलिस ने घटना के बाद हिरासत में ले लिया है। संयोग के बेटे का जन्मदिन मनाने भरत वहां आया था। भरत का गाड़ी संयोग ही चलाता था। पुलिस संयोग से पूछताछ में लगी है। संयोग के साथ ही मारे गए अपराधियों के फोन को खंगाला जा रहा है। रविवार की रात वारदात वाले इलाके में एक्टिव मोबाइल फोन की जानकारी जुटाई जा रही है। इस गोलीबारी के दौरान भरत पांडेय को अपराधियों ने 13 गोलियां मारी गई है।

मंईयां सम्मान राशि नहीं मिलने से महिलाओं में आक्रोश

अंचल कार्यालय के बाहर रोड जाम, कहा- पैसे सबको दीजिए या किसी को नहीं

धनबाद, 8 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद में कई लाभुकों को मंईयां सम्मान राशि नहीं मिलने से महिलाएं खासा नाराज हैं। बुधवार को महिलाएं अंचल कार्यालय पहुंची और यहां कर्मचारियों को ना देख भड़क उठी। इसके बाद सभी ने रोड जाम कर दिया और मंईयां सम्मान योजना का पोस्टर फाड़कर सड़क पर आगजनी की।

महिलाओं का कहना है कि उन्हें राशि क्यों नहीं मिली, यह बताना वाला भी कोई नहीं है। या तो मंईयां सम्मान राशि सबको मिले या किसी को नहीं मिले। इधर, अंचल कार्यालय पहुंची कई युवतियां इतनी उग्र हो गईं कि अंचल कार्यालय के बाहर लगे सरकार की महत्वकांक्षी योजना मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का पोस्टर भी फाड़ दिया। पोस्टर को सड़क पर फेंक कर छोटे-छोटे टुकड़े कर जला दिया। महिलाओं ने आगे इससे भी बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। सड़क जाम और पोस्टर जलाने तक प्रशासन का कोई भी अधिकारी वहां मौजूद नहीं था। इधर, महिलाओं का कहना है पिछले चार-पांच दिनों से अंचल कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। यहां पर आने के बाद कार्यालय के बाहर ताला लटका मिलता है। ऐसे में हम सब मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का फॉर्म त्रुटि कहां जांच कराए।

इस मामले को लेकर हम सब डीसी ऑफिस भी गए। वहां पर बताया कि आप लोग अंचल कार्यालय जाइए। यहां पहुंचे तो अधिकारी-कर्मचारी के इंतजार में लगभग 200 से 300 महिलाएं खड़ी दिखीं। महिलाओं ने कहा- झारखंड सरकार योजना को आधी महिलाओं में बांट रही है और आधी को नहीं दे रही है। अगर लाभ देना है तो सभी महिलाओं को दें नहीं तो बंद कर दें।

खेत में ट्रैक्टर पलटने से महिला समेत दो की मौत

जामताड़ा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। जामताड़ा में बुधवार को ट्रैक्टर पलटने से एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायल हो गए। मरने वालों में ट्रैक्टर का चालक और एक महिला मजदूर शामिल है। घटना जामताड़ा जिले के मिहिजाम थाना क्षेत्र के शहरडाल-चंद्रडीपा रोड पर कोलपाड़ा के पास घटी है। ड्राइवर का नियंत्रण हटने से ट्रैक्टर असंतुलित हो गया और खेत में निर्माणाधीन एक मकान के पास जा पलटा। इसमें दबकर दो की मौत हुई है और दो घायल हुए हैं।

ईसा मसीह पर टिप्पणी, विधायक बोलीं- कब्रिस्तान की जरूरत क्यों

भाजपा विधायक रायमुनि भगत पर एफआईआर, 10 जनवरी को कोर्ट में रखना होगा पक्ष

जशपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर से बीजेपी विधायक रायमुनि भगत पर एफआईआर हुई है। ये एफआईआर ईसा मसीह के खिलाफ विवादित टिप्पणी मामले में दर्ज की गई है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विधायक को नोटिस जारी कर 10 जनवरी को अपना पक्ष रखने भी कहा है। जशपुर की भाजपा विधायक रायमुनि भगत के खिलाफ जब पुलिस ने केस नहीं किया तो 10 दिसंबर 2024 को कोर्ट में याचिका लगाई गई थी। अब बीएनएस की धारा 196, 299 और 302 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। घटना बीते साल 1 सितंबर को

आस्ता थाना इलाके के ढेंगनी गांव में हुई थी। इस गांव में भुईहर समाज के सामाजिक भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में रायमुनि भगत शामिल हुई थीं। इस दौरान विवादित टिप्पणी करने का आरोप धर्म परिवर्तन कर चुके आदिवासी लगा रहे हैं। उनका आरोप है कि, इस कार्यक्रम में संबोधन के दौरान विधायक ने ईसा मसीह पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि अगर ईसा मसीह मरने के बाद जीवित हो सकते हैं, तो मतांतरितों को कब्रिस्तान की जरूरत क्यों पड़ती है? इस बयान को ईसा मसीह का अपमान बताते हुए मतांतरितों ने जिले के सभी थाना और चौकी में एफआईआर दर्ज करने का आवेदन दिया था। इस पर पुलिस ने मामले की जांच के बाद विधायक के भाषण में कुछ विवादित नहीं पाया। इस पर ग्राम ढेंगनी निवासी हेरमोन कुजूर ने 10 दिसंबर 2024 को जिला न्यायालय में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता विष्णु कुलदीप ने 6 लोगों के बयान दर्ज कराने के साथ वीडियो की सीडी कोर्ट में पेश की। जज अनिल चौहान ने याचिका लगाने वाले के आरोप को सुनवाई योग्य माना। सुनवाई के बाद विधायक रायमुनि भगत को नोटिस भेजा गया है। 10 जनवरी को कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष रखने कहा गया है। इस मामले मे विधायक रायमुनि भगत ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

भारतवंशी अनीता आनंद बन सकती हैं कनाडा की पीएम

पेशे से वकील, 2019 से सांसद, चौतरफा दबाव के बाद पीएम ट्रूडो ने पद छोड़ा था

ओटावा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद भारतीय मूल की सांसद अनीता आनंद का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रमुखता से लिया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सत्ताधारी लिबरल पार्टी इस साल होने वाले संसदीय चुनाव से पहले नया प्रधानमंत्री चुन सकती है। बुधवार यानी आज पार्टी के नेशनल कॉकस की बैठक भी होने वाली है। माना जा रहा है कि पार्टी में अनीता के नाम पर सहमति बन सकती है। अगर ऐसा होता है तो वो कनाडा में प्रधानमंत्री पद पर पहुंचने वाली पहली अश्वेत महिला होंगी। फिलहाल जब तक कोई नया नेता नहीं चुन लिया जाता, तब तक ट्रूडो पद पर बने रहेंगे। अनीता आनंद लिबरल पार्टी की सीनियर मेंबर हैं। वह 2019 से कनाडाई संसद की सदस्य भी हैं। उन्होंने ट्रूडो सरकार में कई प्रमुख विभागों को संभाला है, जिसमें पब्लिक सर्विस और खरीद मिनिस्ट्री, नेशनल डिफेंस मिनिस्ट्री और ट्रेजरी बोर्ड के अध्यक्ष की जिम्मेदारी शामिल है। वह 2024 से ट्रांसपोर्ट और इंटरनल ट्रेड मिनिस्टर हैं। बता दें कि पार्टी नेताओं की तरफ से लगातार बढ़ते दबाव के बाद प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 6 जनवरी को पार्टी लीडर और पीएम दोनों पद से इस्तीफा दे दिया था। उनकी सरकार का कार्यकाल अक्टूबर तक था। वे नवंबर 2015 में देश के प्रधानमंत्री बने थे। 57 साल की अनिता पेशे से वकील हैं। उन्होंने 2019 में कनाडा की ओकविले सीट से पहला संसदीय चुनाव जीता था, जिसके बाद उन्हें उसी साल सार्वजनिक सेवाओं और खरीद का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। अनिता कनाडा का रक्षा मंत्रालय संभालने वाली दूसरी महिला हैं। इससे पहले 1990 में किम कैंबल ने ये जिम्मेदारी संभाली थी। अनिता के पिता तमिलनाडु जबकि मां पंजाब की रहने वाली थीं। हालांकि अनिता का जन्म और पालन-पोषण कनाडा के ग्रामीण क्षेत्र नोवा स्कोटिया में हुआ था। उन्होंने क्वीन्स यूनिवर्सिटी से पॉलिटिकल साइंस में आर्ट्स ग्रेजुएशन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से न्यायशास्त्र में आर्ट्स ग्रेजुएशन, डलहौजी यूनिवर्सिटी से लॉ ग्रेजुएशन और टोरंटो यूनिवर्सिटी से लॉ में मास्टर्स किया है।

अनीता टोरंटो यूनिवर्सिटी की एसोसिएट डीन भी रह चुकी हैं। उन्होंने 1995 जॉन नोल्टन से शादी की, जो एक कनाडाई वकील और बिजनेस एग्जीक्यूटिव हैं। उनके 4 बच्चे हैं। अनीता आनंद लैंगिक समानता की मुखर समर्थक रही हैं। वो एलजीबीटीक्यूआईए+ अधिकारों का सपोर्ट करती हैं। उन्होंने सेक्शुअल मिसकंडक्ट से लड़ने और कनाडाई डिफेंस फोर्सेज में कल्चरल परिवर्तन लाने के लिए पहल भी की थी। बता दें कि प्रोग्रेसिव कंजर्वेटिव पार्टी की किम कैंपबेल 1993 में कनाडा की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं थीं, जिसके बाद से अब तक कोई महिला कनाडा में प्रधानमंत्री पद पर नहीं पहुंची है।

थाईलैंड की यात्रा के बाद चीनी अभिनेता लापता

बैंकाक, 8 जनवरी (एजेंसियां)। एक चीनी अभिनेता थाईलैंड की यात्रा के बाद लापता हो गया था। उसे म्यांमार सीमा के पास उस क्षेत्र में पाया गया, जहां ऑनलाइन घोटाला नेटवर्क संचालित होता है। थाई पुलिस ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभिनेता मानव तस्करी का शिकार हो गया था। चीनी अभिनेता की पहचान वैंग जिंग के तौर पर की गई है। उनके परिवार वालों ने थाईलैंड में चीनी दूतावास से मदद की गुहार लगाई थी।

अधिकारियों को वैंग मंगलवार को म्यांमार से मिला। वे अभिनेता को पूछताछ के लिए थाइलैंड लेकर आए। तस्वीरों और वीडियों में देखा गया कि वैंग पुलिस के साथ बैठा दिख रहा है, लेकिन उसका सिर मुंडवाया हुआ था।

वैंग ने पुलिस को बताया कि उसे एक प्रमुख थाई मनोरंजन कंपनी द्वारा नौकरी देने के वादे का लालच दिया गया था। लेकिन नौकरी देने की बजाय उसे सीमा पार म्यांमार ले जाया गया।

ट्रम्प ने हमास को बंधकों की रिहाई का अल्टीमेटम दिया

कहा– 20 जनवरी से पहले बंधकों को नहीं छोड़ा तो मिडिल ईस्ट में तबाही मच जाएगी

वॉशिंगटन, 8 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फिलिस्तीनी उग्रवादी गुट हमास को 20 जनवरी से पहले बंधकों को रिहा करने की चेतावनी दी है। ट्रम्प ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर 20 जनवरी से पहले इजराइल से किडनैप किए गए बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो यह हमास के लिए अच्छा नहीं होगा। सच कहूं तो किसी के लिए अच्छा नहीं होगा। ट्रम्प पहले भी कई बार हमास से बंधकों को रिहा करने को कह चुके हैं। बता दें कि 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। कतर में बंधकों को रिहाई को लेकर इजराइल और हमास की लीडरशिप में बातचीत जारी है। इसे लेकर डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा-

ट्रम्प ने आगे कहा कि बंधकों को बहुत पहले ही रिहा कर दिया जाना चाहिए था। 7 अक्टूबर का हमला कभी होना ही नहीं चाहिए था। लोग इसे भूल जाते है, लेकिन ऐसा हुआ था और कई लोग मारे गए थे। मुझे इजराइल और अन्य जगहों से बंधकों के परिवारों से फोन आ रहे हैं। लोग में मुझसे अपील कर रहे हैं कि मैं उनके अपनों को हमास की कैद से छुड़ा लूं। हमास ने कुछ अमेरिकन लोगों को भी कैद कर रखा है। लोग मेरे पास रोते हुए आते हैं और कहते हैं- क्या मैं उनके बच्चों के शव वापस ला सकता हूं? उन्होंने 19-20 साल की एक खूबसूरत लड़की कार में ऐसे फेंक दिया जैसे वो आलू की बोरी हो।

हाल में ट्रम्प के स्पेशल एनवॉय स्टीवन चार्ल्स विटकॉफ मिडिल ईस्ट से लौटे हैं।

उन्होंने मीडिया से कहा कि मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता कि बंधकों की रिहाई में देरी किस वजह से हुई। नेगेटिव होने का कोई मतलब नहीं है। मैं बहुत कुछ नहीं कहना चाहता, क्योंकि मुझे लगता है कि कतर में अच्छा काम हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मैं कल वापस दोहा जाने के लिए रवाना हो रहा हूं। लेकिन मुझे लगता है कि हमने इस मामले में काफी अच्छा डेवलपमेंट किया है। मुझे उम्मीद है कि ट्रम्प के शपथ ग्रहण से पहले हमारे पास कुछ अच्छी खबर होगी, जिसका ट्रम्प ऐलान करेंगे। हमास और इजराइल में बीते शुक्रवार से बंधकों की रिहाई को लेकर कतर में बात जाती है।

मैक्रों का मस्क पर जर्मनी चुनाव में दखल का आरोप

विपक्षी पार्टी को समर्थन दे रहे मस्क, नॉर्वे पीएम बोले– लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं

पेरिस, 8 जनवरी (एजेंसियां)। टेस्ला चीफ इलॉन मस्क लगातार दुनियाभर के मुद्दों पर राय जाहिर करते हैं। मस्क कुछ देशों में राइट विंग की पार्टियों का भी खुलकर समर्थन करते हैं। इसे लेकर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मस्क की आलोचना की है। मैक्रों ने सोमवार को मस्क का नाम लिए बिना कहा कि वे कई देशों के चुनाव में दखल दे रहे हैं।

सोमवार को ही नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने कहा था कि वो यूरोपीय देशों के आंतरिक मामलों में मस्क के हालिया बयानों से काफी चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और सहयोगी देशों में ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए।

जर्मन चांसलर ने मस्क को बताया ट्रोल

इससे पहले जर्मनी की सत्ताधारी पार्टी मस्क पर फेडरल इलेक्शन को प्रभावित करने का आरोप लगा चुकी है। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने रविवार को मीडिया से एक सवाल के जवाब में मस्क को ट्रोल कह दिया था। उन्होंने कहा कि मैं मस्क का समर्थन नहीं करता और न ही ट्रोल को बढ़ावा देता हूं। दरअसल, जर्मनी में फरवरी में चुनाव हैं। इसमें मस्क खुलकर विपक्षी पार्टी अल्टरनेटिव फर ड्यूशलैंड (एएफडी) का समर्थन कर रहे हैं। इससे पहले जर्मन सरकार के एक प्रवक्ता ने मस्क का नाम लेकर कहा था कि उनके कैंपने से कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि जर्मन वोटरों पर मस्क का मामूली असर है। उन्होंने कहा कि जर्मनी में समझदार और सभ्य लोग ज्यादा हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के बाद इलॉन मस्क का कद तेजी से बढ़ा है। मस्क ट्रम्प सरकार में विवेक रामास्वामी के साथ मिलकर डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी यानी डीओजीई संभालेंगे। इस डिपार्टमेंट का मकसद सरकारी खर्च को एक तिहाई तक कम करना है।

सौम्या चौरसिया को जमानत, लेकिन रिहाई नहीं

आय से अधिक संपत्ति केस में रायपुर स्पेशल कोर्ट ने दी राहत, 60 दिन में चालान नहीं पेश हुआ

रायपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्य सेवा की निलंबित अफसर सौम्या चौरसिया को जमानत मिल गई है। हालांकि जमानत के बाद भी सौम्या का जेल से निकलना मुश्किल है क्योंकि उन पर दूसरे केस भी चल रहे हैं। फिलहाल उन्हें आय से अधिक संपत्ति मामले में राहत मिली है। बताया जा रहा है कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में एंटी करप्शन ब्यूरों की ओर से 60 दिनों में कोर्ट में चालान पेश नहीं किया गया। इसी के चलते एसीबी-ईओडब्ल्यू स्पेशल कोर्ट से जमानत मिल गई है। एसीबी की ही ओर से उन पर कोल लेवी घोटाला पर भी केस दर्ज है। सौम्या के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि 7 जनवरी को जमानत याचिका लगाई गई थी। सौम्या पर जिन धाराओं के तहत केस तर्ज हुआ है उनमें चार साल से दस साल तक की सजा का प्रावधान है। ऐसे में इस तरह की सजा के लिए 60 दिनों के अंदर चालान पेश करना होता है। एसीबी की ओर से 60 दिनों में चालान पेश नहीं हुआ था। मंगलवार को 61वां दिन था और जमानत याचिका लगी थी। जमानत आवेदन पर रायपुर के स्पेशल कोर्ट में दोनों पक्षों के बीच बहस हुई। इसके बाद कोर्ट ने सौम्या को जमानत दी है।

यूक्रेनी सेना का दावा

रूस के सारातोव में किया ड्रोन से हमला, ईंधन भंडारण डिपो में लगी आग

कीव, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दो साल से ज्यादा समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में आय दिन कोई ना कोई बड़े हमले की खबर सामने आती रहती है। इसी बीच यूक्रेनी सेना ने बुधवार को कहा कि उसने रूस के सारातोव क्षेत्र में एक ईंधन भंडारण डिपो पर हमला किया, जिसके कारण एक महत्वपूर्ण रूसी हवाई अड्डे की आपूर्ति करने वाली सुविधा में भीषण आग लग गई। रूसी अधिकारियों ने इस हमले को स्वीकार किया और बताया कि इस क्षेत्र में एक बड़े ड्रोन हमले के बाद, आग बुझाने के लिए एक आपातकालीन कमांड सेंटर स्थापित किया गया है। मामले में यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने कहा कि यह हमला रूस के सारातोव क्षेत्र के एंगेल्स के पास हुआ, जो यूक्रेनी सीमा से लगभग 600 किलोमीटर दूर है। डिपो ने पास के एक हवाई अड्डे को ईंधन आपूर्ति की, जिसका उपयोग ऐसे विमानों द्वारा किया जाता है जो यूक्रेन में मिसाइलें लॉन्च करते हैं।

ट्रम्प बोले-गल्फ ऑफ मैक्सिको का नाम गल्फ ऑफ अमेरिका करेंगे

वॉशिंगटन, 8 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ ले रहे डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा वे 'गल्फ ऑफ मैक्सिको' का नाम बदलकर 'गल्फ ऑफ अमेरिका रखेंगे'। मार ट्रम्प ने कहा कि यह नाम ज्यादा 'सुंदर' लगता है और यही नाम रखना सही भी है। ट्रम्प ने कहा कि इस इलाके में अमेरिका की ज्यादा मौजूदगी है। अमेरिका इस इलाके में सबसे ज्यादा एक्टिविटी करता है इसलिए ये जगह अमेरिका की है। ट्रम्प ने कहा कि बहुत जल्दी ही किसी तारीख को गल्फ का नाम बदलने की घोषणा की जाएगी।

हालांकि ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि वे गल्फ ऑफ मैक्सिको का नाम कैसे बदलेंगे। गल्फ ऑफ मैक्सिको को अक्सर अमेरिका का 'तीसरा तट' कहा जाता है, क्योंकि यह अमेरिका के 5 राज्यों से सटी हुई है। गल्फ ऑफ मैक्सिको को 400 साल से भी ज्यादा समय से इस नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह नाम अमेरिकी शहर 'मैक्सिको' से लिया गया था। हालांकि पहली बार नहीं है जब गल्फ ऑफ मैक्सिको का नाम बदलने की चर्चा हुई है। साल 2012 में, मिसिसिपी एक रिप्रेजेंटेटिव ने गल्फ ऑफ मैक्सिको के कुछ हिस्सों का नाम बदलकर 'गल्फ ऑफ अमेरिका' करने का विधेयक प्रस्तावित किया था। वह विधेयक बाद में एक समिति को भेजा गया था जो पारित नहीं हो पाया। अमेरिका और मैक्सिको दोनों ही इंटरनेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑर्गेनाइजेशन (आईएचओ) के सदस्य हैं। यह एजेंसी दुनिया के सभी समुद्रों, महासागरों का सर्वेक्षण करती है। आईएचओ के पास जगहों के नाम बदलने की भी जिम्मेदारी है। हालांकि सामान्य तौर पर नाम बदलने के लिए दोनों पक्षों की सहमति जरूरी है।

जापान का दावा- चीनी हैकर्स ने पांच साल में किए 200 से ज्यादा साइबर हमले

टोक्यो, 8 जनवरी (एजेंसियां)। जापान ने बुधवार को कहा कि एक चीनी हैकर समूह 'मिरर फेस' ने पिछले पांच वर्षों में 200 से अधिक साइबर हमले किए। इन हमलों में जापान की राष्ट्र सुरक्षा और उच्च तकनीकी वाले डाटा को निशाना बनाया गया।

जापान की राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी (एनपीए) ने इन हमलों की रणनीतियों की जानकारी साझा की और सरकार और कारोबारियों से सुरक्षा उपायों को मजबूत करने का आग्रह किया। एनपीए के मुताबिक, 2019 से 2024 तक 'मिरर फेस' की ओर से किए गए साइबर हमलों की जांच की गई, जिसमें पाया गया कि यह हमले योजनाबद्ध तरीके से किए गए और इनका मकसद जापान की राष्ट्रीय सुरक्षा और उन्नत तकनीक से जुड़ा डाटा चुराना था। इन हमलों में जापान के विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, अंतरिक्ष एजेंसी और कुछ निजी कंपनियों, पत्रकारों, राजनेताओं और तकनीकी थिंक टैंक को निशाना बनाया गया। ये हमले चीन की सरकार के समर्थन से किए गए।

विशेषज्ञों ने कई बार कहा है कि जापान अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत कर रहा है और अमेरिका व अन्य देशों के साथ मिलकर साइबर सुरक्षा बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। जापान ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन और सुधार की जरूरत है। एनपीए ने कहा, मिरर फेस ने 2019 से 2023 के बीच विभिन्न लक्षित संगठनों और व्यक्तियों को ई-मेल भेजे, जिनमें मैलवेयर (दोषपूर्ण सॉफ्टवेयर) होते थे। ये ई-मेल जीमेल और माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक के पते से भेजे गए गए थे, जो किसी की पहचान का इस्तेमाल करते थे।

चीन के थ्री गॉर्जेस बांध ने बदली पृथ्वी के घूमने की रफ्तार

नासा दे रहा चेतावनी, ड्रैगन की ब्रह्मपुत्र नदी पर सबसे बड़ा डैम बनाने की तैयारी

बीजिंग, 8 जनवरी (एजेंसियां)। चीनी सरकार तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बना रही है। इस बांध से ना सिर्फ तिब्बत बल्कि भारत और बांग्लादेश के लिए भी खतरा पैदा होगा। एक तरफ दुनियाभर के एक्सपर्ट हिमालयी क्षेत्र में बन रहे इस बांध के खतरे से आगाह कर रहे हैं तो वहीं नासा ने चीन नें पहले से मौजूद अभी तक के सबसे बड़े बांध 'थ्री गॉर्जेस डैम' पर बड़ा खुलासा किया है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अपनी एक रिसर्च के आधार पर दावा किया है कि चीन के थ्री गॉर्जेस डैम की वजह से धरती के घूमने की गति कम हुई है। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के इस बांध की वजह से धरती के घूमने की रफ्तार में 0.06 माइक्रोसेकंड की कमी आई है। यह दिखाता है कि इंसान की बनाई चीजें पृथ्वी की प्राकृतिक प्रक्रियाओं को किस तरह प्रभावित कर सकती हैं। नासा ने बताया है कि चीन में

थ्री गॉर्जेस डैम से पृथ्वी के घूमने की गति में आया 0.06 माइक्रोसेकंड का बदलाव भले ही मामूली लगे लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यह बताता है कि इंसान को बड़े निर्माण करते हुए सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि इससे कुदरत प्रभावित ना हो।

नासा के अनुसार थ्री गॉर्जेस डैम में जिस बड़ी तादाद में पानी जमा होता है, उससे पृथ्वी की सतह पर द्रव्यमान का वितरण बदल जाता है। घूर्णन गतिकी के चलते ये पृथ्वी के जड़त्व आघूर्ण को बदलता है। जड़त्व आघूर्ण किसी वस्तु के घूमने के प्रतिरोध का माप है। नासा के बेंजामिन फोंग चाओ के अनुसार, पृथ्वी का जड़त्व आघूर्ण उसके घूमने की क्षमता को प्रभावित करता है। अगर अधिक द्रव्यमान ध्रुवों की ओर स्थानांतरित हो जाए, तो पृथ्वी तेजी से घूम सकती है। द्रव्यमान भूमध्य रेखा की ओर फैले तो वह धीमी गति से घूमती है। यांग्त्जी नदी के बांध के कारण पानी हटने से यह संतुलन बदला है, जिससे पृथ्वी का घूर्णन धीमा हो गया है।

चीन का थ्री गॉर्जेस डैम मानव निर्मित सबसे बड़ी संरचनाओं में से एक है। यह यांग्त्जी नदी से 185 मीटर (607 फीट) ऊंचा है और 2 किलोमीटर (1.2 मील) से ज्यादा लंबा है। इसका विशाल आकार 40 अरब घन मीटर पानी को समाहित कर सकता है। पानी की यह विशाल मात्रा पर्यावरणीय प्रभाव डालते हुए पृथ्वी के घूर्णन को बदल रही है। दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत बांध होने के नाते थ्री गॉर्जेस डैम 22,500 मेगावाट बिजली पैदा करता है, जो कई देशों की क्षमता से भी ज्यादा है।

सिंध प्रांत में अतिक्रमण हटाने का अभियान हुआ हिंसक

अधिकारियों-भीड़ के बीच झड़प, 12 पुलिसकर्मी घायल

कराची, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अतिक्रमण हटाने का अभियान हिंसक हो गया। इस दौरान अधिकारियों और भीड़ के बीच झड़प हो गई, जिसमें 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह झड़प मंगलवार को हैदराबाद शहर के कसीमाबाद में हुई। एक सिंचाई चैनल को बहाल करने और भूमि पर 24 फुट चौड़ी सड़क बनाने के लिए अतिक्रमण और संरचनाओं को हटाने के लिए पुलिस एक मजबूत बैकअप के साथ मौके पर पहुंचे। उन्हें वहां स्थानीय लोगों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों पर पथराव किया, जिसमें कुछ सरकारी वाहनों के शीशे टूट गए। जब कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग की और आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसके कारण कई नागरिक घायल हो गए। हैदराबाद के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) जैनुल आबिदीन मेमन ने कहा, पिछले दिन की झड़प के बाद बुधवार को भी अभियान जारी था। इस अभियान का नेतृत्व सिंचाई विभाग कर रहा है। मेमन ने बताया कि कासिमाबाद सहायक आयुक्त के सर्वेक्षण के अनुसार क्षेत्र में 350-400 अतिक्रमित संरचनाएं मौजूद थीं। हालांकि, स्थानीय लोगों ने अपनी एक अलग कहानी बताई। लोगों ने आरोप लगाया कि उन्होंने निर्मित संरचनाओं को 10 लाख रुपये से अधिक में खरीदा है। उन्होंने बताया कि उनके पास बिल भी है। एक व्यक्ति ने दावा किया कि कई लोग यहां 2010 से ही रह रहे हैं। झड़पों के बाद अधिकारियों ने अतिक्रमित भूमि पर सेना सुरक्षा बढ़ा दी है और क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति भी काट दी है।

यूनुस सरकार ने शेख हसीना का पासपोर्ट रद्द किया

जुलाई हिंसा मामले में गिरफ्तारी वारंट भी जारी, भारत ने हसीना का वीजा बढ़ाया

ढाका, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश सरकार ने मंगलवार को जुलाई में हुई हिंसा को लेकर हसीना समेत 97 लोगों का पासपोर्ट रद्द कर दिया है। हसीना का पासपोर्ट रद्द होने के कुछ देर बाद ही भारत सरकार ने उनका वीजा बढ़ा दिया। इससे साफ हो गया है कि भारत हसीना को बांग्लादेश डिपोर्ट नहीं करेगा।

इससे पहले 6 जनवरी को बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल ने हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था और उन्हें 12 फरवरी तक पेश होने का निर्देश दिया था। बांग्लादेश की अंतरिम सरकारी भी हसीना को डिपोर्ट करने के लिए सरकार से अनुरोध कर चुकी है। बांग्लादेश के इंडिपेंडेंट इन्क्वायरी कमीशन के हेड मेजर जनरल फजलुर रहमान का कहना है कि अगर भारत शेख हसीना को डिपोर्ट नहीं करता है तो, कमीशन उनसे भारत आकर पूछताछ करने को भी तैयार है। बांग्लादेश की सरकारी न्यूज एजेंसी बीएसएस के मुताबिक, यूनुस के प्रवक्ता ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि पासपोर्ट विभाग ने जबरन गायब किए गए 22 लोगों के पासपोर्ट रद्द कर दिए हैं, जबकि शेख हसीना सहित 75 लोगों के पासपोर्ट जुलाई में हुई हत्याओं में शामिल होने के कारण रद्द किए गए हैं। दरअसल, 5 अगस्त को तख्तापलट के बाद शेख हसीना ने भागकर भारत में पनाह ले ली थी। वे तब से यही पर हैं। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद बनी यूनुस सरकार ने हसीना पर हत्या, अपहरण से लेकर देशद्रोह के 225 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। साल 2013 की बात है। भारत के नॉर्थ-ईस्ट उग्रवादी समूह के लोग बांग्लादेश में छिप रहे थे। सरकार उन्हें बांग्लादेश में पनाह लेने से रोकना चाहती थी। इसी वक्त बांग्लादेश के प्रतिबंधित संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन के लोग भारत में आकर छिप रहे थे। दोनों देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए एक प्रत्यर्पण समझौता किया। इसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के यहां पनाह ले रहे भगोड़ों को लौटाने की मांग कर सकते हैं। हालांकि इसमें एक पेंच ये है कि भारत राजनीति से जुड़े मामलों में किसी व्यक्ति के प्रत्यर्पण से इनकार कर सकता है, लेकिन अगर उस व्यक्ति पर हत्या और किडनैपिंग जैसे संगीन मामले दर्ज हों तो उसके प्रत्यर्पण को रोका नहीं जा सकता। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक इस समझौते की बदौलत, बांग्लादेश ने 2015 में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम के नेता अनूप चेतिया को भारत को सौंपा था। भारत भी अब तक बांग्लादेश के कई भगोड़ों को वापस भेज चुका है। समझौते में 2016 में हुए संशोधन के मुताबिक, प्रत्यर्पण की मांग करने वाले देश को अपराध के सबूत देने की जरूरत भी नहीं है।

बाइडन ने दिया धोखा तो भारत की राह पर दोस्त इजरायल

लेगा अमेरिकी हथियारों से 'आजादी', कर दिया बड़ा ऐलान

तेलअवीव, 8 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायल की सरकार ने गाजा युद्ध से सबक लेते हुए हथियारों को अपने देश में ही बनाने को लेकर बड़ा ऐलान किया है। इजरायल की सरकार ने इल्बिट सिस्टम को देश में तबाही मचाने वाले भारी बम बनाने को कहा है। दरअसल, गाजा युद्ध के दौरान जब इजरायल को हथियारों और भारी बमों की सख्त जरूरत थी तब अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने अपने हथियारों की सप्लाई में जानबूझकर देरी कर दिया था। इसको लेकर हाल ही में इजरायल की डिफेंस प्लानिंग कमेटी ने चेतावनी दी थी और अमेरिका से हथियारों की निर्भरता पर आगाह किया था। अब इजरायल की सरकार ने दिग्गज हथियार बनाने वाली कंपनी इल्बिट सिस्टम से 27 करोड़ 50 लाख डॉलर का समझौता किया है। इससे पहले भारत ने भी विदेशी हथियारों पर निर्भरता को कम करने के लिए मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भरता पर बड़ा जोर दिया है। इजरायल के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक दो रणनीतिक समझौते हुए हैं जिसके तहत हजारों की तादाद में हवा से गिराए जाने वाले बम बनाए जाएंगे। इसके अलावा कच्चा माल बनाने के लिए एक राष्ट्रीय सुविधा केंद्र भी बनाया जाएगा। इजरायल के इस कदम का मकसद हथियार बनाने के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करना और विदेशी आयात पर से निर्भरता को कम करना है। इजरायली मीडिया के मुताबिक गाजा युद्ध के दौरान एक समय बाइडन प्रशासन ने इजरायल को भारी बम देने में जानबूझकर देरी कर दी। बाइडन नेतन्याहू सरकार की नीतियों से नाखुश थे।

इसके अलावा इजरायल को विदेशी स्रोतों से कच्चा माल हासिल करने में भी दिक्कत आई। इसकी वजह से इजरायल को लगा कि उसे आयातित रक्षा सप्लाई से निर्भरता खत्म करनी होगी। इसी वजह से इजरायल अब अपने हथियारों का उत्पादन बढ़ाना चाहता है। इजरायल जो राष्ट्रीय सुविधा केंद्र बनाने जा रहा है, वह बम बनाने में इजरायल को मदद करेगी। इससे इजरायल की सेना अपनी लंबी अवधि की कार्रवाई की क्षमता को मजबूत करेगी। इजरायल को उम्मीद है कि जल्द ही इजरायल बम बनाने के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा। इजरायल और अमेरिका के बीच गाजा और लेबनान युद्ध शुरू होने के बाद से ही हथियारों की सप्लाई को लेकर तनाव देखा गया है। यही नहीं अब इजरायल को डर सता रहा है कि नाटो देश तुर्की के साथ भी उसे निकट भविष्य में संघर्ष में उतरना पड़ सकता है। अमेरिका ने भारी बम देने से पहले शर्त रखी थी कि इजरायल गाजा में मानवीय मदद भेजने की अनुमति दे। यही नहीं बाइडन की पार्टी ने तो हाल ही में इजरायल को हथियारों की सप्लाई रोकने या उस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाने के लिए वोट किया था।

भजनलाल सरकार ने बदला आईएम शक्ति उड़ान योजना का नाम

अब कालीबाई भील उड़ान योजना के नाम से जानी जाएगी

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। गहलोत राज की सरकारी योजनाओं के नाम बदलने का सिलसिला दूसरे साल भी जारी है। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने गहलोत राज की एक और योजना का नाम बदल दिया है। महिला अधिकारिता विभाग की आई एम शक्ति उड़ान योजना अब कालीबाई भील उड़ान योजना के नाम से जानी जाएगी। इस संबंध में सभी जिले के अधिकारियों को महिला अधिकारिता निदेशालय ने आदेश जारी कर दिया है।

बता दें कि इस योजना के तहत 10 से 45 साल तक की महिलाओं और बालिकाओं को निशुल्क सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराया जाता है। बता दें कि अब तक गहलोत राज की 11 योजनाओं के नाम बदले जा चुके है।

इससे पहले भजनलाल सरकार ने सत्ता में आते ही चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना का नाम बदलकर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना कर दिया था।

बीजेपी राज में इंदिरा रसोई योजना का नाम बदलकर अन्नपूर्णा रसोई, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का नाम बदलकर मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना, मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना का नाम बदलकर पन्नाधाय बाल गोपाल योजना किया गया।

वहीं, राजीव गांधी छात्रवृत्ति योजना का नाम बदलकर स्वामी विवेकानंद छात्रवृत्ति योजना, राजीव गांधी जल स्वावलंबन योजना का नाम बदलकर मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना और मुख्यमंत्री वरिष्ठ नागरिक तीर्थ योजना का नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय वरिष्ठ नागरिक योजना किया गया।

इन तीन योजनाओं को किया मर्ज

इसके अलावा इंदिरा महिला शक्ति उड़ान, इंदिरा महिला शक्ति जागरूकता शिक्षा कार्यक्रम और इंदिरा महिला एवं बाल विकास शोध संस्थान योजना को मर्ज करके कालीबाई भील संबल योजना नाम रखा गया।

हाईटेक चोरों ने आईओसी की पाइप लाइन में मारी सेंध

सुरंग बनाकर भारी मात्रा में क्रूड ऑयल चोरी

अलवर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। अलवर में बहरोड़ जिले के समीप शाहजहांपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की पाइप लाइन से भारी मात्रा में क्रूड ऑयल चोरी का मामला सामने आया है। ऑयल चोरों ने ऑयल चोरी करने के लिए एक प्लॉट किराए पर लेकर उसमें हाईटेक भूमिगत सुरंग बनाई हुई थी। दरअसल बीती 26 दिसंबर को इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की पाइप लाइन में प्रेशर कम होने के कारण चोरी की आशंका जताई गई थी, जिसके बाद रेवाड़ी के सहप्रबंधक हेमंत कुमार ने जांच की, जिसमें शाहजहांपुर टोल प्लाजा के पास बेलनी मार्ग पर चोरी का स्थान पता चला। शाहजहांपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई, जिसके बाद मामला एसओजी को सौंपा गया।

एसओजी और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त जांच में सुरंग के जरिए चोरी की पुष्टि की। सुरंग में चोरों ने वॉल्व फिट किया था, जिससे पाइप लाइन से तेल चुराया जा रहा था। हालांकि, सुरंग में लगे सीसीटीवी की डिवाइस गायब पाई गई, जिससे माना जा रहा है कि चोरी को रिमोट तकनीक से नियंत्रित किया गया था। एसओजी डीएसपी शिव कुमार भारद्वाज ने कहा कि इतनी सुनियोजित साजिश मिलीभगत के बिना संभव नहीं लगती, ऐसी स्थिति में शक की सुई आईओसीएल के कर्मियों की तरफ भी जा रही है। जिसके आधार पर पुलिस छानबीन कर रही है। टीम ने घटना स्थल से कुछ खाली ड्रम, वॉल्व और अन्य सामान जब्त किया गया है। बताया जा रहा है कि तेल चोरों ने पहले भी करीब 13 बार इस लाइन में सेंध लगाई है।

गौरतलब है कि करीब दस साल पहले भी इसी पाइप लाइन से चोरी का मामला सामने आया था। बहरहाल नीमराना डीएसपी सचिन शर्मा, शाहजहांपुर थानाधिकारी पुखराज मीना, एसओजी टीम और पुलिस बल घटना की गहराई से जांच में जुटे हुए हैं। चोरों की पहचान और उनकी सरगनाओं तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जोधपुर में भाजपा ने की 12 मंडल अध्यक्षों की घोषणा

एक महिला सहित नए चेहरों को मौका

जोधपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के तहत मंडल अध्यक्षों की घोषणा की गई है। इस बार 45 से कम उम्र की लिमिट रखने के कारण कई नए चेहरे राजनीति में सक्रिय हुए हैं। अभी जोधपुर शहर सहित ग्रामीण में भी जिला अध्यक्षों की नियुक्ति और 60 साल की उम्र सीमा को लेकर मंथन चल रहा है।

इनको सौंपी कमान

बता दें कि जोधपुर शहर में कुल 12 मंडल हैं और बुधवार को सभी 12 मंडल के अध्यक्षों के नाम की सूची जारी कर दी गई है। महामंदिर में विकास सामरिया, लालसागर में लक्ष्मण भाटी, पावटा में उमेश पलीया, राईका बाग में रणजीत सिंह राजपूत, खांडा फसला में अरविंद पुरोहित, त्रिपोलिया में पूजा सुराणा, रातानाडा में हरिसिंह पंवार, शास्त्री नगर में अमित प्रजापत, मसूरिया में सुरेश मेघवाल, चौपासनी में हेमंत जानयानी, सूरसागर में पंकज भाटी और प्रतापनगर में भैरुदास वैष्णव को मंडल अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है।

भाजपा देहात दक्षिण में मंडल अध्यक्षों की घोषणा

कुछ दिनों पहले ही भारतीय जनता पार्टी ने संगठन पर्व के तहत पहली मंडल अध्यक्ष की सूची जारी कर दी थी। जोधपुर देहात दक्षिण जिले के 13 मंडलों में अध्यक्ष बनाए गए हैं। इनमें से 11 चेहरे बदले गए हैं। महज 2 अध्यक्ष रिपीट किए गए हैं।

देहात जिला प्रभारी रामचरण बोहरा ने बताया कि संगठन को विस्तार देने की रणनीति अपनाई गई है। सह चुनाव प्रभारी डॉ. सोहन चौधरी ने बताया था कि मंडल अध्यक्षों के नाम को अंतिम रूप देने के लिए भोपाल सिंह बडला, जिला संगठन प्रभारी श्रवण बंजारा सहित अन्य मौजूद रहे। इसमें नए मंडल अध्यक्ष बनाए गए। 13 नए मंडल अध्यक्षों में से 11 बदले गए हैं।

मंडल प्रतिनिधि भी बनाए

भाजपा मंडल प्रतिनिधियों की भी घोषणा हुई। इसमें कुड़ी में फुसाराम, झंवर में पोलाराम पटेल, ओसियां में अमरचंद श्रीमाली, तिंवरी में पन्नालाल शर्मा, मथानिया में मदन देवड़ा, धनारी में करणसिंह, डांगियावास में उदाराम विश्नोई, पीपाड़ देहात में शैतान सिंह, बिलाड़ा शहर में सोहनलाल पटेल, बिलाड़ा उत्तर में प्रवीण सोनी मंडल प्रतिनिधि बने।

भाजपा देहात दक्षिण के ये मंडल अध्यक्ष

झंवर मंडल में श्रवण पटेल और पीपाड़ देहात में गणपत गोदारा को रिपीट किया गया हैं। इसके अलावा कुड़ी में दिनेश सिंह राजपुरोहित, लूणी में राकेश कुमार गोदारा, ओसियां में मनोहर राम विश्नोई, तिंवरी में ओमाराम, धनारी में प्रकाश सोनी, मथानिया में डॉ. कमल किशोर डागा, बावड़ी में रामदीन ग्वाला, बिलाड़ा शहर में माधव सिंह राठौड़, बिलाड़ा उत्तर में शिवराज सिंह, बिलाड़ा दक्षिण में सुमित्रा विश्नोई, डांगियावास में गंगाराम चौधरी को मंडल अध्यक्ष बनाया गया हैं।

जैसलमेर के बाद अब अलवर में फूटा पानी का फव्वारा, चौंक गए लोग

अलवर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर में फव्वारा निकलना चर्चा का विषय बना हुआ था। इसी बीच अलवर के फव्वारें का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल बहरोड़ के बीघाना गांव में एक चालू बोरवेल से तेज दबाव के साथ पानी का फव्वारा फूटने की घटना ने स्थानीय लोगों को चौंका दिया। इस दृश्य का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे यह घटना चर्चा का केंद्र बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों और बोरवेल संचालक राजकुमार के अनुसार पास के खेत में एक और बोरवेल की खुदाई भीलवाड़ा मशीन से की जा रही थी। खुदाई के दौरान दोनों बोरवेल के जल स्रोत आपस में जुड़ गए। इससे चालू बोरवेल में पानी का दबाव बढ़ गया और पानी तेज़ फव्वारे के रूप में बाहर आने लगा।

भीलवाड़ा मशीन को बंद करने के बाद पानी का प्रेशर खत्म हो गया और फव्वारा रुक गया। इस घटना ने गांव में कुछ समय के लिए सनसनी मचा दी, लेकिन असल कारण सामने आने के बाद स्थिति सामान्य हो गई।

कई लोगों ने इसे जैसलमेर की बोरवेल घटना से जोड़ा और अटकलें लगाईं। हालांकि, विशेषज्ञों के मुताबिक यह सिर्फ बोरवेल के जल स्रोतों के मिल जाने का परिणाम था।

इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद इसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर चर्चा हुई। यूज़र्स इस वीडियो को लगातार शेयर कर रहे हैं और वीडियो पर तरह-तरह के कमेंट भी आ रहे हैं।

नगर निगम राजस्व अधिकारी एसीबी की गिरफ्त में

फाइल आगे बढ़ाने के लिए मांगी 3 लाख की रिश्वत

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। यूडी टैक्स वसूलने वाली कंपनी का कामकाज आगे बढ़ाने के एवज में तीन लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में एसीबी ने अलवर नगर निगम के राजस्व अधिकारी युवराज मीणा को जयपुर में विधानसभा गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने रिश्वत लेने के लिए एक प्राइवेट व्यक्ति का सहारा लिया था।

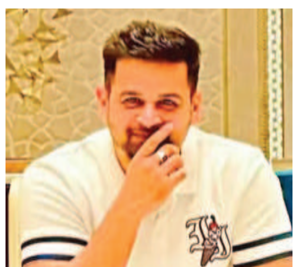

एसीबी के एएसपी अभिषेक पारीक ने बताया कि अलवर में यूडी टैक्स वसूलने वाली कंपनी ने हाल ही में टेंडर लिया था लेकिन राजस्व अधिकारी युवराज मीणा ने कंपनी का कामकाज आगे बढ़ाने के एवज में 3 लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। कंपनी के प्रतिनिधि ने इस संबंध में एसीबी को शिकायत दी थी। इसके बाद अधिकारी को रंगेहाथों पकड़ने के लिए बनाई गई योजना के तहत युवराज मीणा अपनी कार से विधानसभा गेट पहुंचा, जहां उसके साथ आए व्यक्ति ने रिश्वत ली। इसके बाद एसीबी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मीणा द्वारा भेजे गए व्यक्ति समेत सड़क के मोड़ पर कार में बैठे युवराज मीणा को भी रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद एसीबी ने युवराज मीणा के जयपुर के आमेर स्थित घर और अलवर नगर निगम कार्यालय में सर्च ऑपरेशन चलाकर फाइलों और प्रॉपर्टी के दस्तावेज खंगाले। सवेरे 4 बजे तक चली इस कार्रवाई में एसीबी द्वारा कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

राजस्व हानि का मामला

अलवर नगर निगम में होर्डिंग टेंडर को लेकर पहले से ही गड़बड़ी की शिकायतें आ रही थीं। टेंडर अटकने के कारण नगर निगम को हर साल करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान होता था। रिश्वत का यह मामला सामने आने के बाद अधिकारियों का मानना है कि जांच में भ्रष्टाचार के कई अन्य मामले उजागर हो सकते हैं।एसीबी फिलहाल जब्त दस्तावेजों की जांच कर रही है। युवराज मीणा पर लगे आरोपों की तहकीकात के साथ अन्य संभावित गड़बड़ियों पर भी ध्यान दिया जाएगा।

उम्मेदसागर बांध की नहर में गिरा बालक

9 साल के मासूम की डूबने से हुई मौत

भीलवाड़ा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा में आज सुबह हुई एक हृदय विदारक घटना में उम्मेदसागर बांध की नहर में 9 वर्षीय बालक विकास कहार की डूबने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब विकास खेलते हुए नहर के पास पहुंच गया और संतुलन बिगड़ने से उसमें डूब गया।

घटना की जानकारी मिलने पर शाहपुरा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार आर्य मौके पर पहुंचे।

उन्होंने बताया कि शाहपुरा कस्बे के रामपुरा आबादी क्षेत्र से होकर सिंचाई के लिए उम्मेदसागर बांध की नहर गुजरती है। विकास खेलते हुए नहर के पास गया और अचानक संतुलन खोकर उसमें गिर गया। तेज बहाव होने के कारण वह पानी में बह गया। स्थानीय लोगों ने बालक को बचाने का प्रयास किया और करीब डेढ़ घंटे तक कड़ी मशक्कत के बाद उसका शव मनोहर सिंह ने नहर से निकाला। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को शोक में डाल दिया है।

घटना की सूचना पर शाहपुरा नगर परिषद के सभापति रघुनंदन सोनी जिला चिकित्सालय पहुंचे, जहां उन्होंने मृतक के परिवारजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है और प्रशासन इसकी जांच कर आवश्यक कदम उठाएगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

घटना के बाद नहर के पास बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। पुलिस ने बालक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक बालक विकास कहार के माता-पिता नहीं होने के कारण वह अपने ननिहाल में रह रहा था।

भीषण सड़क हादसा, मामा-भांजा सहित 3 की मौत

डूंगरपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के डूंगरपुर में चौरासी थाना क्षेत्र के झौथरी मोड़ के समीप सड़क हादसे में घायल एक अन्य युवक की भी मौत हो गई। हादसे में मरने वालों की संख्या अब तीन हो गई है।

पुलिस के अनुसार झौथरी मोड़ के समीप ट्रैक्टर की टक्कर से मोटर साइकिल पर सवार तीन युवकों में से दो की मौत हो गई थी। वहीं डोर कुंचेला निवासी रवि पुत्र महिपाल गंभीर घायल हो गया था।

घायल का जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान रवि की भी मौत हो गई। पुलिस ने शव को जिला मुर्दाघर रखवाया। पुलिस ने हादसे में मृतक चिराग के पिता जयनारायण परमार की रिपोर्ट दर्ज कर तीनों शवों का पोस्टमार्टम करवाया।

ट्रैक्टर ने मारी थी टक्कर

उल्लेखनीय है कि झौथरी वड़कोला निवासी चिराग पुत्र जयनारायण परमार अपने भांजे गुजरात निवासी भव्य पुत्र दिलीप सुवेरा व दोस्त डोर कुंचेला निवासी रवि पुत्र महिपाल के साथ सीमलवाड़ा जा रहा था। पीछे से एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। इससे तीनों की मौत हो गई है।

इकलौता भाई था चिराग

मृतक चिराग के परिजनों ने बताया कि वह चार बहनों के बीच इकलौता भाई था।

वह वर्तमान में आईटीआई कर रहा था। चार दिन पहले उसका भांजा भव्य घर आया। इस पर मामा भांजा खेत पर फसलों की रखवाली करने गए थे। इस पर उसके पिता ने चिराग को फोन कर दोनों को घर जाने के लिए कहा था। फोन करने के दस मिनट के बाद ही पिता को सड़क हादसे में चिराग व भव्य की मौत की सूचना मिली।

करवाना था स्कूल में दाखिला

परिजनों ने बताया कि भांजा भव्य चार दिन पहले अपने मामा के घर पर आया था।

भव्य का सुरपुर मॉडल स्कूल में नवीं कक्षा में प्रवेश करवाना था, लेकिन सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई। वहीं, रवि गुजरात में मजूदरी का काम करता था और वह चार दिन पहले परिजनों के लोकाचार में आया था। इसके बाद वह कुछ दिनों में गुजरात वापस जाने वाले था।

साइबर ठगी का पर्दाफाश

शातिर ठग को पुलिस ने गिरफ्तार कर नगदी बरामद की

दौसा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दौसा जिला पुलिस ने साइबर ठगों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए एक साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार ठग के पास मिले मोबाइल नंबर व बैंक खातों पर देशभर में 77 मुकदमे दर्ज है। इस साइबर ठग के पास एटीएम और चेकबुक का जखीरा भी बरामद किया गया है। दौसा पुलिस अधीक्षक रजिता शर्मा ने बताया कि लालसोट थाना अधिकारी रामनिवास के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा एंटी वायरस अभियान के तहत एक साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। बता दें कि दौसा में साइबर क्राइम के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई एवं विशेष अमियान एंटी वायरस के तहत जिला दौसा की साइबर सेल को इंडियन साइबर क्राइम द्वारा संचालित प्रतिबिंब पोर्टल पर सूचना प्राप्त हुईं थी कि एक साइबर अपराधी जिला दौसा के लालसोट थाना इलाके में रहकर साइबर ठगी कर रहा है। इसी सूचना पर पुलिस थाना लालसोट पर एक संयुक्त टीम का गठन कर एंटी वायरस के तहत साइबर ठगी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर मामला दर्ज किया गया था।

इधर अभियुक्त जिला दौसा व इसके आसपास के क्षेत्र के लोगों को पैसों का लालच देकर अलग अलग बैंकों में खाता खुलवाता और साइबर ठगी की राशि को प्राप्त करने के लिए इन बैंक खातों का उपयोग करता था। यह बदमाश इतना शातिर है कि साइबर ठगी की राशि से अलग-अलग क्रिप्टो करेंसी प्लेटफोर्म के माध्यम से USDT और क्रिप्टो कॉइन खरीद कर अपने आसपास के इलाके में अनाधिकृत रूप से USDT और क्रिप्टो कॉइन बेचकर नगद राशि प्राप्त करता था।

पकड़े जाने के बाद पुलिस को इस शातिर बदमाश के कब्जे से 97 एटीएम कार्ड, 23 मोबाइल फोन, 31 सिम कार्ड, 44 बैंक पासबुक, 7 बैंक चेकबुक, कई बैंक खाते मोबाइल में लॉगिन, 37 बैंक खाते व 95 हजार रुपये नगद मिली है।

बसों में चोरी करने वाली हरियाणा की सांसी गैंग का पर्दाफाश, आरोपी गिरफ्तार

पाली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पाली शहर में 9 महीने पहले एक महिला के बैग से हुए 24 तोला सोने के गहनों की चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने हरियाणा की सांसी गैंग का पर्दाफाश कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने अब दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो हरियाणा के रहने वाले हैं। इससे पहले पुलिस एक आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान सुरेन्द्र और जोगेन्द्र के रूप में हुई है, जोकि हरियाणा के सांसी गैंग से जुड़े हुए हैं। गौरतलब है कि चोरी की घटना 20 अप्रैल 2024 को हुई थी, जब पीड़ित महिला ढिढोरा गांव जा रही थी। उसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने महिला के सूटकेस में रखे 24 तोला सोने के गहने चोरी कर लिए थे।

पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू की और रोडवेज बस स्टैंड पाली से लेकर जोधपुर बस स्टैंड के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। इसमें आरोपियों के बारे में सुराग हाथ लगे, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि इससे पहले भी एक आरोपी राजेन्द्र को गिरफ्तार किया जा चुका है और अब सुरेन्द्र और जोगेन्द्र से पूछताछ की जा रही है।

परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र ने फांसी लगाई

कोटा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। देश का कोचिंग हब कहे जाने वाले कोटा से साल की शुरुआत में एक दुखद खबर सामने आई है, जहां एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक छात्र की पहचान नीरज नावा के रूप में हुई है, जो हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले का निवासी था और वर्तमान में शहर के राजीव गांधी नगर इलाके में एक हॉस्टल में रहकर प्रतियोगी प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था। सूचना मिलते ही जवाहर नगर थाने की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने छात्र के परिजनों को इस घटना की सूचना दे दी है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। गौरतलब है कि देशभर से यहां लाखों छात्र बेहतर भविष्य की तलाश में आते हैं लेकिन पढ़ाई का दबाव और अन्य मानसिक तनाव कई बार गंभीर रूप से प्रभाव डालता है। प्रशासन द्वारा छात्रों को मानसिक दबाव से बचाने के लिए बनाई गई कई गाइड लाइनों के बावजूद इस प्रकार की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रशासन और अभिभावकों के लिए यह समय है कि छात्रों की मानसिक स्थिति पर ध्यान दिया जाए और उन्हें सकारात्मक माहौल प्रदान किया जाए ताकि इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके।

चार नकाबपोश बदमाशों ने आभूषण की दुकान को बनाया निशाना

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

सीकर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सीकर जिले में पड़ रही कड़ाके की सर्दी चोरों के लिए एक बड़ा सहारा बनती जा रही है। चोर इस समय लगातार चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। चोरों ने श्रीमाधोपुर के गौशाला रोड पर स्थित एक आभूषण की दुकान को निशाना बनाते हुए करीब चार लाख रुपये के जेवरात चुरा लिए। यही नहीं चोरी की यह सारी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी रिकॉर्ड हो गई।

बता दें कि शहर के गौशाला रोड स्थित मुख्य बाजार में एक ज्वैलर्स की दुकान का शटर तोड़कर करीब 4 लाख रूपए के सोने व चांदी के गहने चोरी होने का मामला आज सामने आया है। मामले में ज्वैलर्स ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है। चोरी की पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसमें 4 चोर शटर को तोड़कर अंदर घुसते नजर आ रहे हैं और चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं।

पुलिस के अनुसार श्रीमाधोपुर निवासी फतेहचंद सोनी पुत्र गणपतराम सोनी ने बताया कि गौशाला रोड पर उसकी कंचन ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। सोमवार देर शाम को वह दुकान को बंद कर घर चला गया था। उसके बेटे योगेश के पास चौकीदार का फोन आया कि उनकी दुकान के शटर टूटे हुए हैं। सूचना पर वे तुरंत अपनी दुकान पर पहुंचे तो वहां सामान चोरी मिला। चोरों ने दुकान से चार लाख के जेवरात पार कर लिए। पुलिस मामले में चोरों की तलाश कर रही है।

कांग्रेस में अंदरूनी कलह आई सामने

नारायणखेड़ में पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने

संगारेड्डी, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जहीराबाद कांग्रेस सांसद सुरेश शेतकर और नारायणखेड़ विधायक पटलोला संजीव रेड्डी के बीच मतभेद फिर से सामने आ गए हैं, क्योंकि पार्टी नेतृत्व निर्वाचन क्षेत्र में मनोनीत पदों की नियुक्ति की तैयारी कर रहा है। चूंकि स्थानीय निकायों के चुनाव भी नजदीक आ रहे हैं, इसलिए नारायणखेड़ से आने वाले शेतकर और रेड्डी यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके समर्थकों को सरपंच, एमपीटीसी, जेडपीटीसी चुनावों के साथ-साथ नारायणखेड़ नगरपालिका चुनावों में भी अवसर मिले। इन दोनों कांग्रेस नेताओं के बीच प्रतिद्वंद्विता तब शुरू हुई जब संजीव रेड्डी के पिता किस्टा रेड्डी जीवित थे।

कांग्रेस के इन दो पारंपरिक परिवारों के बीच एकता की कमी के कारण पिछले एक दशक में पार्टी को कई चुनावों में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले शेतकर और रेड्डी ने हाथ मिला लिया और नारायणखेड़ विधानसभा और जहीराबाद लोकसभा चुनावों में विजयी हुए। पार्टी कैडर अब चिंतित हैं क्योंकि दोनों खेमे फिर से अलग-अलग चल रहे हैं। किस्टा रेड्डी ने अपना राजनीतिक जीवन सुरेश शेतकर के पिता शिवराव शेतकर के अनुयायी के रूप में शुरू किया था। 1989 और 1999 में लगातार तीन बार चुनाव जीतने के बाद, किस्टा रेड्डी को 2004 में चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिला, क्योंकि पहली बार विधायक बने सुरेश शेतकर राजनीति में आ गए थे।

किस्टा रेड्डी ने 2009 और 2014 में फिर से बी-फॉर्म हासिल किया और चौथी बार विजयी हुए। 2015 में किस्टा रेड्डी के निधन ने फिर से दोनों परिवारों के बीच मतभेदों को हवा दी। हालांकि हाईकमान ने 2016 के उपचुनावों में संजीव रेड्डी को सीट दी, लेकिन कथित तौर पर शेतकर के समर्थन की कमी के कारण वह चुनाव हार गए। पार्टी नेतृत्व ने 2018 में शेतकर को मैदान में उतारा, जब संजीव रेड्डी ने पार्टी छोड़ दी और भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा। यह चुनाव बीआरएस उम्मीदवार महारेड्डी भूपाल रेड्डी के लिए आसान रहा, क्योंकि पारंपरिक कांग्रेस के वोट शेयर संजीव रेड्डी और शेतकर के बीच बंट गए थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में अब डर है क्योंकि दोनों नेता फिर से अपने समर्थकों के लिए मनोनीत पद और चुनाव के अवसर पाने के लिए लॉबिंग कर रहे हैं। उन्हें चिंता है कि अगर वे आपस में लड़ते रहे तो पार्टी निर्वाचन क्षेत्र पर अपनी पकड़ खो देगी।

दुर्घटनाओं में 2 लोगों की मौत, एक घायल

करीमनगर, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर और राजन्ना-सिरसिल्ला जिलों में बुधवार को अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। करीमनगर में हुजुराबाद के मदातिपल्ली के बाहरी इलाके में करीमनगर-वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार लॉरी सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। लॉरी चालक और क्लीनर दोनों केबिन में फंस गए। पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें क्षतिग्रस्त केबिन से बाहर निकाला। हालांकि, तब तक क्लीनर की मौत हो चुकी थी। ड्राइवर को हुजुराबाद इलाके के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी पहचान की पुष्टि की जा रही है। थंगल्लापल्ली के मंडेपल्ली के पास एक युवक तेजा की मौत हो गई, जब उसकी बाइक एक मोड़ पर फिसल गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

अपना वादा भूल गए पीएम मोदी

निराशा में जी रहे नकाशी कारीगर

निर्मल, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल के नकाशी समुदाय के हस्तशिल्प कारीगर घर की सजावट और बच्चों के खेलने के लिए लकड़ी के बेहतरीन खिलौने बनाने के लिए जाने जाते हैं। इन खूबसूरत खिलौनों ने अभी तक अपने निर्माताओं की किस्मत नहीं बदली है, क्योंकि केंद्र और राज्य सरकार दोनों से पारंपरिक शिल्प के लिए समर्थन की कमी के कारण कारीगर संघर्ष कर रहे हैं।

पिछले मार्च में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पारंपरिक शिल्प को समर्थन देने का आश्वासन दिया था, जिसके बाद इन कारीगरों की उम्मीदें फिर से जगी थीं। पीएम मोदी ने समुदाय के उत्थान के लिए एक विशेष नीति का वादा किया था, लेकिन सत्ता संभालने के बाद वे उन्हें भूल गए। वे बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट के कारण अभूतपूर्व गंभीर संकट से जूझ रहे हैं, जो कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान शुरू हुआ और अभी भी जारी है, इसके अलावा कच्चे माल की कीमतों में उछाल भी है।

राजशेखर एन नामक कारीगर ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री के आश्वासन पर बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन उस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई।

वह चाहते हैं कि मोदी अपने वादे को पूरा करें और निर्मल कस्बे में लगभग चार शताब्दियों से इस पेशे पर निर्भर रहने वाले कारीगरों के जीवन में बदलाव लाएं। कारीगरों ने कहा कि हालांकि ग्राहकों की ओर से खिलौनों की बहुत मांग है, लेकिन उन्हें पोनिकी पेड़ की नरम लकड़ी की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिसे वैज्ञानिक रूप से जिउओटिया रोटेरी फ्रॉमिस के रूप में जाना जाता है, जिसका उपयोग खिलौने बनाने के लिए किया जाता है। उन्होंने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि वे पेड़ों को काटकर जंगलों में पेड़ उगाने की अनुमति दें ताकि लुप्त हो रहे शिल्प को बचाया जा सके। कारीगर 400 सालों से अनूठी हस्तकला पर निर्भर हैं। वे पक्षियों, जानवरों, फलों और विभिन्न सजावटी वस्तुओं के लकड़ी के खिलौनों को खूबसूरती से तराशते हैं और हाथ से रंगते हैं। वे निर्मल जिला केंद्र के दिल में किफायती कीमतों पर सुंदर खिलौने बेचने के लिए एक विशेष स्टोर संचालित करते हैं।

युवा इंजीनियरों को समृद्ध विरासत को कायम रखना चाहिए : उत्तम

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने युवा इंजीनियरों से सिंचाई इंजीनियरिंग में तेलंगाना की समृद्ध विरासत को कायम रखने का आह्वान किया। बुधवार को एर्रमंजिल कॉलोनी के जालसौधा में तेलंगाना एई एसोसिएशन की 2025 डायरी लॉन्च करने के बाद बोलते हुए, मंत्री उत्तम ने भारत में सबसे प्रतिष्ठित विभागों में से एक के रूप में विभाग की प्रतिष्ठा बनाए रखने में समर्पण, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के महत्व पर जोर दिया। मंत्री ने नागार्जुन सागर, श्रीराम सागर और श्रीशैलम जैसी प्रतिष्ठित परियोजनाओं पर प्रकाश डाला और उन्हें इंजीनियरों की पिछली पीढ़ियों द्वारा निर्मित "आधुनिक मंदिर" बताया। उन्होंने कहा, "युवा इंजीनियरों को इस विरासत के उत्तराधिकारी के रूप में उभरना चाहिए," उन्होंने कहा कि उनके काम में ईमानदारी और अखंडता पेशेवर उत्कृष्टता की ओर ले जाएगी। कार्यक्रम में इंजीनियर-इन-चीफ अनिल कुमार, डिप्टी ईएनसी के. श्रीनिवास और एलुरी श्रीनिवास राव तथा सत्यनारायण जैसे एसोसिएशन नेताओं समेत वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की और उस पर सिंचाई क्षेत्र में अनियोजित और अनुत्पादक व्यय करने का आरोप लगाया, जिससे वह भारी कर्ज में डूब गया। पिछली बीआरएस सरकार द्वारा लिए गए भारी कर्ज के कारण अकेले सिंचाई विभाग को कर्ज चुकाने और ब्याज पर सालाना 11,000 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। उन्होंने कहा, "पिछली सरकार ने दस साल में ठोस नतीजे दिए बिना परियोजनाओं के नाम पर भारी उधारी ली।" इसके विपरीत, कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने "न्यूनतम व्यय, अधिकतम आयाकट" के सिद्धांत को अपनाया है। यह दृष्टिकोण लागत कम रखते हुए सिंचाई लाभ को अधिकतम करने पर केंद्रित है। जनशक्ति में सुधार, बुनियादी ढांचे को सुव्यवस्थित करने और कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता देने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि पिछले एक साल में सरकार ने 700 सहायक कार्यकारी इंजीनियरों (एईई) और 1,800 लस्करों की सफलतापूर्वक भर्ती की है। लोक सेवा आयोग को अतिरिक्त 1,300 पदों को भरने की अनुमति भी दी गई है। उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि सिंचाई विभाग में पदोन्नति और स्थानांतरण जनवरी के अंत तक पूरे कर लिए जाएंगे। यह निर्णय कानूनी बाधाओं को दूर करने के लिए गठित पांच सदस्यीय समिति की सिफारिशों के अनुरूप है, जिसके कारण देरी हुई थी। समिति में सलाहकार आदित्य दास नाथ, सिंचाई सचिव राहुल बोज्जा, विशेष सचिव प्रशांत जीवन पाटिल, इंजीनियर-इन-चीफ जनरल अनिल कुमार और ईएनसी (ओएंडएम) विजय भास्कर रेड्डी शामिल हैं। इसके अलावा, मंत्री उत्तम ने कहा कि उन्हें इंजीनियर्स एसोसिएशन से एक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है और वे अधिक से अधिक मुद्दों को हल करने का प्रयास करेंगे। मंत्री ने इंजीनियरों से नवाचार और उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया, ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए विभाग की निरंतर प्रतिष्ठा सुनिश्चित हो सके।

दो अंतरराज्यीय गांजा तस्कर पकड़े गए

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व क्षेत्र टीम, हैदराबाद ने बंदलागुडा पुलिस स्टेशन की टीम के साथ ओडिशा के रहने वाले चंदन माझी और बिजय टाकरी को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से बंदलागुडा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत सदाथ नगर रोड बंदलागुडा में स्थित आईएसएल कॉलेज के पास 9 किलोग्राम सूखा गांजा जब्त किया गया।

9वां सशस्त्र बल भूतपूर्व सैनिक दिवस समारोह 10-14 जनवरी तक

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 9वां सशस्त्र बल भूतपूर्व सैनिक दिवस समारोह 10-14 जनवरी तक तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) के तत्वावधान में सिकंदराबाद में आयोजित किया जाएगा। हमारे भूतपूर्व सैनिकों और आश्रितों के लिए नौकरी के अवसर, चिकित्सा देखभाल और सभी प्रकार की शिकायतों के समाधान के उद्देश्य से कई तरह के कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

10 जनवरी 2025 को गोल्डन पाम सैनिक भवन (जीपीएसबी), मोंडा मार्केट सिकंदराबाद में सेना कल्याण प्लेसमेंट संगठन (एडब्ल्यूपीओ) द्वारा भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए एक नौकरी मेला और 11 जनवरी को एमएच गोलकोंडा में एक चिकित्सा शिविर सहित कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। 13, 14 जनवरी को मुख्तियार हॉल, एओसी सेंटर, सिकंदराबाद में भूतपूर्व सैनिकों की शिकायतों के समाधान के लिए कार्यक्रम के दौरान हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

केटीआर ने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के 3डी शासन पर निशाना साधा

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के संदर्भ में, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने 3डी शासन पर निशाना साधा है, तथा इसके दृष्टिकोण को 'धोखा', 'विस्फोट' तथा 'विचलन' की विशेषता बताया है। बुधवार को यहां तेलंगाना भवन में बीआरएस पार्टी की डायरी के विमोचन के दौरान, उन्होंने कांग्रेस सरकार की भ्रष्ट गतिविधियों तथा किसानों को 15,000 रुपये प्रति एकड़ का भुगतान करने तथा रैतु भरोसा योजना के तहत काश्तकारों को लाभ देने सहित वादों को पूरा करने में विफलता के लिए कड़ी निंदा की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए बलिदान तथा लागाचेरला मामले में किसानों द्वारा सामना की गई कठिनाइयों की तुलना में, उनके खिलाफ लगाए गए आरोप नगण्य हैं। उन्होंने कहा, "हमारे तेलंगाना शहीदों द्वारा झेले गए संघर्षों की तुलना में वर्तमान परिस्थितियां छोटी हैं। कांग्रेस पार्टी किसानों को धोखा दे रही है और हमें इस अन्याय का मुकाबला करने के लिए लोगों को एकजुट करना चाहिए। इसके अलावा, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी जीत के बाद महिलाओं को 2,500 रुपये की पेंशन प्रदान करके नागरिकों के प्रति सद्भावना में किए गए अपने चुनावी वादे को पूरा किया। लेकिन, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने अपनी छह गारंटी को लागू नहीं करके लोगों को धोखा दिया है, "केटी रामा राव ने आरोप लगाया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस के प्रवक्ता झूठ बोल रहे हैं कि तेलंगाना सरकार 90 लाख महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये दे रही है। केटी रामा राव चाहते हैं कि बीआरएस का हर कार्यकर्ता कांग्रेस के झूठे प्रचार और विफलताओं के खिलाफ पार्टी प्रमुख के चंद्रशेखर राव की तरह लड़े। 2025 की योजनाओं की घोषणा करते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं से नई समितियों के गठन, सदस्यता पंजीकरण और पार्टी नेताओं के चुनाव जैसी पहलों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। केटी रामा राव ने कहा, "हम मुकदमों से डरते नहीं हैं क्योंकि यह हमारे लिए कोई नई बात नहीं है। बीआरएस पार्टी सार्वजनिक सेवा में 25वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। आज 8 जनवरी है। हमारे सामने अभी भी 350 दिन हैं। हर घर में जाकर बताएं कि रेवंत रेड्डी ने रायतु भरोसा योजना के मामले में क्या धोखाधड़ी की है। पार्टी कार्यकर्ताओं को लोगों को बताना चाहिए कि राज्य सरकार पर उनका 17,500 रुपये बकाया है।"

57 शारीरिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों को मिली नौकरी

संगारेड्डी, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को संगारेड्डी में शारीरिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आयोजित एक विशेष प्लेसमेंट अभियान के दौरान 57 दिव्यांग व्यक्तियों को प्लेसमेंट मिला। इस अभियान का उद्घाटन करने वाले कलेक्टर वल्लूरु क्रांति ने कहा कि जॉब मेले के दौरान 32 कम्पनियां 200 शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को नौकरी देने के लिए आगे आईं। उन्होंने उद्योग की जरूरतों के हिसाब से योग्यता के आधार पर जॉब मेले में आए 156 व्यक्तियों में से 57 को नौकरी दी।

उन्होंने शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने के लिए आगे आने के लिए इन उद्योगों के प्रबंधन को धन्यवाद दिया। क्रांति ने कहा कि फरवरी में आयोजित होने वाले एक अन्य रोजगार मेले में और भी उद्योग भाग लेंगे, जहाँ नौकरी चाहने वाले हर व्यक्ति को उपयुक्त पद मिलेगा। संगारेड्डी जिले में करीब 5,000 उद्योग हैं।

ओआरआर टोल लीज मामले में केटीआर के खिलाफ शिकायत दर्ज

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फॉर्मूला ई-कार रेस मामले में पहले से ही मुश्किलों से जूझ रहे बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटीआर को एक और बड़ा झटका लगा है। ताजा घटनाक्रम में, एसीबी को ओआरआर टोल लीज टेंडर में भारी अनियमितताओं के बारे में उनके खिलाफ एक और शिकायत मिली है। बीसी पॉलिटिकल जेएसी के अध्यक्ष युगंधर गौड़ ने इस मामले में केटीआर के खिलाफ एसीबी अधिकारियों को एक लिखित शिकायत सौंपी और ओआरआर टेंडर की अनियमितताओं की एसीबी द्वारा तुरंत गहन जांच की मांग की। अपनी शिकायत में, उन्होंने आरोप लगाया कि ओआरआर टोल लीज टेंडर में एक लेन-देन का सौदा हुआ था। युगंधर गौड़ ने इसी मामले में केटीआर और पूर्व सीएम केसीआर के खिलाफ ईडी में शिकायत दर्ज कराई है और अनियमितताओं की जांच करने का आग्रह किया है। हैदराबाद नेहरू आउटर रिंग रोड के रखरखाव को मात्र 7,380 करोड़ रुपये में 30 साल की अवधि के लिए पट्टे पर देने से बीआरएस पार्टी के शासनकाल में राजनीतिक हलचल मच गई थी। उस समय विपक्षी दलों ने बीआरएस सरकार की आलोचना करते हुए कहा था कि नगर प्रशासन, शहरी विकास मंत्रालय और एचएमडीए द्वारा आईईसीवी (प्रारंभिक अनुमानित रियायत मूल्य) के प्रारंभिक अनुमानित मूल्य का खुलासा किए बिना आईआरबी गोलकोंडा एक्सप्रेस लिमिटेड कंपनी के साथ समझौता करना अवैध था। कई नेताओं ने 158 किलोमीटर ओआरआर (ओआरआर) को टीओटी (टोल ऑपरेट ट्रांसफर) मोड में बनाए रखने के लिए 28 मई, 2023 को सरकार द्वारा हस्ताक्षरित समझौते के लिए बीआरएस सरकार की आलोचना की है, जो पूरी तरह से संविधान और सार्वजनिक विश्वास के सिद्धांत के खिलाफ है। युगंधर गौड़ द्वारा दायर शिकायत के साथ ओआरआर लीज़ का मुद्दा फिर से सामने आया।

सीडब्ल्यूसी ने गोदावरी-बनकाचार्ला लिंकेज परियोजना पर मांगी रिपोर्ट

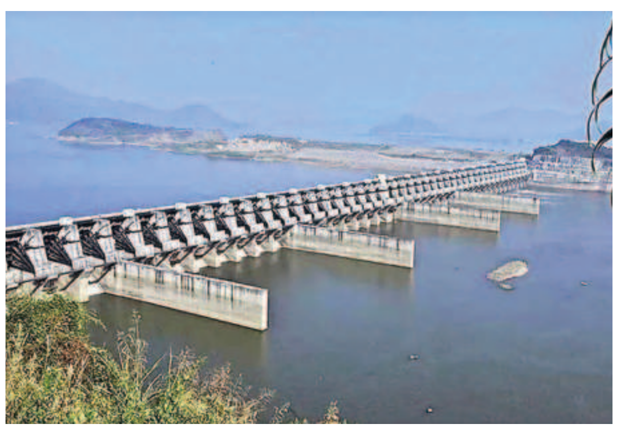

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को आंध्र प्रदेश द्वारा घोषित प्रस्तावित गोदावरी-बनकचर्ला संपर्क परियोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी। गोदावरी और कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्डों तथा पोलावरम परियोजना प्राधिकरण को भेजे गए सीडब्ल्यूसी के पत्र में गोदावरी जल बंटवारे से जुड़े प्रमुख मुद्दों को सामने लाया गया है। 85,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य गोदावरी नदी से 2 टीएमसी पानी को पोलावरम परियोजना में मोड़ना है। इस जल का उद्देश्य रायलसीमा क्षेत्र तथा आंध्र प्रदेश के तटीय जिलों नेल्लोर और प्रकाशम में पेयजल और सिंचाई दोनों की आवश्यकताओं को पूरा करना है।

आंध्र प्रदेश इस परियोजना को सिंचाई सुविधाओं और जल वितरण में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम मानता है, लेकिन इसने तेलंगाना और अन्य तटीय राज्यों में आशंकाएं पैदा कर दी हैं। उन्हें डर है कि गोदावरी बेसिन से पानी का डायवर्जन उन्हें जल संसाधनों के उनके उचित हिस्से से वंचित कर सकता है। तेलंगाना अपनी चिंताओं के बारे में विशेष रूप से मुखर रहा है तथा उसने जोर देकर कहा है कि लिंकेज परियोजना के कारण गोदावरी जल पर राज्य के वैध अधिकार पर असर पड़ सकता है।

धान बोनस भुगतान लंबित होने से दुविधा में तेलंगाना के किसान

नहीं किया गया है 950 करोड़ रुपये का भुगतान

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खरीफ विपणन सत्र समाप्ति की ओर है, ऐसे में धान की खरीद के बावजूद बोनस भुगतान में देरी को लेकर कई किसान दुविधा में हैं। राज्य भर में 8,319 खरीद केंद्रों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों से 51 लाख टन से अधिक धान खरीदा गया। हालांकि, बोनस भुगतान में देरी, खासकर उन किसानों के लिए जिन्होंने बढ़िया किस्म का धान बेचा है, किसानों को चिंतित कर रहा है। जबकि लगभग 9.75 लाख किसान खरीद प्रक्रिया में शामिल थे, बोनस भुगतान, विशेष रूप से बढ़िया किस्म की किस्मों के लिए 500 रुपये प्रति टन प्रोत्साहन राशि में काफी देरी हुई है। अब तक लगभग 700 करोड़ रुपये बोनस के रूप में वितरित किए गए हैं, लेकिन 950 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया गया है।

इस देरी से ग्रेड-ए धान बेचने वाले करीब चार लाख किसानों पर काफी वित्तीय बोझ पड़ा है। अधिकारियों को उम्मीद है कि संक्रांति से पहले बकाया बोनस राशि का वितरण कर दिया जाएगा। खरीदे गए धान की कीमत के लिए 11,700 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किए जाने के बाद, बोनस भुगतान का लंबित होना किसानों के लिए चिंता का विषय बन गया है। ये किसान पहले ही रबी सीजन की तैयारी शुरू कर चुके हैं, जिसमें बीज, भूमि की तैयारी और उर्वरकों में भारी निवेश शामिल है। पिछले दो सीजन से लंबित फसल निवेश सहायता, रैतु भरोसा, में काफी देरी हो रही है। इस महत्वपूर्ण मोड़ पर किसानों के लिए लंबित प्रोत्साहन बहुत जरूरी है।

कई किसान स्थानीय अधिकारियों के पास न केवल अधूरे ऋण माफी और फसल निवेश सहायता के लिए बल्कि बकाया बोनस भुगतान के लिए भी लामबंद हो रहे हैं। वे बिना किसी देरी के इन भुगतानों को शीघ्र पूरा करने के लिए कदम उठाने पर जोर दे रहे हैं। कई खरीद केंद्रों के बावजूद, इस सीजन के लिए 91 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद का लक्ष्य कई कारकों के कारण पूरा नहीं हो सका। निजी व्यापारियों, यहां तक कि राज्य के बाहर के व्यापारियों ने भी नमी की मात्रा के मुद्दों और अन्य परिचालन समस्याओं का फायदा उठाया, जिससे सरकारी एजेंसियां प्रभावित हुईं। इन व्यापारियों ने ग्रेड-ए धान की अधिकांश खरीद करने में सफलता पाई। इससे नागरिक आपूर्ति निगम को 34 लाख टन की आवश्यकता के मुकाबले 22 लाख टन बढ़िया ग्रेड की कम खरीद करनी पड़ी।

भाई ने किया आग के हवाले

खम्मम, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम शहर के निजामपेट इलाके में बुधवार को एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने भाई को आग लगा दी। आरोपी भानु प्रसाद ने कथित तौर पर अपने बड़े भाई स्टालिन पर पेट्रोल डालकर उस समय आग लगा दी, जब वह तड़के सो रहा था। कहा जाता है कि प्रसाद स्टालिन से परेशान थे, जो शराब के आदी थे और अपने भाई के साथ झगड़ते रहते थे। स्टालिन लगभग 60 प्रतिशत जल चुके स्टालिन का शहर के सरकारी जनरल अस्पताल में इलाज चल रहा है। वन-टाउन पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और कथित तौर पर प्रसाद को हिरासत में ले लिया है।

आमजनता विभिन्न बीमा पालिसियों की सुविधाओं से अवगत होंगे : पुनीत कुमार

ग्रेटर हैदराबाद में आल इण्डिया इंडस्ट्रीयल एग्जीबिशन में स्टाल का उद्घाटन

हैदराबाद, 8 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। एलआईसी आंचलिक प्रबंधक पुनीत कुमार ने ग्रेटर हैदराबाद के नामपल्ली में, आल इण्डिया इंडस्ट्रीयल एग्जीबिशन में एलआईसी ग्राहकों के लिए, स्टाल का उद्घाटन किया।

इस संदर्भ में, भारतीय जीवन बीमा निगम(एलआईसी) के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, एलआईसी आंचलिक प्रबंधक पुनीत कुमार ग्रेटर हैदराबाद के नामपल्ली में, आल इण्डिया इंडस्ट्रीयल एग्जीबिशन में एलआईसी को रोजगार ग्राहकों के लिए, स्टाल का उद्घाटन किया। इस शुभावसर पर पुनीत कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि, एलआईसी द्वारा हाल ही में लांच की गयी बीमा सखी योजना द्वारा सभी महिलाओं को इस बेजोड बीमा पालिसी का लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि, उपरोक्त स्टाल के उद्घाटन का एकमात्र लक्ष्य सभी को विभिन्न बीमा पालिसियों का लाभ मिल सके।

साथ ही इस स्टाल द्वारा एलआईसी ई- सेवाएं, आनलाइन सेवाएं तथा बीमाधारकों के प्रति लाभान्वित विभिन्न बीमा पालिसियों की महत्वपूर्ण जानकारी से आम जनता में शेयर की जा सकेगी।

इस दौरान एग्जीबिशन सोसायटी सचिव बी. सुरेंदर रेड्डी ने एलआईसी द्वारा हर साल उत्तम रखरखाव युक्त स्टाल स्थापित करने एवं सभी को एलआईसी की लाभदायक विभिन्न बीमा पालिसियों की महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराने पर प्रशंसा की।

इस उद्घाटन शुभावसर पर आंचलिक प्रबंधक पुनीतकुमार सहित एग्जीबिशन सोसायटी सचिव बी. सुरेंदर रेड्डी एवं सतीश बाबू, उथप जोसेफ, श्रीमती सरस्वती गोपकुमार, जीबीवी रामय्या, प्रमोद कुमार साहू तथा एलआईसी के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित हुए।

भाजपा कार्यालय पर हमला करना कांग्रेस का अलोकतांत्रिक कदमः जायसवाल

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जाम बाग डिवीजन के नगरसेवक राकेश जायसवाल ने कांग्रेस आलाकमान से पूछा कि युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा तेलंगाना भाजपा कार्यालय पर हमला करना कितना उचित है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह कदम लोकतांत्रिक कदापि नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप लगने पर विरोध प्रदर्शन और रैलियां तो जायज मानी जाती है, लेकिन एक जिम्मेदार सरकार के कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा बीजेपी कार्यालय पर हमला करना तो लोकतांत्रिक नहीं है। इस तरह का उपद्रव कर आखिर कांग्रेस आने वाली पीढ़ी को क्या संदेश देना चाहती है। इस तरह भाजपा कार्यालय पर की गई पत्थरबाजी और कार्यकर्ताओं पर हमला को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसका लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने नरेंद्र मोदी को खून का सौदागर कहा था लेकिन मोदी ने कभी भी सोनिया गांधी के परिवार पर किसी तरह का आरोप नहीं लगाया। राकेश जायसवाल ने चेतावनी दी कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में ये सब नहीं चलेगा। आश्चर्य की बात है कि इसके लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अभी माफी नहीं मांगी है और न ही हमलावरों पर कोई कानूनी कार्रवाई के लिए कदम उठाया है।

चेरलापल्ली औद्योगिक क्षेत्र ने की ग्रैंड औद्योगिक सम्मेलन की मेजबानी

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीएनआई ग्रैंड और चेरलापल्ली औद्योगिक क्षेत्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ग्रैंड औद्योगिक सम्मेलन चेरलापल्ली औद्योगिक एसोसिएशन हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें जे श्रीनिवास, सहायक भविष्य निधि आयुक्त, एम अनुराधा, जोनल मैनेजर, मेडचल सिटीपेट टीजीआईआईसी, गोविंदा रेड्डी, अध्यक्ष, चेरलापल्ली औद्योगिक क्षेत्र (सीआईए); और अन्य ने भाग लिया।

श्रीनिवास ने कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा संगठन है, जो 8 करोड़ जीवित ग्राहकों की सेवा कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा कोष 25 लाख करोड़ रुपये का है, जो तेलंगाना के बजट का दस गुना है। चेरलापल्ली औद्योगिक क्षेत्र के आईएएलए के अध्यक्ष जे रोशी रेड्डी ने कहा कि आईडीए के यहां 1500 से अधिक औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हैं, जिनमें से अधिकांश सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हैं। बीएनआई हैदराबाद की कार्यकारी निदेशक संजना शाह ने चेरलापल्ली औद्योगिक क्षेत्र को उद्योगपतियों के लिए निर्मित एक अद्भुत बुनियादी ढांचे के रूप में वर्णित किया और कहा कि यदि हमारे पास इस तरह का उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा हो तो व्यापार बहुत अधिक फलदायी और आसानी से किया जा सकता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

डब्ल्यूपीएल 2025 का बड़ौदा और लखनऊ में होगा आयोजन, बड़ौदा में खेला जाएगा फाइनल

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग के दो सफल सीजन के बाद अब तीसरे एडिशन की बारी है. डब्ल्यूपीएल 2025 के लिए ऑक्शन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है. अब बस टूर्नामेंट शुरुआत होने की देरी है. निलामी के बाद बीसीसीआई ने इसके वेन्यू को भी शॉर्टलिस्ट कर लिया है. ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस टूर्नामेंट की शुरुआत 6 या 7 फरवरी से हो सकती है. वहीं इस बार के मुकाबले बड़ौदा और लखनऊ में खेले जा सकते हैं. हालांकि, बीसीसीआई ने फिलहाल तारीख और वेन्यू को लेकर कोई भी आधिकारिक जानकारी शेयर नहीं की है.

बड़ौदा में हो सकता है फाइनल

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने डब्ल्यूपीएल के तीसरे सीजन के लिए बड़ौदा और लखनऊ को शॉर्टलिस्ट किया है. उसने टूर्नामेंट के आयोजन के लिए यूपी क्रिकेट एसोसिएशन और बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन से बातचीत शुरू कर दी है. जल्द ही भारतीय बोर्ड की ओर से इन दोनों शहरों को वेन्यू के तौर पर आधिकारिक ऐलान भी कर दिया जाएगा. रिपोर्ट के मुताबिक डब्ल्यूपीएल का दूसरा फेज बड़ौदा में कराए जाने की प्लानिंग की जा रही है

टूर्नामेंट का फाइनल फाइनल मुकाबला 8 या 9 मार्च को खेला जा सकता है और इसकी मेजबानी बड़ौदा को ही मिल सकती है. बड़ौदा ने हाल ही में कोटांबी स्टेडियम में इंटरनेशनल स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराई थी. इसके बाद भारत और वेस्टइंडीज की महिला टीम ने इस मैदान पर 3 वनडे मुकाबले खेले थे. इसके अलावा इस मैदान पर सीनियर महिला टी20 टूर्नामेंट के कई मुकाबले भी खेले जा चुके हैं. कुछ रणजी ट्रॉफी के मैच भी हुए हैं.

अब भारत के घरेलू वनडे टूर्नामेंट विजय हजार ट्रॉफी के कुछ नॉकआउट मुकाबले भी मेजबानी के लिए दिए गए हैं. नई सुविधाओं की जांच के लिए विजय हजार ट्रॉफी का सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला भी बड़ौदा में ही हो सकता है. इसलिए अब बीसीसीआई ने इसे डब्ल्यूपीएल के लिए एक वेन्यू के तौर पर चुना है.

दो फेज, 23 मैच

डब्ल्यूपीएल 2025 में टूर्नामेंट की 5 टीमें चैंपियन के इरादे से उतरेंगी. बता दें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु डब्ल्यूपीएल की मौजूदा चैंपियन है. बेंगलुरु जहां अपने टाइटल को फिर हासिल करना चाहेगी.

वहीं बाकी टीमें इस खिताब को अपने नाम करना चाहेंगी. इसके लिए कुल 23 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसे दो फेज में खेला जाएगा.

बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन ने बीसीसीआई से दूसरे फेज के मेजबानी की मांग की है, क्योंकि उसे स्टेडियम में बचे हुए काम को पूरा करने के लिए थोड़ा समय चाहिए. बता दें टूर्नामेंट का पहला सीजन पूरी तरह मुंबई में खेला गया था. वहीं दूसरे सीजन के मुकाबले बेंगलुरु और दिल्ली में हुए थे.

अब खेल की दुनिया में एंट्री करेंगे एलन मस्क!

लिवरपूल फुटबॉल टीम को खरीदने की जताई इच्छा

लॉस एंजिलिस, 8 जनवरी (एजेंसियां)। एलन मस्क के पिता का कहना है कि उनके अरबपति बेटे ने इंग्लिश फुटबॉल क्लब लिवरपूल को खरीदने की इच्छा जताई है। इंग्लिश प्रीमियर लीग के इस दिग्गज फुटबॉल क्लब का निजी स्वामित्व फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप के पास है। हालांकि, उन्होंने हाल फिलहाल में इसके बेचने के संकेत नहीं दिए हैं, लेकिन इस टीम में बाहरी निवेश भी है। ऐसे में मस्क इस क्लब को खरीद सकते हैं।

एरोल मस्क ने क्या कहा?

टाइम्स रेडियो के साथ एक इंटकव्यू में एरोल मस्क ने स्वीकार किया कि टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने छह बार के यूरोपीय कप चैंपियन को खरीदने में रुचि दिखाई है। एरोल मस्क ने कहा, 'हां, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह इसे खरीद ही रहे हैं। वह ऐसा करना चाहेंगे, कोई भी उस क्लब को खरीदना चाहेगा। मुझे भी खरीदने की इच्छा है। मैं अभी इस मामले पर टिप्पणी नहीं कर सकता। वे कीमत बढ़ा देंगे।'

एफएसजी के अध्यक्ष ने निवेश की बात कही थी

हालांकि, एसोसिएटेड प्रेस द्वारा संपर्क किए जाने पर, फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप (एफएसजी) के एक प्रवक्ता ने कहा कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। सितंबर 2023 में एफएसजी ने अमेरिकी निवेश फर्म डायनेस्टी इक्विटी को अल्पमत हिस्सेदारी बेच दी थी। उस समय, एफएसजी के अध्यक्ष माइक गॉर्डन ने कहा था, 'लिवरपूल के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता हमेशा की तरह मजबूत बनी हुई है। हमने हमेशा कहा है कि यदि कोई निवेश भागीदार है जो लिवरपूल के लिए सही है तो हम इस अवसर का लाभ उठाएंगे। क्लब को भविष्य में किसी भी तरह वित्तीय दिक्कत नहीं आने देंगे।'

एफएसजी के आने से मजबूत हुआ लिवरपूल क्लब

एफएसजी के आने के बाद लिवरपूल ने खुद को यूरोप के अग्रणी क्लबों में से एक के रूप में फिर से स्थापित किया है। लिवरपूल ने चैंपियंस लीग खिताब जीतने के एक सीजन के बाद 2020 में 30 वर्षों में अपना पहला इंग्लिश लीग खिताब जीता था। इस सीजन भी यह टीम प्रीमियर लीग और चैंपियंस लीग खिताब जीतने की दौड़ में है।

ब्रिटिश राजनीति में भी सक्रिय हैं एलन मस्क

एरोल मस्क ने कहा कि लिवरपूल में उनके रिश्तेदार हैं। उन्होंने कहा, 'हम काफी भाग्यशाली हैं कि हम बीटल्स के बारे में काफी कुछ जानते हैं क्योंकि वे हमारे, मेरे परिवार के साथ बड़े हुए हैं।' जुलाई में सेंटर-लेफ्ट लेबर पार्टी के चुने जाने के बाद से एलन मस्क ने खुद को ब्रिटिश राजनीति में शामिल पाया है। मस्क ने नए चुनाव का आह्वान करने के लिए अपने सोशल नेटवर्क 'एक्स' का उपयोग किया था।

ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद विजय हजारे ट्रॉफी के लिए ये भारतीय खिलाड़ी होंगे उपलब्ध

विकेटकीपर बल्लेबाज ने मांगा ब्रेक

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 1-3 से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया से लौटने पर भारतीय टीम के कुछ युवा खिलाड़ी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए उपलब्ध होंगे। देवदत्त पडिक्कल, प्रसिद्ध कृष्णा और अभिमन्यु ईश्वरन 9 जनवरी से वडोदरा में 2024-25 विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट चरण में अपनी-अपनी टीमों के मुकाबलों में खेलते दिखेंगे। वनडे में भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल मांगा है, जबकि तमिलनाडु के सेमीफाइनल में पहुंचने पर वाशिंगटन सुंदर उपलब्ध हो सकते हैं।

पडिक्कल और प्रसिद्ध ने बुधवार (8 जनवरी) को सिडनी से भारतीय दल के अधिकांश सदस्यों के साथ उड़ान भरी। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार अभिमन्यु को एक दिन पहले ही उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई थी। इसके बाद बंगाल क्रिकेट संघ ने उनके लिए फ्लाइट में बुक कर दिया ताकि वे सिंगापुर और अहमदाबाद में रुकने के बाद वडोदरा में राज्य की टीम के साथ जुड़ सकें।

अभिमन्यु टीम के साथ ट्रेनिंग करेंगे

अभिमन्यु बुधवार को हरियाणा के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल मैच से पहले बंगाल की बाकी टीम के साथ ट्रेनिंग करेंगे। भारतीय टीम में शामिल बंगाल के दूसरे खिलाड़ी आकाशदीप पीठ दर्द के कारण बाहर हो गए हैं। इसके कारण वे ऑस्ट्रेलिया में अंतिम टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे। वे बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (नेशनल क्रिकेट एकेडमी) जाएंगे।

प्रसिद्ध और पडिक्कल कब जुड़ेंगे

प्रसिद्ध और पडिक्कल के 10 जनवरी तक कर्नाटक टीम से जुड़ने की उम्मीद है, जो एक दिन बाद बड़ौदा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच से पहले होगा। शुरुआत में पडिक्कल केवल इंडिया ए टीम का हिस्सा थे, जो बॉर्डर-गावस्कर सीरीज से पहले दौरे पर थी। पडिक्कल को रोहित शर्मा के बेटे के जन्म के कारण देर से आने के बाद टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। पडिक्कल को पर्थ में भारत की 295 रन की जीत वाले मैच में खेलने को मिला, लेकिन बाद के किसी भी टेस्ट में उन्हें नहीं चुना गया।

दो महीने बाद खेलेंगे अभिमन्यु

इस बीच प्रसिद्ध ने सिडनी में आखिरी टेस्ट खेला। एक साल बाद वह टेस्ट मैच खेले। उन्होंने दोनों पारियों में स्टीवन स्मिथ के विकेट सहित छह विकेट चटकाए। टेस्ट सीरीज से पहले इंडिया ए के लिए पडिक्कल और प्रसिद्ध दोनों ने चार दिवसीय मुकाबलों में प्रभावित किया था। हरियाणा के खिलाफ मैच अभिमन्यु के लिए दो महीनों में पहला मैच होगा। लह ऑस्ट्रेलिया में सभी पांच टेस्ट मैचों में बेंच पर बैठे रहे। रोहित की अनुपस्थिति में पर्थ में खेलने के लिए बैकअप ओपनर की दौड़ में शामिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया में इंडिया ए के लिए चार पारियों में 7, 12, 0 और 17 के स्कोर ने टेस्ट डेब्यू की संभावनाओं को कम कर दिया।

मलेशिया ओपन बैडमिंटन मैच में स्टेडियम की छत लीक

दो घंटे रुका मैच, तौलिये से सुखाना पड़ा

कुआलालंपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। 2025 बैडमिंटन सीजन की शुरुआत मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के साथ हो चुकी है, लेकिन पहले ही दिन कुछ अप्रत्याशित घटनाएं देखने को मिलीं। 7 जनवरी से कुआलालंपुर के एक्सियाटा एरिना में शुरू हुए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के दौरान स्टेडियम की छत से पानी टपकने लगा। इस वजह से कोर्ट 2 और कोर्ट 3 पर चल रहे मैचों को बीच में रोकना पड़ा। टूर्नामेंट का यह शुरुआती दिन खिलाड़ियों और आयोजकों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हुआ।

भारतीय शटलर एचएस प्रणॉय और कनाडा के ब्रायन यंग के बीच कोर्ट नंबर 3 पर चल रहा मुकाबला अचानक बाधित हो गया। प्रणॉय, जो पहला गेम 21-12 से जीत चुके थे और दूसरे गेम में 6-3 से आगे थे, ने नेट के पास अपने कोर्ट पर पानी जमा होने की ओर इशारा किया। यंग ने पहले ही गीले कोर्ट की शिकायत की थी, जिसके बाद कोर्टसाइड अधिकारियों ने उसे साफ किया। लेकिन दूसरे गेम के दौरान पानी जमा होने से कोर्ट पर बड़े धब्बे बन गए, जिससे प्रणॉय ने चेयर अंपायर को खेल जारी रखने में खतरा बताया।

भारतीय खिलाड़ियों का दल

14.5 लाख अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत की ओर से एचएस प्रणॉय के अलावा लक्ष्य सेन और प्रियांशु रजावत मेन्स सिंगल्स में चुनौती पेश कर रहे हैं। वुमिंस सिंगल्स में आकर्षी कश्यप, अनुपमा उपाध्याय और मालविका बसोंद मैदान में उतरेंगी। मेन्स डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, जिन्हें 7वीं वरीयता मिली है, भारत की उम्मीदों का केंद्र बने हुए हैं। टूर्नामेंट के पहले ही दिन की यह अप्रत्याशित घटना खिलाड़ियों और आयोजकों के लिए चिंता का विषय बन गई।

महीश तीक्षणा ने हैट्रिक लेकर न्यूजीलैंड को बैकफुट पर धकेला

खेल डेस्क, 8 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका के स्पिनर महीश तीक्षणा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले दूसरे वनडे में हैट्रिक की स्क्रिप्ट लिखी है. उन्होंने ये काम दो ओवरों में किया. मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत धमाकेदार रही थी. लेकिन, उसके बाद महीश तीक्षणा की कसी गेंदबाजी के चलते श्रीलंका ने मैच में काफी हद तक वापसी कर ली. वनडे में हैट्रिक लेने वाले महीश तीक्षणा 7वें श्रीलंकाई है. वहीं, वो साल 2025 में हैट्रिक लेने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं.

महीश तीक्षणा ने कैसे ली हैट्रिक?

महीश तीक्षणा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हैट्रिक ली कैसे? अब जरा वो जान लीजिए. श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा वनडे मुकाबला बारिश के चलते 37-37 ओवरों का चल रहा है. इसमें तीक्षणा ने अपनी हैट्रिक की कहानी 35वें और 37वें ओवर में लिखी. उन्होंने दो विकेट 35वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर लिए जबकि 37वें ओवर की पहली गेंद पर एक और विकेट चटकाते हुए उन्होंने अपनी हैट्रिक

पूरी की. तीक्षणा के वनडे करियर की ये पहली हैट्रिक रही.

महीश तीक्षणा की हैट्रिक में फंसने वाले पहले बल्लेबाज न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर रहे, जो 15 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए. 34.5 गेंद पर सैंटनर का विकेट लेने के बाद तीक्षणा ने 34.6 गेंद पर नाथन स्मिथ को भी आउट कर दिया. इन दो विकेटों के बाद हैट्रिक के लिए उन्हें अगले ओवर का इंतजार करना पड़ा. हालांकि, इस इंतजार का फल मीठा रहा. अगले ओवर में तीक्षणा जब आए तो उन्होंने पहली ही गेंद पर मैट हेनरी को आउट कर अपनी हैट्रिक पूरी कर ली.

तीक्षणा ने मैच 44 रन देकर लिए 4 विकेट

हैट्रिक को मिलाकर महीश तीक्षणा ने दूसरे वनडे में 8 ओवर में 44 रन देकर कुल 4 विकेट लिए. उन्होंने एक और विकेट मार्क चैपमैन का लिया था, जो 52 गेंदों पर 62 रन बनाकर आउट हुए थे. कीवी टीम के लिए अपने वनडे करियर की तीसरी फिफ्टी जमाने के दौरान मार्क चैपमैन ने रचिन रवींद्र के साथ शतकीय साझेदारी भी की थी. रचिन रवींद्र ने 63 गेंदों में 79 रन बनाए, जो कि उनके वनडे करियर की चौथी फिफ्टी रही. इन दो बल्लेबाजों के तेजी से बरसाए रनों का ही नतीजा रहा कि कीवी टीम 37 ओवर में 255 रन बना सकी.

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान में अभी तक तैयार नहीं स्टेडियम

आखिर कब होगा काम खत्म?

इस्लामाबाद, 8 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज 19 फरवरी से होने जा रहा है। पहला मैच मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में खेला जाएगा।

अब इस टूर्नामेंट के शुरू होने में बेहद कम समय बचा है लेकिन अभी तक पाकिस्तान में स्टेडियम पूरी तरह से तैयार नहीं हो पाए हैं। कुछ स्टेडियम में आउटफील्ड और पिचें तक पर अभी काम बाकी है। जिसके बाद बड़ा सवाल उठ रहा है कि आखिर कब पाकिस्तान में स्टेडियम पूरी तरह से तैयार होंगे?

अभी तक तैयार नहीं स्टेडियम

टाइम्स ऑफ इंडिया के स्पोर्ट्स एडिटर साहिल मल्होत्रा ने अपने

एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की। जिसमें उन्होंने लिखा "आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के शुरू होने में सिर्फ एक महीने से अधिक समय बचा है। पाकिस्तान के आयोजन स्थल समय के विपरीत दौड़ में हैं। कराची, लाहौर और रावलपिंडी अभी तक स्टेडियम तैयार नहीं हैं, जिससे आईसीसी समाधान के लिए संघर्ष कर रहा है। अमेरिका के बाद एक और गड़बड़झाला, पूरे टूर्नामेंट को संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित करें!"

इस दिन होगा भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 23 फरवरी से करेगी। टीम इंडिया का पहला मुकाबला मेजबान पाकिस्तान के साथ होगा। इस मैच का दुनियाभर के क्रिकेट फैंस को इंतजार रहता है। वहीं अभी तक इस टूर्नामेंट के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया का ऐलान नहीं किया है। हालांकि 12 जनवरी तक भारतीय टीम का स्क्वॉड सबके सामने आ सकता है।

सिडनी में बुमराह से भिड़ने वाले कंगारू खिलाड़ी सैम कोंस्टास ने मानी अपनी गलती

'मैं टाइम बर्बाद कर रहा था'

सिडनी, 8 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के युवा ओपनर सैम कोंस्टास बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी दो टेस्ट मैचों में खेलने के बाद लगातार सुर्खियों में हैं। मेलबर्न में अपने डेब्यू में उन्होंने 60 रनों की शानदार पारी खेली। लेकिन अपने प्रदर्शन के अलावा वो विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह के साथ झगड़े की वजह से ज्यादा चर्चा में रहे। इस कंगारू ओपनर ने अब बड़ा खुलासा किया है, जहां उन्होंने बताया कि वो सिडनी टेस्ट के पहले दिन जानबूझकर समय बर्बाद कर रहे थे।

यह घटना सिडनी टेस्ट के पहले दिन के आखिरी सेशन में हुई। भारतीय टीम इस समय ओवर जल्दी खत्म करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन उस्मान ख्वाजा ने दो बार अपना बैटिंग स्टांस बदला, जिससे गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को निराशा हुई। बाद में समय बर्बाद करने के लिए सैम कोंस्टास नॉन-स्ट्राइकर एंड पर बुमराह के

साथ उलझ गए।

बुमराह वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं- कोंस्टास

सैम कोंस्टास ने 'द डेली टेलीग्राफ' से बात करते हुए कहा, 'मुझे गेम में शामिल होना और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करना पसंद है। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए शायद एक अच्छी सीख है। मैं वहां थोड़ा समय बर्बाद करने की कोशिश कर रहा था ताकि उन्हें एक और ओवर न मिले। लेकिन अंत में वही जीत गए। जाहिर है कि वह वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और उन्होंने सीरीज में 32 विकेट लिए। अगर ऐसा दोबारा होता तो शायद मैं कुछ नहीं कहता।'

कोंस्टास को पसंद हैं विराट विराट

युवा कंगारू खिलाड़ी अपने डेब्यू टेस्ट में विराट कोहली से भिड़ गए थे। ओवर के बाद साइड बदलते समय कोहली ने तब कोंस्टास को कंधा मारा था। इस घटना ने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में काफी हंगामा मचाया। हालांकि, कोंस्टास ने दावा किया कि वह कोहली को अपना आदर्श मानते हैं। उन्होंने बताया कि विराट के साथ उनकी शानदार बातचीत हुई और वो उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। कोंस्टास ने कहा, 'उन्होंने अपनी बल्लेबाजी शैली और खेलने के तरीके से क्रिकेट को पूरी तरह बदल दिया है। वह लंबे समय से तीनों फॉर्मेट में अच्छा खेल रहे हैं।'

अगले फीफा विश्व कप के बाद फ्रांस का साथ छोड़ेंगे महान कोच डेशॉ

टीम को विश्व कप और यूरो कप जिता चुके हैं

पेरिस, 8 जनवरी (एजेंसियां)। फ्रांसीसी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्रांस के महान कोच दिदिएर डेशॉ अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप के बाद फ्रांस टीम का साथ छोड़ देंगे। वह बुधवार को इसकी घोषणा कर सकते हैं कि वह अगले विश्व कप के बाद अपने पद पर बने नहीं रहेंगे।

डेशॉ न सिर्फ फ्रांस को बतौर कोच फीफा विश्व कप जिता चुके हैं, बल्कि फ्रांस के एक खिलाड़ी के तौर पर भी विश्व कप जीत चुके हैं। उनका पद छोड़ना फ्रांस के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।

ला-इक्विपे और आरएमसी स्पोर्ट उन आउटलेट्स में से है, जिन्होंने बताया कि 56 वर्षीय डेशॉ का अनुबंध 2026 के फीफा

विश्व कप के बाद समाप्त हो जाएगा। एक खिलाड़ी के रूप में विश्व कप जीत चुके डेशॉ ने जुलाई 2012 में फ्रांस फुटबॉल टीम के कोच के रूप में पदभार संभाला था और 2018 में फाइनल में क्रोएशिया को हराकर फ्रांस को विश्व कप खिताब दिलाया था।

कतर में 2022 विश्व कप में फ्रांस फाइनल में पहुंच गया था और उसे अर्जेंटीना से ऐतिहासिक खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। अगला फीफा विश्व कप संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह-मेजबानी में होना है। इसमें कुल 48-टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें से 16 टीमें यूरोप की होंगी।

सरकार का लक्ष्य महिला सशक्तिकरण : भट्टी

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है और तदनुसार नीतिगत निर्णय लिया है। 1,000 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी के माध्यम से सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए ऊर्जा विभाग और ग्रामीण विकास विभाग के बीच समझौते के मद्देनजर, भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को यहां प्रजा भवन में एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की।

मंत्री सीतक्का और कोंडा सुरेखा के साथ जिलेवार प्रगति की समीक्षा करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जब महिलाएं वित्तीय सशक्तीकरण हासिल करेंगी, तभी वे आगे बढ़ेंगे ।उन्होंने जिला कलेक्टरों को 19 नवंबर, 2024 को नई ऊर्जा नीति पर ऊर्जा और ग्रामीण विकास विभागों के बीच हुए समझौते का उपयोग करने और आगे बढ़ने की सलाह दी। इंदिराम्मा सरकार ने पांच साल की अवधि में एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने का निर्णय लिया है।

इसके तहत सरकार बड़े पैमाने पर महिलाओं को ब्याज मुक्त ऋण दे रही है। भट्टी ने कहा कि अधिकारियों को योजनाएं बनानी चाहिए और अच्छी रकम प्राप्त करने वाले महिला समूहों को विभिन्न व्यवसायों में निवेश करने में सक्षम बनाने के लिए सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

उन्होंने जिला कलेक्टरों को स्वयं सहायता समूहों की पहुंच के भीतर भूमि और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए उपलब्ध सरकारी भूमि की पहचान करने का निर्देश दिया। कलेक्टरों को स्वयं सहायता समूहों के सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए वित्तीय सहायता के संबंध में बैंक अधिकारियों के साथ समन्वय करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने खुलासा किया कि ऊर्जा विभाग ने रेडको के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की हैं और जल्द ही निविदाएं खोली जाएंगी और उन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा।

इसलिए, ग्रामीण विकास विभाग और कलेक्टरों को स्वयं सहायता समूहों की पहचान और अंतिम रूप देने, भूमि अधिग्रहण और बैंकों से वित्तीय सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए। एक मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए लगभग चार एकड़ जमीन की आवश्यकता होती है।

भट्टी ने कलेक्टरों से कहा कि राज्य भर में हर जिले में कम से कम 150 एकड़ जमीन यानी कुल 4,000 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना चाहिए। उन्होंने उन्हें बंदोबस्ती और सिंचाई विभागों के अधिकार क्षेत्र में आने वाली जमीनों की पहचान करने का निर्देश दिया। आदिवासियों को केंद्रीय वन अधिकार अधिनियम के तहत अपनी जमीन विकसित करने का अवसर मिला है। भट्टी ने आदिवासी विभाग के अधिकारियों को रोजगार गारंटी, आदिवासी विभाग और स्वयं सहायता समूहों के तहत लागू विभिन्न योजनाओं के तहत उन जमीनों पर आर्थिक रूप से व्यवहार्य फसलों की खेती के लिए योजना बनाने का निर्देश दिया। मंत्री सीताक्का ने कहा कि आदिवासियों की आय कम है और जमीन की उपलब्धता अधिक है।

इसलिए अधिकारियों को आदिवासियों को लाभ पहुंचाने के लिए गोदावरी जलग्रहण क्षेत्रों के साथ अचंपेटा से आदिलाबाद तक की जमीनों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हैदराबाद जैसे शहरों में बड़ी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने बताया कि पीएम कुसुम योजना के तहत किसान दो मेगावाट तक सौर ऊर्जा पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे किसानों में जागरूकता पैदा करें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए टीजी रेडको पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। इससे न केवल उन्हें कम लागत पर बिजली मिलेगी, बल्कि प्रदूषण मुक्त बिजली उत्पादन का रास्ता भी खुलेगा।

कोंडा सुरेखा ने प्रियंका गांधी के खिलाफ रमेश बिधूड़ी की टिप्पणी की निंदा की

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है। बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में मंत्री ने राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने भाजपा नेतृत्व से बिधूड़ी के खिलाफ उचित कार्रवाई करने और प्रियंका गांधी से बिना शर्त माफी मांगने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, "भाजपा नेतृत्व को अपने नेताओं को महिलाओं के सम्मान के सांस्कृतिक महत्व के बारे में शिक्षित करना चाहिए।" मंत्री ने देश के लिए प्रियंका गांधी के परिवार द्वारा किए गए बलिदानों को भी रेखांकित किया, और सभी महिलाओं के लिए गरिमा और सम्मान के मूल्यों का सम्मान करने वाले राजनीतिक विमर्श को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। दिल्ली के कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी को उनके बयानों वाला एक वीडियो जारी होने के बाद आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

वैकुंठ द्वार दर्शनम में आम श्रद्धालुओं को प्राथमिकता : टीटीडी चेयरमैन

तिरुमला, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू के निर्देश के तहत, वैकुंठ द्वार दर्शनम प्रदान करने में आम श्रद्धालुओं को प्राथमिकता दी जाती है, टीटीडी चेयरमैन बीआर नायडू ने जोर दिया। बुधवार को तिरुमला में अन्नामैया भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, टीटीडी बोर्ड के प्रमुख ने कहा कि 10 जनवरी से शुरू होने वाले दस दिनों के वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि वीआईपी दर्शन 10 जनवरी को सुबह 4.30 बजे शुरू होंगे, जबकि सर्व दर्शन सुबह 8 बजे शुरू होंगे। तीर्थयात्रियों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए, श्रद्धालुओं के लिए तिरुपति में 8 केंद्रों पर स्थापित 90 काउंटरों और तिरुमाला के एक केंद्र पर अकेले तिरुमाला के स्थानीय लोगों के लिए 4 काउंटरों पर एसएसडी टोकन जारी किए जाएंगे। इन दस दिनों के दौरान वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों, शिशुओं के साथ माता-पिता, एनआरआई, अन्य सहित सभी विशेषाधिकार प्राप्त दर्शन रद्द रहेंगे। उन्होंने कहा कि इन दस दिनों के दौरान अधिक आम भक्तों को वैकुंठ द्वारम के माध्यम से दर्शन करने की अनुमति देने के लिए सिफारिश पत्र भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे। हमने तिरुमाला, तिरुपति में किसी भी यातायात की समस्या से बचने के लिए बेहतर व्यवस्था की है और सुरक्षा व्यवस्था के लिए 1550 टीटीडी कर्मियों के अलावा लगभग 3000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक लगातार भक्तों को पानी और अन्नप्रसाद वितरित करने की व्यवस्था की गई है। अध्यक्ष ने दोहराया कि तिरुमाला में सीमित स्थान उपलब्ध होने के कारण केवल दर्शन टोकन या टिकट वाले भक्तों को ही कतार में जाने की अनुमति है। उन्होंने कहा कि भक्तों से अनुरोध है कि वे लंबे इंतजार से बचने के लिए अपने टोकन या टिकट पर आवंटित तिथि और समय पर ही आएं। उन्होंने कहा कि तिरुमाला आने वाले भक्तों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, उनसे मास्क पहनने का भी अनुरोध किया जाता है। उन्होंने गोविंदमाला के भक्तों से भी अपील की कि वे केवल टाइम स्लॉट टोकन के साथ ही तिरुमाला आएं। बाद में अतिरिक्त ईओ ने कहा कि अनियोजित दर्शन भक्तों और प्रशासन दोनों के लिए सुरक्षित नहीं है। इसलिए भक्तों से अनुरोध है कि वे संयम बरतें और तिरुपति में एसएसडी टोकन प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की समस्या से बचने के लिए उन्हें अपने टोकन या टिकट पर आवंटित तिथि और समय पर ही तिरुमाला आना चाहिए। बोर्ड के सदस्य पनबाका लक्ष्मी, भानुप्रकाश रेड्डी, जेईओ वीरब्रह्मम, सीवीएसओ श्रीधर और अन्य उपस्थित थे।

2024 में 41,138 लोगों को भेजा गया जेल

30,153 विचाराधीन कैदी

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की जेलों में 2024 में 2875 महिलाओं समेत 41,138 लोगों को जेल भेजा गया। इसमें से 30,153 विचाराधीन कैदी थे। एनडीपीएस मामलों में कथित रूप से शामिल होने के बाद जेलों में भर्ती किए गए लोगों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है, जिसमें 312 महिलाओं समेत 6311 लोग शामिल हैं। महानिदेशक (कारागार) सौम्या मिश्रा ने कहा कि जेल विभाग कैदियों को सुधारने और उन्हें समाज से जोड़ने के लिए सभी कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि जेल विभाग छोटे-छोटे उद्योग चला रहा है, जहां कैदियों को अलग-अलग व्यवसायों में प्रशिक्षित किया जाता है, ताकि रिहाई के बाद इन लोगों को कुछ काम मिल सके और वे अपनी आजीविका कमा सकें।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जेलें राज्य में अलग-अलग जगहों पर 29 ईंधन आउटलेट चला रही हैं, जहाँ पूर्व-दोषी काम कर रहे हैं। सौम्या मिश्रा ने कहा कि विभाग अपनी 'स्मार्ट जेल' पहल के तहत जेलों के आधुनिकीकरण पर काम कर रहा है। जेल विभाग अत्यधिक कुशल कैदियों को प्रतिदिन 200 रुपये, कुशल कैदियों को 150 रुपये, अर्ध-कुशल कैदियों को 125 रुपये तथा अकुशल कैदियों को 100 रुपये का भुगतान कर रहा है।

पुलेला गोपीचंद ने सीएम से मुलाकात की

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। गोपीचंद ने खेलों पर राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की। गोपीचंद ने कहा कि खेल विश्वविद्यालय और खेल अकादमी के माध्यम से एथलीटों को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाना राज्य सरकार के लिए एक अच्छा विकास है। गोपीचंद ने कहा कि वह खेलों के विकास में योगदान देंगे।

बच्चों पर नियमित एंटीबायोटिक दवाओं का असर नहीं हो रहा

डॉक्टरों ने जताई चिंता

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सर्दी के मौसम में बैक्टीरिया (माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया) के कारण होने वाली सामान्य सर्दी से पीड़ित बड़ी संख्या में बच्चों पर एजिथ्रोमाइसिन और एमोक्सिसिलिन का कोई असर नहीं हो रहा है, जो बैक्टीरिया जनित संक्रमण के लिए बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित सबसे आम एंटीबायोटिक हैं। हैदराबाद के डॉक्टरों ने कहा कि हम बाल चिकित्सा समुदाय के रूप में एज़ी (एज़िथ्रोमाइसिन)/ऑगमेंटिन (एमोक्सिसिलिन क्लावुलैनेट) का दुरुपयोग होते हुए देखते हैं इसलिए, इस बार, माइकोप्लाज़्मा न्यूमोनिया संक्रमण वाले कुछ बच्चों के लिए एज़िथ्रोमाइसिन काम नहीं आया। अगर यह दुरुपयोग जारी रहा, तो कई एंटीबायोटिक्स काम नहीं करेंगे, और हम अधिक से अधिक अस्पताल में भर्ती होने और मौतों को देखेंगे।

माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और एजिथ्रोमाइसिन प्रतिरोध का परिदृश्य व्यापक एंटीबायोटिक दुरुपयोग के परिणामों की याद दिलाता है, जो एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) के रूप में हमारे सामने आ रहे हैं। तत्काल हस्तक्षेप के बिना, हम उन बीमारियों से और अधिक लोगों की जान गंवाने का जोखिम उठाते हैं, जिनका कभी इलाज संभव था। विशेष रूप से बाल चिकित्सा अभ्यास एक अग्रिम पंक्ति का युद्धक्षेत्र है, जहां यह प्रतिरोध स्पष्ट हो रहा है, जो अक्सर गलत सूचना और गलत एंटीबायोटिक नुस्खों के कारण और भी जटिल हो जाता है। एएमआर एक खामोश और बहुत उपेक्षित महामारी है जो पहले से ही हमारे एंटीबायोटिक शस्त्रागार की प्रभावकारिता को प्रभावित करना शुरू कर चुकी है।

दुर्घटना में 13 महिला कृषि मजदूर घायल

करीमनगर, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूराबाद मंडल के धर्मराजुपल्ली स्टेज के पास करीमनगर-हुजूराबाद रोड पर बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना में 13 महिला खेतिहर मजदूर घायल हो गईं। यह हादसा उस समय हुआ जब मजदूर जिस ऑटो रिक्शा में यात्रा कर रहे थे वह सड़क के डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया। सभी को हुजूराबाद क्षेत्र के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कंदुगुला निवासी ये मजदूर धान के खेतों में काम करने के लिए भीमपल्ली जा रहे थे।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने हैदराबाद में आत्महत्या की

राजन्ना सिरसिल्ला, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्रीगदा मनोहर (25) को मंगलवार रात हैदराबाद के कोमपल्ली में एक घर में लटका हुआ पाया गया। येल्लारेड्डीपेट मंडल मुख्यालय के मूल निवासी मनोहर हैदराबाद में एक निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम कर रहे थे और कोम्पल्ली में रह रहे थे। मंगलवार रात करीब 10 बजे उन्होंने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

छात्रों को मिर्च के साथ चावल परोसने पर सरकार की आलोचना

एमजीयू छात्राओं की उपेक्षा पर भड़के केटीआर

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने नलगोंडा जिले में महात्मा गांधी विश्वविद्यालय (एमजीयू) में छात्राओं की उपेक्षा के लिए कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा, जहां नाश्ते में केवल मिर्च पाउडर के साथ चावल परोसा गया। उन्होंने इस घटना की निंदा करते हुए इसे प्रशासनिक उदासीनता का एक ज्वलंत उदाहरण बताया और छात्रावासों में बुनियादी मानकों को बनाए रखने में विफल रहने के लिए कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा। कृष्णावेणी बालिका छात्रावास में नाश्ते के लिए चावल, नमक और मिर्च पाउडर के लिए प्लेटों के साथ कतार में खड़ी छात्राओं की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो गए, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया।

रामा राव ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए स्थिति की अमानवीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि क्या कांग्रेस इसी को जनता का शासन कहती है? मुख्यमंत्री दावा करते हैं कि एक प्लेट की कीमत 32,000 रुपये है, जबकि छात्रों को ऐसा खाना परोसा जाता है। उन्होंने महसूस किया कि तेलंगाना में होने वाले ऐसे मामलों को अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। उन्होंने पूछा कि क्या यह राष्ट्रीय मुद्दा तभी बनता है जब यह उत्तर प्रदेश या किसी अन्य राज्य में होता है।

अभी खत्म नहीं हुई फ़्लोरोसिस से लड़ाई

उच्च फ़्लोराइड स्तर के प्रभावों से जूझ रहे नलगोंडा निवासी

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिला एक बार फिर ध्यान आकर्षित कर रहा है क्योंकि लोग भूजल में उच्च फ़्लोराइड स्तर के प्रभावों से जूझ रहे हैं। फ़्लोरोसिस के मामलों में फिर से उछाल ने प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा है। गैर सरकारी संगठन लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए फिर से सक्रिय हो गए हैं कि क्या करें और क्या न करें, खासकर गांवों और शहरी इलाकों में जहां राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए डोर-टू-डोर सर्वेक्षण के हिस्से के रूप में कंकाल और दंत फ़्लोरोसिस के नए मामले सामने आए हैं।

भूजल में अत्यधिक फ़्लोराइड स्तर ने निवासियों को लंबे समय से परेशान किया है, जिससे जिले में गंभीर फ़्लोरोसिस हो रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पीने के पानी में 0.5 से 1.0 भाग प्रति मिलियन (पीपीएम) फ़्लोराइड सांद्रता की सिफारिश करता है। हालांकि, नलगोंडा के 3,477 प्रभावित गांवों में, फ़्लोराइड का स्तर 3.0 से 28 पीपीएम तक है, जिससे व्यापक फ़्लोरोसिस हो रहा है। निज़ाम के शासन के दौरान पहली बार इस समस्या की पहचान की गई थी, जिसके कारण फ़्लोरोसिस का व्यापक प्रकोप हुआ, जो हड्डियों और दांतों को प्रभावित करने वाली एक अपंग करने वाली बीमारी है।

फ़्लोरोसिस से निपटने के प्रयास 1940 के दशक से ही शुरू हो गए थे, जब निज़ाम सरकार ने सतही जल परियोजनाओं की शुरुआत की थी। हालाँकि, आज़ादी के बाद, लगातार सरकारों ने एक स्थायी समाधान खोजने के लिए संघर्ष किया है। नीदरलैंड द्वारा समर्थित 1975 की नलगोंडा तकनीक ने गंभीर रूप से प्रभावित गांवों में डी-फ़्लोराइडेशन प्लांट लगाए, लेकिन इन उपायों से केवल अस्थायी राहत मिली। 1980 और 90 के दशक में इस बीमारी पर विशेष ध्यान दिया गया, जब ए. विद्या सागर (आईएएस) और एसएम बालासुब्रमण्यम जैसे कलेक्टरों ने इस समस्या को दूर करने के लिए गहन उपाय शुरू किए।

प्रिंसिपल पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुशाईगुडा पुलिस ने एएस राव नगर स्थित एक निजी हाई स्कूल के प्रिंसिपल के खिलाफ छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने का मामला दर्ज किया है। छात्राओं ने आरोप लगाया कि संदिग्ध बी नागेन्द्र राव पिछले कुछ दिनों से कक्षा दस की छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार कर रहा था। अधिक उत्पीड़न सहन न कर पाने के कारण एक छात्रा आगे आई और उसने अपने परिवार के सदस्यों को यह बात बताई, जिन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर कई छात्रों के अभिभावक और छात्र संगठनों के सदस्य बुधवार को स्कूल परिसर में एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया।

पतंग उड़ाने के लिए चीनी मांझे का उपयोग न करें : एचएसआई

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति के नजदीक आने के साथ ही ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल/इंडिया (एचएसआई/इंडिया) ने लोगों से पतंग उड़ाने के लिए सिंथेटिक या चीनी मांझे का उपयोग करने से परहेज करने का आग्रह किया है। चीनी मांझा, जो कांच के चूरे से ढका होता है और खतरनाक रूप से नुकीला होता है, पक्षियों, जानवरों और मनुष्यों की त्वचा को काटता है, जिससे घातक चोटें आती हैं। हर साल, हज़ारों पक्षी इन खतरनाक डोरियों में उलझने के कारण घायल हो जाते हैं, जिनमें से कुछ की मृत्यु भी हो जाती है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा 2017 में चीनी मांझे के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के बावजूद, भारत के विभिन्न हिस्सों में इस खतरनाक सामग्री की बिक्री और उपयोग जारी है।

एचएसआई/इंडिया के प्रबंध निदेशक आलोकपर्णा सेनगुप्ता ने कहा कि कानून के प्रति यह उपेक्षा चिंताजनक है, क्योंकि यह खुशी के अवसर को पक्षियों, जानवरों और मनुष्यों के लिए मौत के जाल में बदल देती है।

सेनगुप्ता ने कहा कि इससे न केवल सार्वजनिक सुरक्षा और पशु कल्याण को खतरा है, बल्कि अधिकारियों को सख्त उपाय लागू करने की तत्काल आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया है।

साथ ही, हम नागरिकों से करुणामयी संक्रांति मनाने का आग्रह करते हैं। एचएसआई/इंडिया ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अनुसार, चीनी मांझे का उपयोग दंडनीय अपराध माना जाता है, जिसके लिए 5,000 रुपये का जुर्माना या एक वर्ष तक की कैद हो सकती है। घायल पक्षियों की मदद के लिए, 7842227344 पर सिटीजन फॉर एनिमल्स को कॉल करें।

बीआरएस ने जोगीपेट में किया मौन विरोध प्रदर्शन

संगारेड्डी, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जोगीपेट में मौन विरोध प्रदर्शन किया और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव के खिलाफ झूठा मामला दर्ज करने के कांग्रेस सरकार के फैसले का विरोध किया। शहर के अंबेडकर जंक्शन पर भारी संख्या में एकत्र हुए बीआरएस कार्यकर्ताओं ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष अपना विरोध प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बोलते हुए अंडोले के पूर्व विधायक चंति क्रांति किरण ने कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य में विपक्षी नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज करने के लिए अलोकतांत्रिक तरीके से काम कर रही है। क्रांति किरण ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस के निरंकुश शासन को उजागर करने के लिए यह रैली निकाली। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे कांग्रेस ने चुनावों से पहले लोकतंत्र की भावना को बनाए रखने का वादा किया था और अब उसने इसका उल्लंघन किया है। पूर्व विधायक ने कहा कि अंडोल विधानसभा क्षेत्र में पुलिस ने बीआरएस कार्यकर्ताओं पर सिर्फ जन मुद्दों पर लड़ने के लिए कई मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार अंडोल में रामा राव और बीआरएस कार्यकर्ताओं पर दर्ज मामले वापस लें।

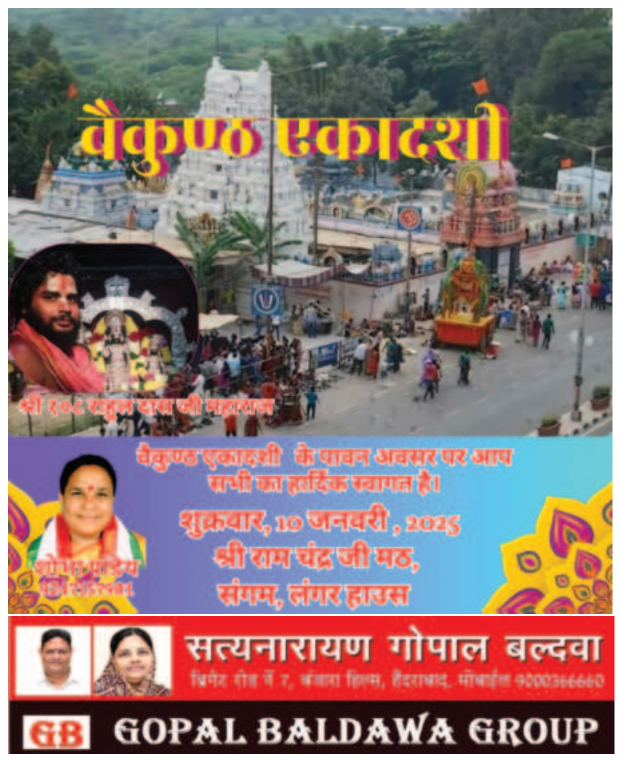

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.